NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 06 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य–6 रु.। वर्ष–6 । अंक–157

राम मंदिर निर्माण और आश्चर्यजनक विकास का आश्चर्यजनक परिणाम

अयोध्या ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाने वाली पार्टी को चुना

अयोध्या, 05 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) स्पष्ट जनादेश पाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनाने के लिए तैयार है। देश की 543 लोकसभा सीटों में से एक सीट, जिस पर पूरे देश और दुनिया की नजर थी, वह थी अयोध्या की फैजाबाद लोकसभा सीट। भगवान राम की नगरी अयोध्या की फैजाबाद लोकसभा सीट, जहां भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा। हैरानी की बात यह है कि जिस राम मंदिर को लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा की जीत की गारंटी माना जा रहा था, उसी अयोध्या में भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा, वह भी उस पार्टी से, जिसके दामन पर राम भक्तों के खून के छींटे पड़े हैं। फैजाबाद लोकसभा सीट पर लगभग 5 लाख वोट पाने वाले दो बार के सांसद लल्लू सिंह को समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अवधेश प्रसाद पासी ने हराया।

इस साल की शुरुआत में जब राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई, तो सारी दुनिया में संदेश गया कि हिंदुओं का 500 साल का संघर्ष रंग लाया और भगवान राम अपने जन्मस्थान पर बने भव्य मंदिर में आ गए। इन पांच सौ वर्षों के संघर्ष में 30 अक्टूबर 1990 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने कारसेवकों पर गोलियां चलवाई थीं। पुलिस फायरिंग में पांच राम भक्त मारे गए थे। इस घटना के 3 दिन बाद ही 2 नवंबर को दूसरी बार पुलिस की बंदूकें गरजी थीं और डेढ़ दर्जन कारसेवकों को मौत के घाट उतार दिया गया थी। मुलायम की गोली से शहीद होने वाले कार–सेवकों में कोठारी बंधु भी शामिल थे। इसके करीब 2 साल बाद बाबरी का विध्वंस हुआ और लंबे संघर्ष के बाद साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ हुआ।

वाह अयोध्या, आह अयोध्या...

राम मंदिर के निर्माण के लिए पूरी दुनिया के भक्तों ने दिल–खोलकर दान दिया। मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई, तो हर रोज हजारों–लाखों लोग दर्शन के लिए पूरे देश से पहुंचने लगे। ऐसे में यह माना गया कि राम मंदिर की वजह से भाजपा इस लोकसभा चुनाव में अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल कर लेगी, लेकिन नतीजे आए तो अयोध्या में ही भाजपा को पराजय का मुंह देखना पड़ा। अयोध्या के लोगों ने भाजपा को राम मंदिर निर्माण का उपहार देकर अपना उपकार–भाव प्रदर्शित किया। राम मंदिर के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देने वाली पार्टी को ही ऐसी अप्रत्याशित हार का मुंह देखना पड़ा। और जिस पार्टी ने अयोध्या में राम भक्तों का खून बहाया, उस पार्टी के प्रत्याशी को अयोध्या के मतदाताओं ने जीत दिलाई।

राम मंदिर के शिलान्यास को ध्यान में रखकर अयोध्या में अनगिनत योजनाओं की शुरुआत हुई। अयोध्या की मिट्टी सोने से भी अधिक कीमती हो गई। अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाया गया। रेलवे स्टेशनों को विश्वस्तरीय बनाया गया। शहर के अंदर सड़कों को मजबूत किया गया। सीवर लाइन, बिजली के तारों को अंडरग्राउंड किया गया। अयोध्या के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाई गई। तमाम बड़े ग्रुपों ने अयोध्या में निवेश किया है। नए होटल्स बने हैं। 394 करोड़ से 4 लेन अयोध्या अकबरपुर बसखारी मार्ग, एनएच 27 से रामपथ तक रेलवे पार पथ, पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर बड़ी बुआ रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज, दर्शन नगर के पास रेलवे ओवर ब्रिज आदि का कार्य पूरा किया गया। इसके अलावा, अमानीगंज में मल्टी लेवल पार्किंग, कलेक्ट्रेट के पास स्मार्ट वाहन पार्किंग, पंचकोसी और चौदह कोसी मार्ग पर इंटरप्रिटेशन वॉल का निर्माण, ▶10 पर

राष्ट्रपति से मिले मोदी, शपथ लेने तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहेंगे

नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया

- 18वीं लोकसभा के प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण 8 जून को संभव
- केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद एनडीए गठबंधन की बैठक हुई
- एनडीए की बैठक में शामिल हुए टीडीपी जेडीयू समेत सभी दल
- विपक्षी गठबंधन की बैठक में सत्ता के लिए जोड़–तोड़ पर विचार

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में 17वीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश की गई। मौजूदा 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म हो रहा था। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति भवन पहुंचे और उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लोकसभा भंग करने की सिफारिश करते हुए अपना और अन्य मंत्रियों का इस्तीफा सौंपा। जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूर कर लिया। साथ ही राष्ट्रपति ने नरेंद्र मोदी से अगली सरकार के गठन तक बतौर कार्यकारी प्रधानमंत्री जिम्मेदारी संभालने की अपील की।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लोकसभा चुनाव के नतीजों और भाजपा नीत एनडीए द्वारा सदन में बहुमत हासिल करने के बाद संभावित सरकार गठन के मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक सुबह 11.30 बजे प्रधानमंत्री आवास पर शुरू हुई थी। इस बैठक के बाद मंत्रिपरिषद की बैठक भी हुई। 7 जून को संसदीय दल की बैठक होगी और अगले दिन यानी 8 जून को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है।

दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की भी बैठक हुई। बैठक में नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से गठबंधन का नेता चुना गया। बैठक में टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू, जदयू नेता नीतीश कुमार, लोजपा नेता चिराग पासवान, जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी, शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, एनसीपी (अजित) नेता अजित पवार समेत अन्य दलों के नेता शामिल थे। बैठक में सरकार बनाने से लेकर कई अन्य मसलों पर मंथन हुआ।

शिवसेना को महाराष्ट्र में सात और एनसीपी को एक सीट पर जीत मिली है। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) भाजपा के बाद दूसरा सबसे बड़ा घटक दल है। इसके वरिष्ठ नेता कनकमेडला रविंद्र कुमार ने कहा कि आंध्र प्रदेश में भाजपा और जनसेना के साथ हमारा चुनाव पूर्व समझौता महज राजनीतिक अंकगणित की सौदेबाजी नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता का बंधन है। ▶10 पर

औपचारिक तौर पर घोषित हुआ लोकसभा चुनाव का परिणाम

240 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव परिणाम की औपचारिक घोषणा के साथ ही अठारहवीं लोकसभा की तस्वीर साफ हो गई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में एनडीए की फिर एक बार सरकार बनने जा रही है। एनडीए को 292 और विपक्षी गठबंधन को 234 सीटें मिली हैं। भारतीय जनता पार्टी ने 240 सीट पर जीत हासिल की है, लेकिन वह बहुमत से 32 सीट पीछे है। दूसरी बड़ी पार्टी कांग्रेस ने 99 सीटों पर जीत हासिल की है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर इतिहास दोहराया है और सातों सीटें जीत ली हैं।

सबसे बड़ा उलटफेर समाजवादी पार्टी ने किया है।

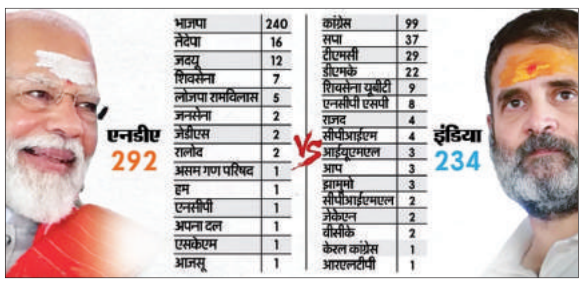

विपक्षी गठबंधन को मिली 234 सीटें

उत्तर प्रदेश की यह पार्टी अब लोकसभा में तीसरी बड़ी ताकत होगी। अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीत ली हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का जादू बरकरार रहा। तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल की 42 में से 29 सीटें जीत ली हैं। बंगाल में भाजपा की झोली में 12 सीटें आई हैं। इनके अलावा द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) ने 22, जनता दल (यूनाइटेड) ने 12 और तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने 16 सीटें जीती हैं। ये तीन ऐसे दल हैं जिसने दहाई की संख्या में जीत दर्ज की है।

भारतीय जनता पार्टी को सबसे बड़ा झटका उत्तर प्रदेश में लगा है। यहां वह पिछली 63 सीटों में से 30 घटकर 33 पर सिमट गई है। ▶10 पर

लोकसभा में बढ़ी मुस्लिम सांसदों की हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों के नतीजों पर गौर करने वाली बात है कि इस चुनाव मुस्लिम सांसदों की संख्या में बढ़ोतरी हो गई है। 2014 में संसद में मुस्लिम सांसदों की संख्या 22 थी। अब यह संख्या 28 पहुंच गई है। कल तक सामने आ रहा था कि 26 मुस्लिमों ने लोकसभा सीटें जीती हैं, लेकिन अब ये संख्या 28 हो गई है।नए मुस्लिम सांसदों में एक टीएमसी द्वारा बहरामपुर से उतारे गए क्रिकेटर युसूफ पठान हैं जिन्होंने पांच बार से लगातार सांसद बन रहे कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी को हराकर अपनी जगह बनाई। पठान के अलावा सपा की मुस्लिम प्रत्याशी इकरा चौधरी ने कैराना में भाजपा प्रत्याशी को हराया। लद्दाख में मोहम्मद हनीफ और जम्मू में अब्दुल राशिद ने निर्दलीय चुनाव लड़कर जीता। इसके अलावा सपा प्रत्याशी मोहिबुल्लाह ने रामपुर से जीत दर्ज की। सबसे बड़ी जीत असम के ढुबरी से रकीबुल हुसैन ने दर्ज की। हुसैन ने मोहम्मद बदरुद्दीन अजमल को 10 लाख 12 हजार वोट से हराकर जीत हासिल की है।इनके अलावा केरल के मल्लपुरम लोकसभा सीट पर 65 से 70 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं जहां से मुस्लिम लीग के मोहम्मद बशीर ने जीत हासिल की है। ▶10 पर

केजरीवाल की जेल हिरासत 19 जून तक बढ़ी

अंतरिम जमानत याचिका भी खारिज

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। अंतरिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने संबंधित विभाग को केजरीवाल के स्वास्थ्य को लेकर निर्देश दिए हैं।

शराब नीति घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 19 जून तक के लिए बढ़ा दी है। केजरीवाल को आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। ▶10 पर

विपक्ष का विचित्र चाल चरित्र चेहरा

अब न ईवीएम पर मलाल न तानाशाही का सवाल

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। विपक्ष की अवसरवादी राजनीति का चेहरा इस बार के चुनाव में पूरी तरह नंगा हो गया। मतगणना के एक दिन पहले जो पार्टियां ईवीएम पर संदेह उठाने के साथ–साथ देश में तानाशाही की रुदालियां गा रही थीं, मतगणना के साथ ही उनका चाल चरित्र चेहरा देश के सामने उजागर हो गया। न ईवीएम पर मलाल रहा और न तानाशाही पर सवाल।

अचानक ही ईवीएम हैक होने की चर्चा बंद हो गई। राहुल गांधी के सलाहकार जयराम रमेश ने कहा था कि गृह मंत्री अमित शाह जिलाधिकारियों और मतदान अधिकारियों को फोन कॉल कर मतगणना में फेरबदल करने की हिदायतें दे रहे हैं। चुनाव आयोग ने जयराम रमेश को प्रमाण के साथ सामने आने की सलाह दी और कहा कि वे इस तरह अफवाहें न फैलाएं। आयोग ने प्रमाण पेश करने का समय दिया था, लेकिन जयराम कोई प्रमाण पेश नहीं कर सके। इसके लिए समय मांग रहे हैं। जयराम रमेश इस सुनियोजित षडयंत्र में कानूनी प्रक्रियाओं में फंसने वाले हैं। ▶10 पर

बसपा प्रमुख मायावती ने तत्व पर साधा निशाना

अब मुसलमानों को सोच–समझकर ही टिकट देंगे

लखनऊ, 05 जून (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती ने कहा कि लोकसभा चुनाव में उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद मुस्लिम समाज ने हमारा साथ नहीं दिया ऐसे में अब उन्हें काफी सोच समझकर टिकट दिया जाएगा।लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन समाज पार्टी को हुए भयंकर नुकसान के बाद पार्टी सुप्रीमो मायावती ने कहा कि बसपा द्वारा उचित प्रतिनिधित्व देने के बाद भी मुस्लिम समाज ने हमारा साथ नहीं दिया ऐसी स्थिति में आगे इनको काफी सोच समझकर ही मौका दिया जाएगा। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34^{0}
न्यूनतम : 26^{0}

विकास और आस्था की स्थापना के सम्मान का उत्तर–दक्षिण फर्क

दक्षिण भारत के मतदाताओं ने भाजपा को गले लगाया

दक्षिण के सभी राज्यों में भाजपा का जनाधार बढ़ा

केरल में भी जीत दर्ज की, तेलंगाना में दोगुनी हुई सीट

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। लोकसभा 2024 चुनाव के परिणाम सामने हैं। भाजपा 240 सीट के साथ देश की सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी है। इन चुनावों में अधिकांश चर्चा भाजपा की उत्तर भारत के कुछ राज्यों में सीटें घटने को लेकर है। दूसरी तरफ पार्टी ने दक्षिण में अपने पैर पसारे हैं, उसने कई राज्यों में वोट प्रतिशत बढ़ाया है और केरल जैसे राज्य में खाता भी खोला है।तमिलनाडु में उसने अपना वोट प्रतिशत तीन गुना कर लिया है। आंध्र प्रदेश में उसके वोट प्रतिशत में 10 गुने की बढ़ोतरी हुई है। कर्नाटक में भी वह अपना किला बचाने में सफल रही है। तेलंगाना में उसने अपना वोट प्रतिशत और सीट दोनों ही लगभग दोगुने कर लिए हैं। इन राज्यों में भाजपा का यह विस्तार उसे आगे चुनावों में और बढ़त देगा। राज्यवार समीक्षा की जाए तो दिखाई देता है कि 2019 के मुकाबले दक्षिण में भाजपा कहीं अधिक प्रभावशाली ढंग से उभरी है।

तमिलनाडु: दक्षिण के सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में भाजपा ने 2024 लोकसभा चुनावों में 10 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए हैं। उसे 2024 लोकसभा चुनावों में 11.24 प्रतिशत वोट मिले हैं। यह उसका तमिलनाडु में सबसे अच्छा प्रदर्शन है। इससे पहले 2019 चुनावों में उसे 3.62 प्रतिशत वोट मिले थे। तमिलनाडु में भाजपा तीसरे सबसे अधिक वोट हासिल करने वाली पार्टी बनी है। उसे सत्ताधारी डीएमके और विपक्षी एआईएडीएमके के बाद राज्य में सबसे अधिक वोट हासिल हुए हैं। कांग्रेस इस मामले में तमिलनाडु में भाजपा से पीछे रही है। तमिलनाडु में भाजपा की यह उपलब्धि उसे विधानसभा चुनावों में बड़ी बढ़त दे सकती है। हालाँकि, 11 प्रतिशत से अधिक वोट पाने के बाद भी भाजपा तमिलनाडु में सीटें नहीं जीत सकी। लेकिन वह 11 सीटों पर राज्य में दूसरे स्थान पर रही है। ▶10 पर

TIBCON
CAPACITORS
It's all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

मध्यप्रदेश से कांग्रेस का सूपड़ा साफ

सभी 29 सीटों पर भाजपा की ऐतिहासिक विजय

कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया अपनी परंपरागत सीटें भी नहीं बचा पाए

भोपाल, 05 जून (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश में पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव में भी उसी परंपरा को कायम रखते हुए कांग्रेस का न केवल राज्य से सफाया कर दिया, बल्कि पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के खाते में गई एकमात्र छिंदवाड़ा सीट को भी पार्टी से छीनते हुए इस बार सभी 29 लोकसभा सीटें अपने नाम कर लीं।

मुरैना से शिवमंगल सिंह तोमर, भिंड से संध्या राय, ग्वालियर से भारत सिंह कुशवाहा, गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया, सागर से लता वानखेड़े, टीकमगढ़ से वीरेंद्र कुमार, दमोह से राहुल लोधी, खजुराहो से विष्णु दत्त शर्मा निर्वाचित हुए। इसी तरह सतना से गणेश सिंह, रीवा से जनार्दन मिश्रा, सीधी से राजेश मिश्रा, शहडोल से हिमाद्री सिंह, जबलपुर से आशीष दुबे, मंडला से फग्गन सिंह कुलस्ते, बालाघाट से भारती पारधी, छिंदवाड़ा से बंटी विवेक साहू, होशंगाबाद से दर्शन सिंह चौधरी, विदिशा से शिवराज सिंह चौहान, भोपाल से आलोक शर्मा, राजगढ़ से रोडमल नागर, देवास से महेंद्र सिंह सोलंकी, उज्जैन से अनिल फिरोजिया, मंदसौर से सुधीर गुप्ता, रतलाम से अनीता नागर सिंह चौहान चुनाव जीत गई हैं। राज्य की अन्य सीटों धार से सावित्री ठाकुर, इंदौर से शंकर लालवानी, खरगोन से गजेंद्र सिंह पटेल, खंडवा से ज्ञानेश्वर पाटिल, बैतूल से दुर्गादास चुनाव जीते हैं।

लोकसभा चुनावों के परिणामों ने जहां एक ओर भाजपा के दिग्गजों, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत अन्य नेताओं के चेहरे पर मुस्कान ला दी है, वहीं कांग्रेस के वरिष्ठतम नेताओं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के राजनीतिक भविष्य पर भी सवालिया निशान लगा दिए हैं। ये तीनों नेता इस चुनाव में अपनी परंपरागत सीटें भी नहीं बचा पाए हैं। श्री सिंह और श्री भूरिया जहां एक ओर अपनी सीटों क्रमश: राजगढ़ और रतलाम-झाबुआ को नहीं बचा पाए, वहीं कमलनाथ भी इस बार अपने गढ़ कहे जाने वाले छिंदवाड़ा से अपने पुत्र नकुलनाथ को जीत दिला पाने में असफल रह गए।

भाजपा की ओर से श्री चौहान ने अपनी परंपरागत सीट विदिशा से आठ लाख से भी ज्यादा मतों से जीत हासिल की। वहीं श्री शर्मा भी खजुराहो से लगभग साढ़े पांच लाख मतों से जीत पाकर अब लगातार इस सीट से दूसरी बार संसद पहुंचने वाले हैं। दूसरी ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री सिंह को राजगढ़ में भाजपा प्रत्याशी रोडमल नागर के हाथों एक लाख 46 हजार से अधिक मतों से शिकस्त झेलना पड़ी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी गुना से पांच लाख से अधिक मतों से विजयी होने में सफल रहे। भाजपा ने अपनी शानदान विजय का जश्न यहां देर शाम प्रदेश कार्यालय में मनाया, जहां पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, श्री शर्मा और श्री चौहान समेत अनेक नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉ यादव ने इस अवसर पर कहा कि भाजपा के वोट प्रतिशत में इस बार 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 50 से बढ़कर 61 प्रतिशत तक पहुंच गया है। कुल 29 में से 25 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी एक लाख से अधिक मतों से जीते हैं। इंदौर में भाजपा प्रत्याशी शंकर ललवानी 11 लाख 75 हजार से अधिक मतों से विजयी रहे, हालाकि यहां कांग्रेस प्रत्याशी के मैदान में नहीं होने से नोटा के विकल्प पर भी दो लाख से अधिक लोगों ने वोट किया। राज्य के इन नतीजों की जहां भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने भी केंद्रीय मुख्यालय दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में जिक्र किया, तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य के जनादेश को स्वीकार करते हुए कहा कि वे इसकी जिम्मेदारी लेते हैं। इसके साथ ही उन्होंने आत्ममंथन करने और सकारात्मक बदलाव लाने के संकेत भी दिए।

कांग्रेस के गढ़ छिंदवाड़ा में भाजपा प्रत्याशी बंटी विवेक साहू ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के नकुलनाथ को एक लाख 13 हजार से अधिक मतों से पराजित किया। श्री साहू ने अपनी विजय के साथ ही कांग्रेस से यह सीट छीन ली है। रतलाम संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस के आदिवासी नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया को भी भाजपा की अनीता चौहान के हाथों पराजित होना पड़ा। हालांकि भाजपा उन लगभग आधा दर्जन सीटों पर भी विजय हासिल करने में भी सफल रही, जहां पर प्रत्याशियों के चयन के चलते ये सीट सत्तारूढ़ दल भाजपा के लिए टफ मानी जा रही थीं।

भाजपा का प्रदेश नेतृत्व इस अभूतपूर्व सफलता से बेहद गदगद नजर आ रहा है, क्योंकि इस तरह की सफलता मध्यप्रदेश के संसदीय इतिहास में भाजपा ने पहली बार हासिल की है। मुख्यमंत्री डॉ यादव और प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने यह सफलता विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नेतृत्व को समर्पित की है, वहीं राज्य के पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बिहार में एनडीए 30, विपक्षी गठबंधन नौ सीटों पर विजयी

राजद चार, कांग्रेस तीन और भाकपा माले दो सीटों पर ही सिमटीं

2019 के चुनाव की तुलना में एनडीए को नौ सीटों का नुकसान उठाना पड़ा

पटना, 05 जून (एजेंसियां)।

18 वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम मंगलवार देर रात्रि घोषित कर दिए गए। सूबे की 40 लोकसभा सीटों पर सुबह आठ बजे मतगणना शुरू हुई और देर रात्रि तक सभी परिणाम घोषित कर दिये गये। बिहार के 33 जिला मुख्यालयों पर मतगणना संपन्न हुई।

इस चुनाव में सत्ताधारी एनडीए को 30 सीटों पर जीत मिली तो मुख्य विपक्षी गठबंधन को नौ सीटों से संतोष करना पड़ा। हालांकि 2019 के चुनाव की तुलना में एनडीए को नौ सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दलित और अतिपिछड़ा के साथ-साथ महिला मतदाताओं पर आज भी मजबूत पकड़ बरकरार है।

एनडीए में शामिल जदयू ने 12, भाजपा ने 12, लोजपा ने पांच और हम ने एक सीट पर जीत दर्ज की तो महागठबंधन में शामिल पार्टियों में राजद को चार, कांग्रेस को तीन और भाकपा माले को दो सीटों से संतोष करना पड़ा है। जबकि एक सीट पर निर्दलीय राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जीत दर्ज की है। इस चुनाव में कई दिग्गजों को हार का मुंह देखना पड़ा है। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा, रामकृपाल यादव, अली अशरफ फातमी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी, पूर्व मंत्री ललित कुमार यादव, आलोक मेहता, कुमार सर्वजीत चुनाव हार गये। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, बिहार विधान परिषद के सभापति देवेशचंद्र ठाकुर, मीसा भारती, पूर्व केंद्रीय मंत्री तारिक अनवर, राजेश रंजन यादव उर्फ पप्पू यादव को जीत मिली है।

जदयू को 12 सीटों पर कामयाबी मिली है। वाल्मीकिनगर से जदयू के सुनील कुमार ने जीत दर्ज की। सुनील कुमार ने राजद के दीपक यादव को हराया। पश्चिम चंपारण से भाजपा ने संजय जायसवाल ने जीत दर्ज की है। संजय जायसवाल ने कांग्रेस के मदन मोहन तिवारी को पराजित किया। पूर्वी चंपारण से भाजपा के राधामोहन सिंह ने जीत दर्ज की है। उन्होंने वीआईपी के राजेश कुशवाहा को पराजित किया। शिवहर से जदयू की लवली आनंद ने जीत दर्ज की है। लवली आनंद ने राजद की रितु जायसवाल को पराजित किया। सीतामढ़ी से जदयू के देवेशचंद्र ठाकुर ने जीत दर्ज की है। उन्होंने राजद के अजरुन राय को पराजित किया। मधुबनी से भाजपा के अशोक यादव ने जीत दर्ज की है। उन्होंने राजद के अली अशरफ फातमी को पराजित किया।

झंझारपुर से जदयू के रामप्रीत मंडल ने जीत दर्ज की है। उन्होंने वीआईपी के सुमन महासेठ को पराजित किया। सुपौल से जदयू के दिलेर कामत ने जीत दर्ज की है। उन्होंने राजद के चंद्रहास चौपाल को पराजित किया। अररिया से भाजपा के प्रदीप कुमार सिंह ने जीत दर्ज की है। उन्होंने राजद के शाहनवाज को पराजित किया। कटिहार से कांग्रेस से तारिक अनवर ने जीत दर्ज की है। पूर्णिया से निर्दलीय राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कांटे के मुकाबले में जदयू के संतोष कुशवाहा को पराजित किया। उन्होंने जदयू के दुलाल चंद्र गोस्वामी को पराजित किया। मधेपुरा से जदयू के दिनेशचंद्र यादव ने जीत दर्ज की है। उन्होंने राजद के कुमार चंद्रदीप को पराजित किया। दरभंगा से भाजपा के गोपाल जी ठाकुर ने जीत दर्ज की है। उन्होंने राजद के ललित कुमार यादव को पराजित किया। मुजफ्फरपुर से राजद के राज भूषण निषाद ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस के अजय निषाद को पराजित किया। वैशाली से लोजपा (आर) की वीणा देवी ने जीत दर्ज की है। उन्होंने राजद के विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला को पराजित किया। गोपालगंज से जदयू के डॉ.आलोक कुमार सुमन ने वीआईपी के प्रेमनाथ चंचल उर्फ चंचल पासवान को पराजित किया। सीवान से जदयू की विजय लक्ष्मी देवी ने जीत दर्ज की है। उन्होंने निर्दलीय हिना शाहेब को पराजित किया है।

राजस्थान में भाजपा को लगा तगड़ा झटका, 11 सीटें गंवाई

भाजपा को इस चुनाव में अजा-अजजा मतदाताओं ने दिया बड़ा झटका

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत जालौर सीट से चुनाव हारे

जयपुर, 05 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनावों में राजस्थान में सत्तारूढ पार्टी भाजपा को तगड़ा झटका लगा है। प्रदेश की कुल 25 लोकसभा सीटों में भाजपा केवल 14 पर ही जीत हासिल कर सकी है जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को 10 सीटें मिलीं हैं। वहीं एक सीट बांसवाड़ा पर भारतीय आदिवासी पार्टी ने जीत दर्ज की। वैसे इस सीट पर भी कांग्रेस ने आदिवासी पार्टी के समर्थन में अपने उम्मीदवार को मैदान से हटा दिया था।

पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा ने प्रदेश की सभी 25 सीटें जीतकर एक इतिहास बनाया था। इस चुनाव में भाजपा 25 सीटों पर जीतने का दावा कर रही थी लेकिन विरोधी इंडिया गठबंधन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए उसके सपने पर पानी फेर दिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर लोकसभा सीट पर भी भाजपा को चुनावी हार का सामना करना पड़ा।

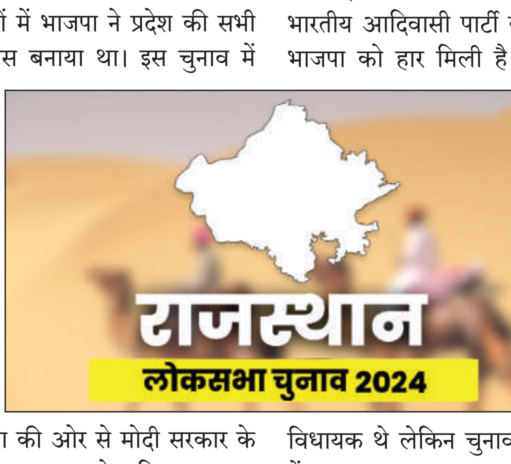

इस बार राजस्थान में भाजपा की ओर से मोदी सरकार के चार मंत्री और लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला चुनाव मैदान में थे। इनमें तीन मंत्री अलवर से भूपेंद्र यादव, बीकानेर से अजरुनराम मेघवाल और जोधपुर से गजेंद्र सिंह शेखावत चुनाव जीत गए जबकि बाड़मेर से कैलाश चौधरी बुरी तरह हारते हुए तीसरे स्थान पर आए। वहीं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कोटा-बूंदी सीट से लगातार तीसरी बार निर्वाचित हुए। राजस्थान के चुनावी समर में इस बार दो पूर्व मुख्यमंत्रियों वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह और अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत भी चुनावी मैदान में थे। इनमें दुष्यंत सिंह अपनी परंपरागत झालावाड़ सीट से लगातार पांचवी बार जीते हैं लेकिन वैभव गहलोत जालौर सीट से चुनाव हार गए। उनकी लोकसभा चुनाव में यह लगातार दूसरी पराजय है। पिछले चुनाव में वे जोधपुर सीट से हार गए थे।

चुनाव मैदान में कांग्रेस ने तीन सीटें सीकर और नागौर अपने इंडिया गठबंधन के साथी दलों जबकि एक बांसवाड़ा भारतीय आदिवासी पार्टी को दी थी। इन तीनों ही सीटों पर भाजपा को हार मिली है। सीकर में माकपा के अमराराम जबकि नागौर से आरएलपी के हनुमान बेनीवाल विजयी हुए हैं। जबकि भारतीय आदिवासी पार्टी के राजकुमार रोत वांसवाड़ा सीट से चुने गए।

इस सीट पर भाजपा ने कद्दावर आदिवासी नेता महेंद्रजीत सिंह मालवीय को उतारा था। वे कांग्रेस के विधायक थे लेकिन चुनाव हार गए। भाजपा को इस चुनाव में अजा-अजजा मतदाताओं ने बड़ा झटका दिया है। प्रदेश की अजा के आरक्षित चार में तीन पर जबकि अजजा के लिए आरक्षित तीन में दो पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है।

राजस्थान में भाजपा नेतृत्व की कमी के साथ ही जातिगत समीकरणों में पिछड़ने के कारण मात खा गई। वहीं, बीजेपी की स्थानीय राजनीति में भी गुटबाजी बढ़ाई, जिसकी वजह से ग्राउंड पर उनका जनाधार सिमटता गया। शुरुआत में उन्हें मोदी लहर से उम्मीद थी लेकिन राजस्थान में वो लहर असर नहीं दिखा पाई। मोदी लहर के भरोसे रहना उनकी बड़ी भूल साबित हुई और जब तक उन्हें ग्राउंड रियलिटी का अहसास हुआ तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

उत्तराखंड की सभी सीटों पर भाजपा ने आशानुरूप हासिल की सफलता

देहरादून, 05 जून (एजेंसियां)।
अठारहवीं लोकसभा (लोस) के लिए मंगलवार को हुई मतगणना में उत्तराखंड की सभी पांचों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल कर ली है। सुबह आठ बजे शुरू हुई मतगणना के परिणाम देर रात घोषित कर दिए गए। बढ़ी बढ़त के बाद, भाजपा नेता और कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, नैनीताल, उधमसिंह नगर क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने रिकार्ड 03 लाख, 34 हजार, 548 मतों से अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के प्रकाश जोशी को शिकस्त दी है। जबकि हरिद्वार में भाजपा के त्रिवेंद्र सिंह रावत ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के वीरेंद्र सिंह को कुल 01,64,056 मतों से पराजित कर दिया है। श्री रावत वर्ष 2017 में डोईवाला विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनने के बाद, राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। लगभग चार वर्ष बाद उनके स्थान पर, सांसद तीरथ सिंह रावत को और तीन महीने बाद पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद श्री त्रिवेंद्र सक्रिय राजनीति से बाहर थे। लोस चुनाव की घोषणा के बाद उन्हें फिर पार्टी ने मौका देकर हरिद्वार से प्रत्याशी बनाया। जहां उन्होंने जीत हासिल की है।

इसके अलावा, टिहरी लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की माला राज लक्ष्मी शाह ने चौथी बार लोकसभा सदस्य के रूप में सफलता हासिल कर ली है। उन्होंने 02 लाख, 72 हजार,493 मतों से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के जोतसिंह गुणसोला को हराया है। पौड़ी गढ़वाल में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल बलूनी ने अपने निकटतम प्रत्याशी कांग्रेस के गणेश गोदियाल को 1 लाख, 63 हजार, 503 मतों से, जबकि अल्मोड़ा में भाजपा के अजय टम्टा ने कांग्रेस के प्रदीप टम्टा को 2 लाख, 34 हजार, 097 मतों से हरा दिया है। पार्टी की हैट्रिक की खुशी में पूरे राज्य में आतिशबाजी के साथ, गुलाल से होली खेली जा रही है और मिठाइयां बांटी जा रही हैं।

हरियाणा में भाजपा-कांग्रेस के मध्य मुकाबला बराबरी का

दोनों को मिलीं 5-5 सीटें

चंडीगढ़, 05 जून (एजेंसियां)।
हरियाणा में लोकसभा चुनाव में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों को ही पांच पांच सीट मिली हैं। इस बार सबसे बड़ी जीत रोहतक से कांग्रेस प्रत्याशी दीपेंद्र हुड्डा ने हासिल की है। वहीं कांग्रेस के ही सतपाल ब्रह्मचारी करीबी अंतर से जीते हैं। कुमारी सैलजा ने दूसरे नंबर तो पूर्व सीएम मनोहर लाल ने तीसरे नंबर पर सबसे बड़ी जीत हासिल की है। इस बार भाजपा को वोट प्रतिशत में भी बड़ा नुकसान हुआ है।

हरियाणा में पहली जीत कुमारी सैलजा की घोषित हुई। उन्होंने 2 लाख 68 हजार 497 वोट से ये सीट जीतीं हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से कुमारी सैलजा ने 733823 मत प्राप्त कर 268497 के अंतर से अशोक तंवर को हरा दिया है। भारतीय जनता पार्टी से अशोक तंवर को 465326 मत प्राप्त हुए हैं। सिरसा संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी कुमारी सैलजा और भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर में आमने-सामने का मुकाबला था। हरियाणा के हिसार में कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत हासिल कर ली है। यहां कांग्रेस के जयप्रकाश को 570424 वोट मिले हैं और भाजपा प्रत्याशी रणजीत सिंह चौटाला को 63381 वोट से हराया है। रणजीत सिंह को 507043 वोट मिले हैं। हरियाणा की रोहतक सीट पर भाजपा की बड़ी हार हुई है। यहां पिछली बार छोटे से अंतर से चुनाव हारे दीपेंद्र हुड्डा हरियाणा में सबसे बड़े अंतर से जीते हैं। उन्होंने यहां भाजपा के डॉ. अरविंद शर्मा को 345298 वोट से हराया है। दीपेंद्र हुड्डा को 783578 वोट तो अरविंद शर्मा को 438280 मत मिले हैं। कौसली विधानसभा क्षेत्र में भी दीपेंद्र हुड्डा ने जीत हासिल की है।

सतपाल ब्रह्मचारी ने मोहन लाल बड़ौली को 21816 वोटों से हराया है। साफ छवि व नए चेहरे का ब्रह्मचारी को लाभ मिला है। सतपाल ब्रह्मचारी को 548682 वोट प्राप्त हुए हैं और मोहन लाल बड़ौली को 526866 मत प्राप्त हुए हैं। यहां भाजपा और कांग्रेस में ही आमने सामने का मुकाबला था। करनाल लोकसभा सीट से पूर्व सीएम मनोहर लाल ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने यहां से कांग्रेस के युवा नेता दिव्यांशु बुद्धिराजा को पराजित किया है। मनोहर लाल की जीत का अंतर 232577 रहा है। मनोहर लाल को 739285 तो दिव्यांशु बुद्धिराजा को 506708 वोट मिले हैं। इस सीट पर भाजपा को पिछली बार देश की दूसरी सबसे बड़ी जीत मिली थी और संजय भाटिया छह लाख से ज्यादा वोट से जीते थे। इस सीट से बसपा के इंद्र सिंह ने 32508 वोट प्राप्त किए हैं। वहीं इंडिया गठबंधन में सदस्य एनसीपी शरद पंवार के प्रत्याशी मराठा वीरेंद्र वर्मा ने 29151 वोट हासिल कर चौथे नंबर पर स्थान पाया। वहीं हरियाणा में साढ़े चार साल तक भाजपा के सहयोगी दल रहे जजपा के प्रत्याशी को मात्र 11467 वोट ही मिल सके। अंबाला से कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत हासिल कर ली है। यहां वरुण चौधरी ने 663657 वोट प्राप्त किए हैं। उन्होंने 49036 वोट से बंतो कटारिया को हराया है। बंतो कटारिया को 614621 वोट मिले हैं।

कुरुक्षेत्र से नवीन जिंदल ने जीत हासिल कर ली है। यहां उन्होंने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सुशील गुप्ता को हराया है। यहां नवीन जिंदल को 542175 मत प्राप्त हुए और सुशील गुप्ता को 513154 वोट मिले व नवीन जिंदल ने 29021 मत से सुशील गुप्ता को कराया। यहां इनेलो के बड़े नेता अभय चौटाला तीसरे स्थान पर रहे और मात्र 78708 हजार वोट ही प्राप्त हुए। गुरुग्राम सीट से राव इंद्रजीत सिंह को 808336 वोट मिले हैं। यहां उन्होंने कांग्रेस के राजब्बर को 75079 वोट से हराया है। राज बब्बर को 733257 वोट मिले हैं। इस सीट पर राव की जीत का अंतर पिछली बार की तुलना में बहुत कम हो गया है। वहीं इस सीट से जजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे राहुल यादव फैजलपुरिया ने 13278 वोट हासिल किए हैं।

फरीदाबाद में कृष्ण पाल गुर्जर ने कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र प्रताप हो हरा दिया है। वह एक बार फिर से सांसद बन गए हैं। उन्होंने 788569 वोट प्राप्त कर महेंद्र प्रताप को 172914 वोट से हराया है। वहीं महेंद्र प्रताप को 615655 वोट प्राप्त हुए हैं। भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से धर्मबीर सिंह ने जीत हासिल कर ली है। धर्मबीर सिंह ने 588664 वोट हासिल किए हैं। उन्होंने 41510 वोट से राव दान सिंह को पराजित किया है। कांग्रेस के राव दान सिंह को 547154 वोट मिले हैं। यहां जजपा के राव बहादुर सिंह को 15265 वोट मिले हैं।

छत्तीसगढ़ की 10 सीटों पर भाजपा का कब्जा

जीत के जश्न में हुई आतिशबाजी

पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया चुनाव हारे

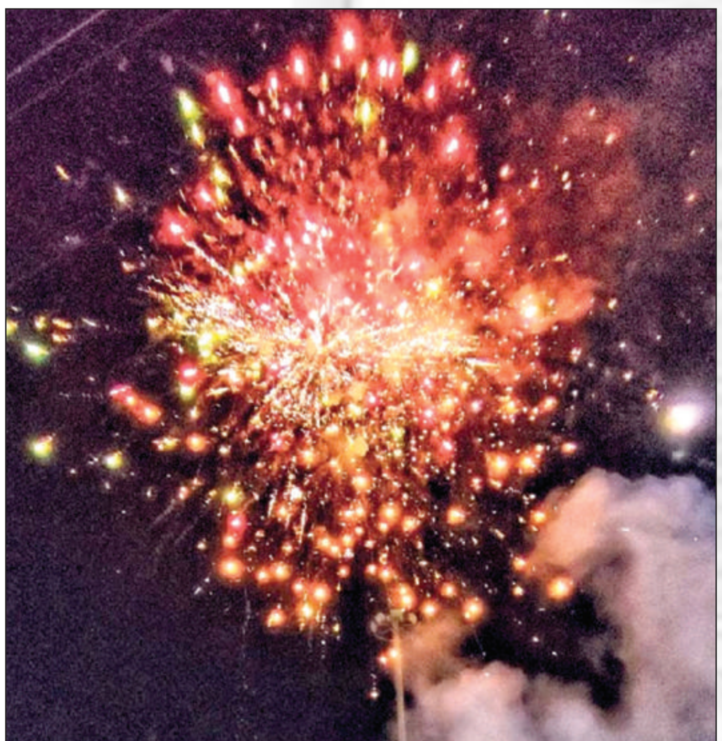

रायपुर, 05 जून (एजेंसियां)।
छत्तीसगढ़ के 11 लोकसभा सीटों में से 10 सीटों पर भाजपा ने परचम लहराया है। साथ ही एनडीए की सरकार को तीसरी बार बहुमत मिलने पर प्रदेश में भाजपा ने जमकर आतिशबाजी की है। भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में जश्न मनाया गय। आतिशबाजी की गई। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने अपने कार्यकर्ताओं का धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में भाजपा को 9 सीटें मिली थी। इस बार यह बढ़कर 10 हो गई है। कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास से यह सम्भव हो पाया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल भाजपा के प्रदेश चुनाव प्रभारी नितिन नबीन सहित सभी वरिष्ठ जनों का आभार व्यक्त किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने भाजपा कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि इंडी गठबंधन हारने के बाद भी बड़े बड़े बयानों से परहेज़ नहीं कर रहा, जबकि एनडीए जीत के बाद भी सौम्य है। इंडी गठबंधन तमाम गलत एजेंडे फैलाने के बावजूद भी भाजपा से आगे नहीं बढ़ पाया और पूरा का पूरा इंडी गठबंधन सीटों के मामले में भाजपा से पीछे रहा। लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनना एतिहासिक है।

बस्तर लोकसभा सीट से भाजपा के महेश कश्यप ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व मंत्री कवासी लखमा को हराया। राजनांदगांव लोकसभा सीट से भाजपा के मौजूदा सांसद संतोष पांडेय जीत गए हैं। उन्होंने प्रदेश के पूर्व सीएम भूपेश बघेल को शिकस्त दी है। कांकेर लोकसभा सीट से बीजेपी के भोजराज नाग ने विजय हासिल की है। उन्होंने कांग्रेस के बीरेश ठाकुर को लगातार दूसरी बार हराया है। महासमुंद लोकसभा सीट से बीजेपी की रूप कुमारी चौधरी जीत गई हैं। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को हराया। रायपुर लोकसभा सीट से बीजेपी के कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल जीत गये हैं। उन्होंने कांग्रेस के रायपुर पश्चिम से पूर्व विधायक विकास उपाध्याय को हराया। दुर्ग लोकसभा सीट से बीजेपी के मौजूदा सांसद विजय बघेल जीत गये हैं। उन्होंने कांग्रेस के प्रदेश सचिव राजेंद्र साहू को हराया है। सरगुजा लोकसभा सीट से बीजेपी के चिंतामणि महाराज जीत गये हैं। उन्होंने कांग्रेस की शशि सिंह को हराया। रायगढ़ लोकसभा सीट से बीजेपी के राधेश्याम राठिया जीत गये हैं। उन्होंने कांग्रेस की डॉ.मेनका देवी सिंह को हराया। बिलासपुर लोकसभा सीट से बीजेपी के तोखन साहू जीत गये हैं। उन्होंने कांग्रेस के देवेंद्र सिंह यादव को हराया। जांजगीर-चांपा लोकसभा सीट से बीजेपी के कमलेश जांगड़ जीत गई हैं। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया को हराया। कोरबा लोकसभा सीट से बीजेपी की पूर्व राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय हार गई हैं। उन्हें कांग्रेस की मौजूदा सांसद ज्योत्सना महंत ने हराया है।

झारखंड में भाजपा ने आठ सीटें जीती

झामुमो को तीन सीटों पर करना पड़ा संतोष

कांग्रेस दो और आजसू एक सीट पर विजयी

रांची, 05 जून (एजेंसियां)।
लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ चुके हैं। भाजपा नीत एनडीए बहुमत हासिल करने के बाद अब सरकार बनाने की प्रक्रिया में जुट चुकी है। मंगलवार को जारी रुझानों में इंडी गठबंधन भी बहुमत से दूर नहीं था। झारखंड की 14 लोकसभा सीटों में भाजपा ने आठ पर जीत हासिल की। वहीं राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को तीन सीटें ही मिलीं। झारखंड से कुल 12 विधायक लोकसभा चुनाव लड़ रहे थे, जिनमें से केवल चार को ही जीत मिली। भाजपा की सीता सोरेन और गीता कोरा को हार का सामना करना पड़ा।

इंडी गठबंधन ने सात मौजूदा विधायकों को नामांकित किया था, जिनमें चार झामुमो से, दो कांग्रेस और एक सीपीएम के विधायक शामिल थे। भाजपा ने अपने तीन विधायक मैदान में उतारे थे। झामुमो के दो बागी विधायक निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतरे। मंगलवार को जारी रुझानों के अनुसार, झामुमो के दो विधायक जोबा माझी और नलिन सोरेन, भाजपा के दो विधायक डुलू महतो और मनीष जयसवाल ने लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की।

झामुमो की मनोहरपुर विधायक जोबा माझी ने 1.68 लाख वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी भाजपा की गीता कोरा हराया। बता दें कि गीता कोरा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोरा की पत्नी है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वह भाजपा में शामिल हो गई थीं। दुमका के शिकारीपाड़ी विधानसभा सीट पर सात बार के झामुमो विधायक नलिन सोरेन ने भाजपा की सीता सोरेन को 22,527 वोटों से हराया। सीता सोरेन झारखंड के जेल में बंद पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की भाभी हैं। तीन बार की विधायक सीता सोरेन हाल ही में भाजपा में शामिल हुई थीं।

भाजपा के धनबाद-बाघमारा विधायक दुलु महतो ने कांग्रेस की अनुपमा सिंह के खिलाफ 3.31 लाख वोटों से जीत हासिल की। हजारीबाग से भाजपा विधायक मनीष जयसवाल ने कांग्रेस के जेपी पटेल को 2.76 लाख वोटों से हराया। इसी के साथ चार विधायकों के संसद में पहुंचने के साथ 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा की कुल ताकत 80 से घटकर 76 हो जाएगी। हालांकि, जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने गांडेय उपचुनाव जीत चुकी है। इसलिए अब सदन की कुल ताकत 77 हो जाएगी।

लोकसभा चुनाव के सभी परिणाम घोषित

भाजपा ने 240 और कांग्रेस ने 99 सीटें जीतीं

महाराष्ट्र के बीड निर्वाचन क्षेत्र का परिणाम सबसे अंत में आया, 542 सीट के लिए मतों की हुई गिनती

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)।

भारत निर्वाचन आयोग ने देशभर के सभी 543 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिणाम घोषित कर दिए हैं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 240 और कांग्रेस को 99 सीट पर जीत मिली है। महाराष्ट्र के बीड निर्वाचन क्षेत्र का परिणाम सबसे अंत में घोषित किया गया। इस निर्वाचन क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) उम्मीदवार बजरंग मनोहर सोनवणे ने भाजपा की पंकजा मुंडे को 6,553 मतों से हराया। देशभर में लोकसभा के कुल 543 निर्वाचन क्षेत्र हैं। गुजरात के सूरत से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल के निर्विरोध चुने जाने के बाद 542 सीट के लिए मतों की गिनती की गई।

निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, लोकसभा चुनाव में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राजनीतिक दलों को प्राप्त सीट की संख्या इस प्रकार है।

भाजपा	- 240
कांग्रेस	- 99
समाजवादी पार्टी (सपा)	- 37
तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी)	- 29
द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके)	- 22
तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी)	- 16
जनता दल यूनाइटेड(जदयू)	- 12
शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)	- 9
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार)	- 8
शिवसेना	- 7
लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)	- 5
युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी)	- 4
राष्ट्रीय जनता दल (राजद)	- 4
मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)	- 4
इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग	- 3
आम आदमी पार्टी (आप)	- 3
झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)	- 3
जनसेना पार्टी	- 2
भाकपा (माले) (लिबरेशन)	- 2
जनता दल सेक्युलर (जेडीएस)	- 2
विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके)	- 2
भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा)	- 2
राष्ट्रीय लोक दल (रालोद)	- 2
नेशनल कॉन्फ्रेंस	- 2
यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, लिबरल	- 1
असम गण परिषद	- 1
हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर)	- 1
केरल कांग्रेस	- 1
रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी	- 1
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)	- 1
वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी	- 1
ज़ोरम पीपुल्स मूवमेंट	- 1
शिरोमणि अकाली दल	- 1
राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी	- 1
भारत आदिवासी पार्टी	- 1
सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा	- 1
मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके)	- 1
आजाद समाज पार्टी (कांशीराम)	- 1
अपना दल (सोनेलाल)	- 1
आजसू पार्टी	- 1
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम)	- 1
निर्दलीय	- 7

पंजाब में कांग्रेस को सात सीटें

आपा को तीन और अकाली दल को एक सीट पर मिली जीत

दो पर निर्दलीय रहे विजयी, भाजपा शून्य पर

चंडीगढ़, 05 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में पंजाब में भाजपा का खाता नहीं खुला। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार का जिम्मा खुद संभाला था। जहां पीएम मोदी का प्रचार इस चुनाव में बेअसर रहा, वहीं पंजाब कांग्रेस के लिए राहुल गांधी की रैलियां शुभ साबित हुई हैं। कांग्रेस पंजाब में पिछले चुनाव की तरह ही सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी हुई। वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 8 जीती थी और इस बार भी कांग्रेस ने चुनाव में अपने पुराने अच्छे प्रदर्शन को दो-हराया है।

पंजाब में सभी 13 लोकसभा सीटों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। कांग्रेस को सात, आम आदमी पार्टी को तीन, अकाली दल को एक सीट मिली हैं। दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं। लुधियाना से कांग्रेस उम्मीदवार अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग 20942 वोट से जीत गए हैं। पटियाला से कांग्रेस के डॉ. धर्मवीर गांधी विजयी रहे। फिरोजपुर से कांग्रेस पार्टी के शेर सिंह घुबाया ने जीते। लोकसभा हलका गुरदासपुर से कांग्रेसी प्रत्याशी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने जीत हासिल की। फतेहगढ़ साहिब से कांग्रेस के अमर सिंह जीत गए हैं।

अमृतसर से कांग्रेस के गुरजीत औजला तीसरी बार जीत गए हैं। चंडीगढ़ से कांग्रेस के मनीष तिवारी जीत गए हैं। संगरूर से आपा के गुरमीत सिंह मीत हेयर चुनाव जीत गए हैं। जालंधर से चरणजीत चन्नी करीब 1,76000 वोटों से जीत गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पटियाला, गुरदासपुर, होशियारपुर और जालंधर में रैलियां की थी, लेकिन बाकी सीटों की तरह ही इन सीटों पर पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने होशियारपुर व गुरदासपुर सीट पर जीत दर्ज की थी। तब गुरदासपुर से अभिनेता सनी देओल और होशियारपुर से सोमप्रकाश ने चुनाव जीता था। इस बार गुरदासपुर में पार्टी ने दिनेश बब्बी और होशियारपुर में केंद्रीय मंत्री सोमप्रकाश की पत्नी अनिता सोमप्रकाश को टिकट दी थी, लेकिन दोनों ही चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। गुरदासपुर व होशियारपुर हिंदू बहुल क्षेत्र है और इसे भाजपा का गढ़ माना जाता है, लेकिन बावजूद इसके पार्टी यहां जीत दर्ज करने में असफल रही।

इसी तरह पटियाला में कैप्टन अमरिंदर सिंह पत्नी परनीत कौर चुनाव में मैदान में उतरी थी। परनीत इसी सीट से चार बार सांसद रह चुकी हैं। इस बार वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा से चुनाव मैदान उतरी थी, लेकिन हार गई। वहीं जालंधर में आपा छोड़ भाजपा से चुनाव मैदान में उतरे सुशील रिंकू भी अपनी सीट नहीं बचा पाए हैं।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी की तरह ही पंजाब में कुल चार रैलियां की थी। वह पटियाला, नवां शहर, अमृतसर और लुधियाना में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार के लिए आए थे। पटियाला में धर्मवीर गांधी दोबारा इस सीट पर जीत दर्ज करने में सफल रहे हैं। इससे पहले वर्ष 2014 में वह आपा से चुनाव लड़ते हुए सांसद चुने गए। इसी तरह अमृतसर में कांग्रेस के गुरजीत औजला और लुधियाना में पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने जीत दर्ज की है।

कश्मीर के सियासी अखाड़े से दूर रहकर भी मैदान मार गए मोदी

कश्मीरी अवाम ने खारिज की परिवारवादी राजनीति

जम्मू, 05 जून (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव परिणाम कई मायने में महत्वपूर्ण हैं। कश्मीर के सियासी अखाड़े दूर रहकर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मैदान मार ले गए। परिवारवादी राजनीति के खिलाफ उनकी लड़ाई ने रंग दिखाया और बारामुला सीट से उमर अब्दुल्ला व अनंतनाग से महबूबा मुफ्ती को अवाम ने नकार दिया। भाजपा हमेशा जम्मू-कश्मीर को तीन परिवारों कांग्रेस, अब्दुल्ला व मुफ्ती से बचाने की लड़ाई लड़ते रही है।

भाजपा दो सीटों पर कब्जा जमाकर अपनी साख बचाने में कामयाब रही। इंडिया ब्लॉक का जादू नहीं चल पाया। कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया तो नेकां को एक सीट गंवानी पड़ी। परिवारवादी पार्टियों नेकां-पीडीपी को कीमत चुकानी पड़ी। पीडीपी, अपनी पार्टी, डीपीएपी, पीपुल्स कांफ्रेंस का खाता तक नहीं खुल सका। भाजपा का पहाड़ी कार्ड अनंतनाग-राजोरी सीट पर नहीं चल पाया।

पांच लोकसभा सीटों में जम्मू और उधमपुर के परिणाम में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला। अनंतनाग राजोरी सीट पर नेकां, पीडीपी और भाजपा समर्थित अपनी पार्टी का मुकाबला था। शुरू से ही नेकां ने एकतरफा बढ़त हासिल की और चुनाव जीतने में सफल रही। यहां लोगों ने परिवारवादी पार्टी पीडीपी की मुखिया महबूबा मुफ्ती को हरा दिया। इसी तरह बारामुला में भी परिवारवादी पार्टी नेकां के उमर अब्दुल्ला को जनता ने नकार दिया।

इंडिया बलॉक ने कोई खास कमाल नहीं दिखाया। गठबंधन में शामिल कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। उसे उधमपुर व जम्मू दोनों सीटों पर हार का स्वाद चखना पड़ा। नेकां को एक सीट का नुकसान उठाना पड़ा। 2019 में नेकां के पास कश्मीर की तीन सीटें थी, लेकिन इस बार बारामुला सीट हाथ से निकल गई। उत्तरी कश्मीर में सक्रिय पीपुल्स कांफ्रेंस तथा अनुच्छेद 370 के बाद बनी नई पार्टियां अपनी पार्टी और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का खाता नहीं खुल सका। दोनों पार्टियों ने बारामुला को छोड़कर शेष दो सीटों अनंतनाग व श्रीनगर में अपने प्रत्याशी उतारे थे। दोनों को क्रमश: तीसरे और चौथे स्थान पर रहना पड़ा।

उधर, अनंतनाग-राजोरी सीट पर भाजपा ने अपनी पार्टी को समर्थन देते हुए पहाड़ी कार्ड चलने की कोशिश की थी, जो सफल नहीं हुआ। राजोरी-पुंछ की सात विधानसभा सीटों पर पीडीपी की महबूबा मुफ्ती और अपनी पार्टी के जफर इकबाल मन्हास को 87 हजार से अधिक वोट मिले, जबकि नेकां को अकेले 2.98 लाख मत हासिल हुए। लद्दाख में भी सत्ता विरोधी लहर ने उलटफेर करते हुए भाजपा के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। छठी अनुसूची में लद्दाख को शामिल करने की मांग की अनदेखी से सत्ता से नाराजगी ने उसकी हैट्रिक की राह रोक दी। यहां भाजपा और कांग्रेस को नकारते हुए लोगों ने निर्दल को अपना नुमाइंदा चुन लिया।

भाजपा ने जम्मू और उधमपुर सीट पर लगाई जीत की हैट्रिक, लद्दाख से हनीफा जीतीं

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने दो सीटों पर दर्ज की जीत, बारामुला सीट से इंजीनियर राशिद जीते

जम्मू, 05 जून (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर की पांच और लद्दाख की एक लोकसभा सीट पर नतीजे घोषित हो गए हैं। जम्मू संभाग की दो सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। भाजपा ने तीसरी बार जम्मू और उधमपुर सीट पर जीत दर्ज की है। उधमपुर से डॉ. जितेंद्र सिंह और जम्मू सीट से जुगल किशोर शर्मा ने जीत की हैट्रिक लगाई है।

कश्मीर घाटी की दो सीटों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) ने जीत का परचम फहराया है। श्रीनगर सीट पर जेकेएनसी के रुहुल्लाह मेहदी और अनंतनाग-राजोरी सीट पर जेकेएनसी के मियां अल्ताफ ने जीत दर्ज की है। हालांकि बारामुला सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला को करारी हार का सामना करना पड़ा है।

उधमपुर लोकसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र सिंह ने तीसरी बार जीत दर्ज की है। डॉ. जितेंद्र सिंह को ने 571076 वोट हासिल किए। उन्होंने 1,24,373 वोटों से जीत दर्ज की। कांग्रेस के प्रत्याशी चौधरी लाल सिंह को 4,46,703 वोट मिले। जम्मू लोकसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी जुगल किशोर शर्मा ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की। उन्होंने 1,35,498 मतों से जीत हासिल की। जुगल किशोर शर्मा को 6,87,588 वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी रमन भल्ला को 5,52,090 वोट मिले।

उत्तरी कश्मीर की बारामुला सीट पर जेल में बंद इंजीनियर राशिद ने 2,04,142 मतों से जीत दर्ज की है। उन्होंने 4,72,481 वोट हासिल किए। इस सीट पर उमर अब्दुल्ला को 2,68,339 वोट मिले। सज्जाद लोन को 1,73,239 मत मिले। अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के मियां अल्ताफ 2,81,794 वोटों से जीत चुके हैं। उन्हें कुल 5,21,836 वोट मिले। महबूबा मुफ्ती दूसरे स्थान पर रहीं। उन्हें 2,40,042 वोट मिले। अपनी पार्टी के जफर इकबाल मन्हास 1,42,195 वोट मिले। वह तीसरे स्थान पर रहे। भाजपा ने इस सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। उन्होंने यहां अपनी पार्टी को समर्थन दिया था। श्रीनगर लोकसभा सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के रुहुल्लाह मेहदी ने जीत हासिल की है। रुहुल्लाह को 3,56,866 वोट मिले। उन्होंने 1,88,416 वोटों से पीडीपी के उम्मीदवार वाहिद पर्रा को पराजित किया। वाहिद को 1,68,450 वोट प्राप्त हुए।

लद्दाख में आजाद उम्मीदवार मोहम्मद हनीफा ने जीत दर्ज कर ली है। हनीफा को 65,259 वोट मिले। उन्होंने 27, 862 वोटों से जीत दर्ज की। इस सीट पर कांग्रेस के सेरिंग नामग्याल को 37,397 वोट मिले। भाजपा के ताशी ग्यालसन को 31,956 मत मिले।

उत्तर प्रदेश के चुनावी नतीजों ने पूरे देश को चौंकाया, भाजपा को तगड़ा झटका

सपा का 37 सीटों पर कब्जा, भाजपा को 33 कांग्रेस को 06 और रालोद को मिली 2 सीटें

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और अपना दल (एस) ने एक-एक सीटें जीतीं, बसपा का नहीं खुला खाता

लखनऊ, 05 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 की 80 सीटों के नतीजे आ गए हैं। प्रदेश में समाजवादी पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। सपा को 37 सीटें मिली हैं। सपा-कांग्रेस गठबंधन को 43 सीटें मिली हैं। भाजपा को तगड़ा झटका लगा है और वह 33 सीटों पर सिमट गई है। एनडीए के खाते में करीब 36 सीटें आई हैं। इसमें रालोद की 2 सीटें और अपना दल (सोनेलाल) की 1 सीट शामिल हैं। यूपी में एक खास बात यह रही कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रदेश में खाता भी नहीं खोल पाई है। बीएसपी ने यूपी में लोकसभा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ा था।

उत्तर प्रदेश में सात चरणों में 80 लोकसभा सीटों के लिए मतदान हुआ। प्रधानमंत्री मोदी की सीट समेत कई हाई प्रोफाइल संसदीय सीटों वाला उत्तर प्रदेश अपनी राजनीति के लिए जाना जाता है। इस बार लोकसभा चुनाव 2024 में कई जाने-माने चेहरों ने नामांकन दाखिल किया और चुनाव मैदान में उतरे। केंद्रीय कैबिनेट के कई मंत्री भी उत्तर प्रदेश की अलग-अलग सीटों से चुनाव लड़ा।

उत्तर प्रदेश की अस्सी संसदीय सीटों के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं और इसने पूरे देश को चौंका दिया है। उत्तर प्रदेश में एनडीए ने कुल 36 सीटें जीती हैं, जिनमें से 33 सीटें अकेले भाजपा ने जीती हैं। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस से मिलकर बना गठबंधन 43 सीटें जीतने में सफल रहा है। कई लोग इसे बीजेपी के लिए बहुत बड़ा नुकसान मान रहे हैं, जिसकी वजह से बीजेपी 2024 के लोकसभा चुनाव में बहुमत हासिल करने से चूक गई।

आम चुनाव 2019 में उत्तर प्रदेश की कुल 80 संसदीय सीटों में से अकेले भाजपा ने 63 सीटें जीतीं। 2019 में बमुश्किल 5 सीटें जीतने वाली सपा ने इस बार 37 सीटें जीती हैं। इससे साबित हो गया है कि राज्य में सपा और कांग्रेस का गठबंधन कारगर रहा, जिससे भारतीय जनता पार्टी गठबंधन ने कुल लोकसभा सीटों में से पचास प्रतिशत से ज़्यादा सीटें आसानी से जीत लीं।

उत्तर प्रदेश में केंद्र सरकार के सात मंत्री अपनी लोकसभा सीट हार गए हैं। स्मृति ईरानी, अजय मिश्रा टेनी, संजीव बालियान, महेंद्र नाथ पांडे, साध्वी निरंजन ज्योति, कौशल किशोर और भानु प्रताप वर्मा को इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों ने हराया। पीएम मोदी ने अपनी लोकसभा सीट वाराणसी से 1.52 लाख वोटों से चुनाव जीता, जो 2019 की तुलना में कम है। 2019 में पीएम मोदी ने 4.27 लाख वोटों से चुनाव जीता था। फैजाबाद (अयोध्या) सीट पर बीजेपी की हार बताती है कि राम मंदिर का जादू उत्तर प्रदेश के पक्ष में काम नहीं आया। जनवरी 2024 में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद बीजेपी को उम्मीद थी कि इसका फायदा सभी 543 सीटों पर मिलेगा, लेकिन यह उम्मीद निराशा लेकर आई। फैजाबाद सीट पर बीजेपी उम्मीदवार लल्लू सिंह को सपा उम्मीदवार ने हराया। लेकिन टीवी के सबसे लोकप्रिय शो रामायण में भगवान राम का किरदार निभाने वाले रील लाइफ राम अरुण गोविल ने मेरठ लोकसभा सीट से 10 हजार वोटों से जीत दर्ज की।

भाजपा के विजयी प्रत्याशी

लोकसभा में चुनाव में भाजपा से अमरोहा सीट से प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर को 4,76,506 वोट मिले और 28,670 अंतर से जीते। मेरठ से अरुण गोविल को 5,46,469 वोट मिले और 10,585 अंतर से जीते। गाजियाबाद से अतुल गर्ग को 8,54,170 वोट मिले और 3,36,965 अंतर से जीते। गौतम बुद्ध नगर से डॉ. महेश शर्मा को 8,57,829 वोट मिले और 5,59,472 अंतर से जीते। बुलंदशहर से डॉ. भोला सिंह को 5,97,310 वोट मिले और 2,75,134 अंतर से जीते। अलीगढ़ से सतीश कुमार गौतम को 5,01,834 वोट मिले और 15,647 अंतर से जीते। हाथरस से अनूप प्रधान बाल्मीकि को 5,54,746 वोट मिले और 2,47,318 अंतर से जीते। मथुरा से हेमा मालिनी धर्मेंद्र देवल को 5,10,064 वोट मिले और 2,93,407 अंतर से जीतीं। आगरा से प्रो. एसपी सिंह बघेल को 5,99,397 वोट मिले और 2,71,294 अंतर से जीते। फतेहपुर सीकरी से राजकुमार चाहर को 4,45,657 वोट मिले और 43,405 अंतर से जीते। बरेली से छत्र पाल सिंह गंगवार को 5,67,127 वोट मिले और 34,804 अंतर से जीते। पीलीभीत से जितिन प्रसाद को 6,07,158 वोट मिले और 1,64,935 अंतर से जीते।

शाहजहांपुर से अरुण कुमार सागर को 5,92,718 वोट मिले और 55,379 अंतर से जीते। हरदोई से जय प्रकाश को 4,86,798 वोट मिले और 27,856 अंतर से जीते। मिश्रिख सीट से अशोक कुमार रावत को 4,75,016 वोट मिले और 33,406 अंतर से जीते। उन्नाव से स्वामी सच्चिदानंद हरि साक्षी को 6,16,133 वोट मिले और 35,818 अंतर से जीते। लखनऊ से राजनाथ सिंह को 6,12,709 वोट मिले और 35,159 अंतर से जीते। फर्रुखाबाद से मुकेश राजपूत को 4,87,963 वोट मिले और 2,678 अंतर से जीते। कानपुर से रमेश अवस्थी को 4,43,055 वोट मिले और 20,968 अंतर से जीते। अकबरपुर से देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले सिंह को 5,17,423 वोट मिले और 44,345 अंतर से जीते। झांसी से अनुराग शर्मा को 6,90,316 वोट मिले और 1,02,614 अंतर से जीते। फूलपुर से प्रवीण पटेल को 4,52,600 वोट मिले और 4,332 अंतर से जीते। बहराइच से आनन्द कुमार को 5,18,802 वोट मिले और 64,227 अंतर से जीते। कैसरगंज से करण भूषण सिंह को 5,71,263 वोट मिले और 1,48,843 अंतर से जीते। गोंडा से कीर्तिवर्धन सिंह को 4,74,258 वोट मिले और 46,224 अंतर से जीते। डुमरियागंज से जगदम्बिका पाल को 4,63,303 वोट मिले और 42,728 अंतर से जीते। महाराजगंज से पंकज चौधरी को 5,91,310 वोट मिले और 35,451 अंतर से जीते। गोरखपुर से रवींद्र शुक्ला उर्फ रवि किशन को 5,85,834 वोट मिले और 1,03,526 अंतर से जीते। कुशीनगर से विजय कुमार दुबे को 5,16,345 वोट मिले और 81,790 अंतर से जीते। देवरिया से शशांक मणि को 5,04,541 वोट मिले और 34,842 अंतर से जीते। बांसगांव से कमलेश पासवान को 4,28,693 वोट मिले और 3,150 अंतर से जीते। वाराणसी से नरेंद्र मोदी को 6,12,970 वोट मिले और 1,52,513 अंतर से जीते। भदोही से डॉ. विनोद कुमार बिंद को 4,59,982 वोट मिले और 44,072 अंतर से जीते।

समाजवादी पार्टी के विजयी प्रत्याशी

कैराना से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी इकरा चौधरी को 5,28,013 वोट मिले और 69,116 अंतर से जीतीं। मुजफ्फरनगर से हरेंद्र सिंह मलिक को 4,70,721 वोट मिले और 24,672 अंतर से जीते। मुरादाबाद से रुचि वीरा को 6,37,363 वोट मिले और 1,05,762 अंतर से जीतीं। रामपुर से मोहिबुल्लाह को 4,81,503 वोट मिले और 87,434 अंतर से जीते। संभल से जिया उर्रहमान बर्क को 5,71,161 वोट मिले और 1,21,494 अंतर से जीते। फिरोजाबाद से अक्षय यादव को 5,43,037 वोट मिले और 89,312 अंतर से जीते। मैनपुरी से डिंपल यादव को 5,98,526 वोट मिले और 2,21,639 अंतर से जीतीं। बदायूं से आदित्य यादव को 5,01,855 वोट मिले और 34,991 अंतर से जीते। आंवला से नीरज मौर्य को 4,92,515 वोट मिले और 15,969 अंतर से जीते। खीरी से उत्कर्ष वर्मा मधुर को 5,57,365 वोट मिले और 34,329 अंतर से जीते। धौरहरा से आनंद भदौरिया को 4,43,743 वोट मिले और 4,449 अंतर से जीते। मोहनलालगंज से आर.के. चौधरी को 6,67,869 वोट मिले और 70,292 अंतर से जीते। सुल्तानपुर से रामभुआल निषाद को 4,44,330 वोट मिले और 43,174 अंतर से जीते।

प्रतापगढ़ से शिवपाल सिंह पटेल (डॉ. एसपी सिंह) को 4,41,932 वोट मिले और 66,206 अंतर से जीते। इटावा से जितेन्द्र कुमार दोहरे को 4,90,747 वोट मिले और 58,419 अंतर से जीते। कन्नौज से अखिलेश यादव को 6,42,292 वोट मिले और 1,70,922 अंतर से जीते। जालौन से नारायण दास अहिरवार को 5,30,180 वोट मिले और 53,898 अंतर से जीते। हमीरपुर से अजेन्द्र सिंह लोधी को 4,90,683 वोट मिले और 2,629 अंतर से जीते। बांदा से कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल को 4,06,567 वोट मिले और 71,210 अंतर से जीतीं। फतेहपुर से नरेश चंद्र उत्तम पटेल को 5,00,328 वोट मिले और 33,199 अंतर से जीते। कौशांबी से पुष्पेंद्र सरोज को 5,09,787 वोट मिले और 1,03,944 अंतर से जीते। फैजाबाद से अवधेश प्रसाद को 5,54,289 वोट मिले और 54,567 अंतर से जीते। अंबेडकरनगर से लालजी वर्मा को 5,44,959 वोट मिले और 1,37,247 अंतर से जीते। श्रावस्ती से राम शिरोमणि वर्मा को 5,11,055 वोट मिले और 76,673 अंतर से जीते। बस्ती से राम प्रसाद चौधरी को 5,27,005 वोट मिले और 1,00,994 अंतर से जीते। संत कबीर नगर से लक्ष्मीकांत पप्पू निषाद को 4,98,695 वोट मिले और 92,170 अंतर से जीते। लालगंज से दरोगा प्रसाद सरोज को 4,39,959 वोट मिले और 1,15,023 अंतर से जीते।

आजमगढ़ से धर्मेन्द्र यादव को 5,08,239 वोट मिले और 1,61,035 अंतर से जीते। घोसी से राजीव राय को 5,03,131 वोट मिले और 1,62,943 अंतर से जीते। सलेमपुर से रामाशंकर राजभर को 4,05,472 वोट मिले और 3,573 अंतर से जीते। बलिया से सनातन पांडेय को 4,67,068 वोट मिले और 43,384 अंतर से जीते। जौनपुर से बाबू सिंह कुशवाहा को 5,09,130 वोट मिले और 99,335 अंतर से जीते। मछलीशहर से प्रिया सरोज को 4,51,292 वोट मिले और 35,850 अंतर से जीतीं। गाजीपुर से अफजल अंसारी को 5,39,912 वोट मिले और 1,24,861 अंतर से जीते। चंदौली से बीरेंद्र सिंह को 4,74,476 वोट मिले और 21,565 अंतर से जीते। रॉबर्ट्सगंज से छोटेलाल को 4,65,848 वोट मिले और 1,29,234 अंतर से जीते। एटा से देवेश शाक्य को 4,75,808 वोट मिले और 28,052 अंतर से जीते

कांग्रेस पार्टी के विजयी प्रत्याशी

सहारनपुर से इमरान मसूद को 5,47,967 वोट मिले और 64,542 अंतर से जीते। सीतापुर से राकेश राठौर को 5,31,138 वोट मिले और 89,641 अंतर से जीते। रायबरेली से राहुल गांधी को 6,87,649 वोट मिले और 3,90,030 अंतर से जीते। अमेठी से किशोरी लाल को 5,39,228 वोट मिले और 1,67,196 अंतर से जीते। इलाहाबाद से उज्ज्वल रमन सिंह को 4,62,145 वोट मिले और 58,795 अंतर से जीते। बाराबंकी से तनुज पुनिया को 7,19,927 वोट मिले और 2,15,704 अंतर से जीते।

रालोद के विजयी प्रत्याशी

बिजनौर से चंदन चौहान को 4,04,493 वोट मिले और 37,508 अंतर से जीते। बागपत से डॉ. राजकुमार सांगवान को 4,88,967 वोट मिले और 1,59,459 अंतर से जीते।

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम)

नगीना से चंद्रशेखर को 5,12,552 वोट मिले और 1,51,473 अंतर से जीते।

अपना दल (एस)

मिर्जापुर से अनुप्रिया पटेल को 4,71,631 वोट मिले और 37,810 अंतर से जीतीं।

हिमाचल की चारों सीटों पर खिला कमल, कंगना ने रचा इतिहास

68 में से 61 विधानसभा हलकों में भाजपा को कांग्रेस के मुकाबले अधिक वोट मिले

प्रदेश की चार सीटों से चुनाव मैदान में थे कुल 37 प्रत्याशी, 29 की जमानत जब्त

शिमला, 05 जून (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में भाजपा ने हिमाचल प्रदेश में जीत की हैट्रिक लगाते हुए सभी चारों सीटों पर परचम फहराया। कांगड़ा संसदीय सीट से भाजपा के डॉ. राजीव भारद्वाज ने भारी मतों के अंतर से कांग्रेस के प्रत्याशी आनंद शर्मा को मात दी। वहीं, अनुराग ठाकुर लगातार पांचवीं बार जीत हासिल कर संसद पहुंचे। अनुराग ने कांग्रेस के प्रत्याशी सतपाल रायजादा को शिकस्त दी। हॉट सीट रही मंडी में कंगना रणौत का जादू चला। कंगना ने विक्रमादित्य सिंह को हराया। शिमला संसदीय सीट से भाजपा के सुरेश कश्यप ने कांग्रेस के विनोद सुल्तानपुरी को हरा दिया। वहीं, छह विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने चार और भाजपा ने दो पर जीत हासिल की।

विधानसभा उपचुनाव में गगरेट से कांग्रेस के राकेश कालिया ने भाजपा के चैतन्य को हराया। कुटलैहड़ से कांग्रेस के विवेक शर्मा ने भाजपा के देवेंद्र कुमार भुट्टो, सुजानपुर से कांग्रेस के रणजीत राणा ने भाजपा के राजेंद्र राणा और लाहौल-स्पीति से कांग्रेस प्रत्याशी अनुराधा राणा ने निर्दलीय प्रत्याशी रामलाल मारकंडा को शिकस्त दी। भाजपा के रवि ठाकुर को यहां से करारी शिकस्त मिली। बड़सर सीट से भाजपा के इंद्रदत्त लखनपाल ने कांग्रेस के सुभाष ढटवालिया और धर्मशाला से भाजपा के सुधीर शर्मा ने कांग्रेस के देवेंद्र सिंह जग्गी को हराया।

लोकसभा चुनाव में 68 में से 61 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को कांग्रेस के मुकाबले अधिक वोट मिले। शिमला संसदीय क्षेत्र पर सोलन जिला के चारों विधानसभा क्षेत्रों अर्की, नालागढ़, दून और सोलन से भाजपा प्रत्याशी सुरेश कश्यप को लीड मिली है। सिरमौर जिले में भी सभी विधानसभा क्षेत्रों पच्छाद, नाहन, श्री रेणुकाजी, पांवटा साहिब और शिलाई में भाजपा प्रत्याशी सुरेश कश्यप आगे रहे। शिमला जिले के जुब्बल-कोटखाई और रोहड़ू विधानसभा क्षेत्रों को छोड़कर अन्य हलकों शिमला शहरी, शिमला ग्रामीण, कसुम्पटी, ठियोग और चौपाल में भी भाजपा को बढ़त मिली।

मंडी संसदीय सीट पर भरमौर, मनाली, कुल्लू, बंजार, करसोग, सुंदरनगर, नाचन, सराज, द्रंग, जोगिंद्रनगर, मंडी, बल्ह, सरकाघाट विधानसभा क्षेत्रों से कंगना रणौत, जबकि लाहौल-स्पीति, आनी, रामपुर और किन्नौर से विक्रमादित्य सिंह को लीड मिली। कांगड़ा संसदीय सीट पर भाजपा प्रत्याशी डॉ. राजीव भारद्वाज ने सभी 17 विधानसभा क्षेत्रों से बढ़त हासिल की है। हमीरपुर सीट पर हर-ोली विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर अन्य 16 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशी अनुराग ठाकुर को बढ़त मिली। हरोली से कांग्रेस प्रत्याशी सतपाल रायजादा को अधिक मत मिले।

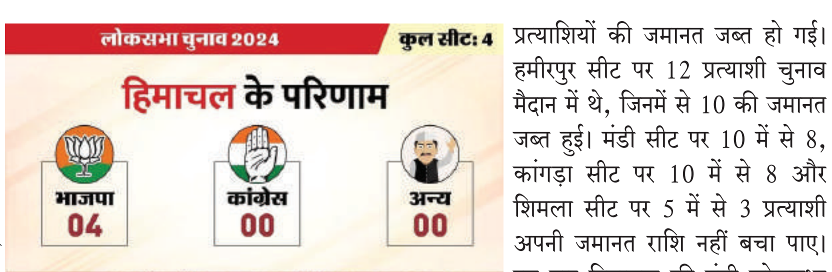

लोकसभा चुनाव में उतरे 37 में से 29 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। हमीरपुर सीट पर 12 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे, जिनमें से 10 की जमानत जब्त हुई। मंडी सीट पर 10 में से 8, कांगड़ा सीट पर 10 में से 8 और शिमला सीट पर 5 में से 3 प्रत्याशी अपनी जमानत राशि नहीं बचा पाए। इस बार हिमाचल की मंडी लोकसभा सीट हॉट सीट बनी हुई है। यहां भाजपा से कंगना रनौत और कांग्रेस से विक्रमादित्य सिंह के बीच मुकाबला रहा। मंडी से कंगना रनौत ने पहली बार जीत कर इतिहास रच दिया है। हिमाचल प्रदेश में चारों लोकसभा सीटों पर भाजपा की शानदार जीत दर्ज हुई है। मंडी से कंगना रनौत, हमीरपुर से अनुराग ठाकुर, कांगड़ा से राजीव भारद्वाज और शिमला से सुरेश कुमार कश्यप ने बाजी मारी। सुरेश कुमार कश्यप को 519748 वोट मिले, वहीं सुरेश कश्यप 91451 वोटों से जीते। कांगड़ा लोकसभा सीट से भाजपा के राजीव भारद्वाज ने अपनी जीत दर्ज कराई है। राजीव भारद्वाज ने 251895 से कांग्रेस के आनंद शर्मा को मात दी है। हिमाचल की संसदीय सीट हमीरपुर से भाजपा के अनुराग सिंह ठाकुर ने जीत हासिल कर ली है। उन्हें कुल वोट 607068 मिले हैं। जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार सतपाल रायजदा को 424711 वोट मिले हैं। जीत का अंतर 182357 वोटों से था। हिमाचल प्रदेश के विधानसभा उपचुनाव में धर्मशाला सीट से भाजपा के सुधीर शर्मा ने बाजी मारी है। उन्होंने कांग्रेस के देवेंद्र सिंह को 5,526 वोटों से हराया है।

महाराष्ट्र में नितिन गडकरी की हैट्रिक तो सुप्रिया सुले ने लगाया जीत का चौका

मुंबई नॉर्थ लोकसभा सीट से भाजपा के पीयूष गोयल जीते, अमरावती सीट पर चुनाव हार गई नवनीत रवि राणा

मुंबई, 05 जून (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव 2024 में बड़ा उलटफेर नजर आया। बीजेपी को बड़ा झटका लगता दिखाई दिया। एनडीए सिर्फ 17 सीटों पर ही सिमट गई। वहीं कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) ने 30 सीटों पर कब्जा कर लिया। 48 सीटों में से बीजेपी को 9 सीटें, एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 7 सीटें और अजीत पवार की एनसीपी को 1 सीट मिली है। वहीं कांग्रेस को 13 सीटें, शिवसेना (यूबीटी) को 9 सीटें, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की।

शिरडी सीट पर शिवसेना यूबीटी के भाऊ साहेब वाघचौरे विजयी रहे और शिवसेना के सदाशिव लोखंडे की हार हुई। बीड सीट पर बीजेपी की पंकडा मुंडे ने जीत दर्ज की और एनसीपी शरद गुट बजरंग सोनवणे की हार हुई। उस्मानाबाद सीट पर शिवसेना यूबीटी के ओमराजे निंबालकर ने एनसीपी की अर्चना पाटिल को हराया। लातूर (अजा) सीट पर कांग्रेस के डॉ. शिवाजी राव कालगे की जीत हुई और बीजेपी के सुधाराम श्रृंगारे हार गए। सोलापुर सीट पर कांग्रेस के प्रणीति शिंदे ने जीत करते हुए बीजेपी के राम सतपुते को हराया। माढा सीट पर एनसीपी शरद गुट के मोहिते पाटिल धैर्यशील राजसिंह ने जीत दर्ज की। मुंबई साउथ सीट पर शिवसेना यूबीटी के अरविंद सांवत ने शिवसेना की यामिनी जाधव को हराया। रावेर सीट पर बीजेपी के रक्षा खडसे ने (एनसीपी शरद) के श्रीराम पाटिल को हराया। बुलढाणा सीट पर शिवसेना के प्रताराव गणपत राव जाधव जीते और शिवसेना यूबीटी के नरेंद्र खेडेकर की हार हुई। अकोला सीट पर बीजेपी के अनुप धोत्रे ने कांग्रेस के अभय काशीनाथ पाटिल को हराया।

अमरावती सीट से बीजेपी की नवनीत राणा को कांग्रेस के बलवंत सिंह वानखड़े ने हराया। वर्धा सीट पर (एनसीपी शरद) अमर काले ने बीजेपी के रामदास तडस को हराया। कल्याण सीट पर शिवसेना के श्रीकांत शिंदे ने शिवसेना यूबीटी ने वैशाली दरेकर राणे को हराया। ठाणे सीट पर शिवसेना के नरेश म्हस्के ने शिवसेना यूबीटी के राजन विचारे को हराया। नंदुरबार (अजजा) सीट पर कांग्रेस के एडवोकेट गोवाल पडवी ने बीजेपी की डॉ. हिना गावित को हराया। कोल्हापुर सीट पर कांग्रेस के छत्रपति शाहूजी महाराज ने शिवसेना के संजय मांडलिक को हराया। रामटेक सीट से श्याम कुमार बार्वे ने (शिवसेना) के राजू पारवे को मात दी। नागपुर में बीजेपी की नितिन गडकरी ने कांग्रेस के विकास ठाकरे को हराया। भंडारा-गोंदिया सीट पर कांग्रेस के डॉ. प्रशांत पडोले जीते और बीजेपी के सुनील मेंधे की हार हुई। गढ़चिरौली-चिमूर सीट पर कांग्रेस के डॉ. नामदेव दसाराम किरशन ने बीजेपी के अशोक नेते को हराया। चंद्रपुर सीट पर कांग्रेस के प्रतिभा धानोकर ने बीजेपी के सुधीर मुनगंटीवार को मात दी। यवतमाल-वाशिम सीट पर शिवसेना यूबीटी के संजय देशमुख ने शिवसेना राजेश्री पाटील को हराया। हिंगौली सीट पर शिवसेना यूबीटी के नागेश पाटिल आष्टीकर ने शिवसेना के बाबूराव कदम को मात दी। नांदेड सीट पर कांग्रेस के वसंत चव्हाण विजयी रहे। बीजेपी के प्रताप राव पाटिल चिखलिकर को हार का सामना करना पड़ा। परभणी में शिवसेना यूबीटी के संजय जाधव ने आरएसपी के महादेव जानकर को मात दी। सांगली सीट पर निर्दलीय विशाल पाटिल ने बीजेपी के संजय दादा पाटिल को मात दी। सतारा सीट पर उदयनराजे भोंसले ने एनसीपी-शरद गुट के शशिकांत शिंदे को हराया। मावल सीट पर शिवसेना के श्रीरंग आप्पा बारणे ने शिवसेना यूबीटी के संजोग वाघेरे पाटील को हराया। रत्नागिरी-सिंघदुर्ग सीट पर बीजेपी के नारायण राणे ने शिवसेना यूबीटी के विनायक राउत को परास्त किया। डिंडोरी सीट पर एनसीपी शरद गुट के भास्कर भागरे ने बीजेपी के डॉ. भारती प्रवीण पवार को हराया। मुंबई नॉर्थ वेस्ट सीट पर शिवसेना के रवींद्र वायकर ने शिवसेना यूबीटी के अमोल कीर्तिकर को हराया। नासिक सीट पर शिवसेना यूबीटी के राजाभाऊ वाजे ने शिवसेना के हेमंत गोडसे को मात दी। पालघर सीट पर बीजेपी के डॉ. हेमंत सावरा ने कब्जा करते हुए शिवसेना यूबीटी के भारती कामडी को हराया। भिवंडी सीट पर एनसीपी-शरद के सुरेश उर्फ बाल्या मामा म्हात्रे ने बीजेपी के कपिल पाटिल को मात दी। हातकणंगले सीट पर शिवसेना के धैर्यशील माने ने शिवसेना यूबीटी के सत्यजीत पाटिल को हराया।

जालना सीट पर कांग्रेस के डॉ. कल्याण काले ने बीजेपी के राव साहेब दानवे को हराया। मुंबई नॉर्थ ईस्ट सीट शिवसेना यूबीटी के संजय दीना पाटिल ने बीजेपी के मिहिर कोटेचा को मात दी। मुंबई नॉर्थ सेंट्रल सीट पर कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ ने बीजेपी के उज्जवल निकम को हराया। रायगढ़ सीट पर एनसीपी के सुनील तटकरे ने शिवसेना यूबीटी के अनंत गीते को मात दी। पुणे सीट पर बीजेपी के मुरलीधर किशन मोहोल ने जीत दर्ज की, कांग्रेस प्रत्याशी रविंद्र धांगेकर हार गए। बारामती सीट पर एनसीपी शरद गुट की सुप्रिया सुले ने जीत दर्ज की और एनसीपी की सुनेत्रा पवार की हार हुई। शिरूर सीट पर एनसीपी शरद गुट अमोल कोल्हे ने एनसीपी के अदलराव शिवाजी दत्तात्रेय को हराया।

काजल अग्रवाल की सत्यभामा कल होगी रिलीज

जनता की रानी काजल अग्रवाल, फिल्म सत्यभामा की मुख्य भूमिका में, 7 जून को दुनिया भर में एक भव्य नाटकीय रिलीज के लिए तैयार हो रही है। काजल एक शक्तिशाली पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रही हैं, और यह फिल्म सभी वर्गों की रुचि को आकर्षित कर रही है। दर्शकों, विशेषकर महिला दर्शकों के बीच। प्रमोशन के दौरान काजल के शब्द इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसे महिलाओं को देखना चाहिए। महिला दर्शक सत्यभामा का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं।नवीन चंद्रा ने सत्यभामा में अमरेंदर की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस फिल्म का निर्माण ऑरम आर्ट्स के बैनर तले बॉबी टिक्का और श्रीनिवास राव टक्कलपल्ली ने किया है। मेजर फिल्म निर्देशक शशिकिरण टिक्का ने प्रस्तुतकर्ता के रूप में काम किया और पटकथा प्रदान की। इस क्राइम थ्रिलर का निर्देशन सुमन चिक्काला ने किया है। सत्यभामा के अब तक जारी किए गए टीजर और गीतात्मक गीतों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस फिल्म का ट्रेलर कल नतासिम्हम नंदमुरी बालकृष्ण द्वारा जारी किया जाएगा।

वेब सीरीज गुल्लक सीजन 4 का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज

फिर गुदगुदाने आ रहा है मिश्रा परिवार

द वायरल फीवर की वेब सीरीज गुल्लक लोगों को खूब पसंद है। इसके अभी तक तीन सीजन आ चुके हैं और जो लोग चौथे सीजन का इंतजार कर रहे थे, उनके लिए बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, निर्माताओं ने गुल्लक के चौथे सीजन का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है।सोनी लिव ने गुल्लक के नए सीजन के ट्रेलर को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया। इसे लॉन्च करते हुए उन्होंने लिखा, लेकर जिंदगी की खनक, आ रही है नए किस्सों की गुल्लक! इसके साथ-साथ फैंस को यह भी बताया गया कि सीरीज की स्ट्रीमिंग 7 जून से सोनी लिव पर होगी।

गुल्लक के चौथे सीजन का ट्रेलर लोगों को पसंद आ रहा है। दर्शकों इसे देखने के लिए उत्सुक नजर आ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि पिछले तीनों सीजन की ही तरह इस बार भी कुछ मनोरंजक देखने को मिलेगा। यह एक पारिवारिक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जिसने अभी तक दर्शकों को गुदगुदाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। यही वजह है कि सीरीज में मिश्रा परिवार के घर के नए किस्सों को देखने के लिए लोगों का उत्साह सातवें आसमान पर है।गुल्लक का निर्देशन श्रेयांश पांडे ने किया है। इसमें जमील खान, गीतांजलि कुलकर्णी, वैभव राज गुप्ता और हर्ष मायर ने अभिनय किया है। मालूम हो कि द वायरल फीवर की एक और चर्चित वेब सीरीज पंचायत का भी तीसरा सीजन जल्द आने वाला है। इसका ट्रेलर भी लॉन्च हो चुका है।

हॉरर-कॉमेडी मुंज्या का गाना तरस हुआ रिलीज

शरवरी वाघ ने सेक्सी ठुमको से बढ़ाया पारा

स्त्री और भेड़िया के बाद यह निर्देशक दिनेश विजान की तीसरी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। मैडॉक फिल्म्स की नई हॉरर-कॉमेडी फिल्म मुंज्या का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को बेहद पसंद भी आया। ट्रेलर में मुंज्या का कहर दर्शकों को साफ दिखाई दिया, तो वहीं आज फिल्म का पहला गाना तरस रिलीज किया गया है, जिसे देखकर शायद दर्शकों का डर खुशी में बदल जाए।

शरवरी वाघ को पिछली बार फिल्म बंटी और बबली 2 में देखा गया था, जो 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब 4 साल के लंबे अंतराल के बाद शरवरी सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म मुंज्या को लेकर चर्चा में लगातार बनी हुई हैं। आज मुज्या का पहला गाना तरस रिलीज किया जा चुका है। इस गाने में शरवरी वाघ का जबरदस्त डांस देखने को मिला। गाने में शरवरी वाघ के जबरदस्त लटके-झटके दर्शकों को बेहद पसंद आ रहे हैं। इस गाने को जैस्मीन सैंडलस और सचिन जिगर ने गाया है। इस गाने के लिरिक्स को अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है। फिल्म मुंज्या का गाना तरस रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर तेजी

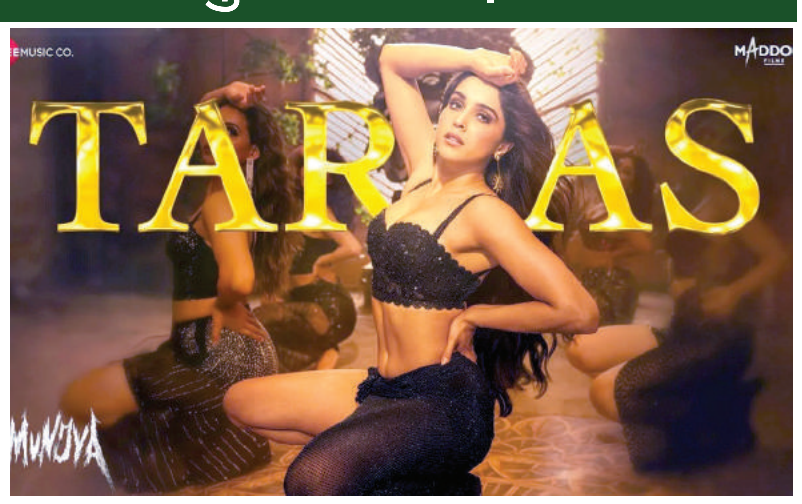

से वायरल हो रहा है। मुंज्या के ट्रेलर में चेटूकवाड़ी की कहानी दिखाई गई थी, जो कि एक शापित जगह है।

इस जगह पर मुंज्या की अस्थियां गढ़ी हुई हैं। दरअसल, मुज्या किसी मुन्नी से शादी करना चाहता था, लेकिन शादी से पहले ही उसकी मौत हो जाती है। जहां यह फिल्म आपको डराएगी, तो वहीं यह फिल्म आपको हंसाने का काम भी करेगी, क्योंकि फिल्म में हॉरर के साथ कॉमेडी का जबरदस्त तड़का आपको दिखने को मिलेगा। मुंज्या सिर्फ सनसेट के बाद आता है और वह अपनी आखिरी इच्छा यानी कि मुन्नी से शादी करना चाहता है। मुंज्या में अभय वर्मा, मोना सिंह और एस सत्यराज भी अहम भूमिका में नजर आएंगे, जिनकी झलक ट्रेलर में साफ दिखाई दी थी। फिल्म के ट्रेलर के साथ मेकर्स ने लिखा था, मुन्नी के लिए मुंज्या जान दे भी सकता है और ले भी सकता है। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। दिनेश विजान और अमर कौशिक इस फिल्म के निर्माता हैं। योगेश चांदेकर ने इसकी कहानी लिखी है। यह फिल्म 7 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

मोनोकिनी पहन पूल में उतरीं उर्फी जावेद

बिग बॉस ओटीटी फेम एक्ट्रेस उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उर्फी जावेद ने एक बार फिर अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर फैंस का ध्यान खींचा है। उर्फी जावेद ने मोनोकिनी पहनकर गर्मी में सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। उर्फी जावेद मोनोकिन पहने हुए पूल के अंदर अलग-अलग अंदाज में पोज देते नजर आ रही हैं। उर्फी जावेद की तस्वीरें वायरल होते ही उनके फैंस आहें भर रहे हैं, वहीं लोग जमकर रिएक्शन भी दे रहे हैं। उर्फी जावेद ने मोनोकिनी पहनकर पूल में एक से बढ़कर एक ग्लैमरस पोज दिए हैं। उर्फी जावेद की एक-एक तस्वीरें से उनके फैंस की निगाहें हटाना मुश्किल होगा।उर्फी जावेद की तस्वीरें सोशल मीडिया पर बुलेट की स्पीड से वायरल हो रही हैं। उर्फी जावेद का अंदाज देखकर उनके तमाम चाहने वाले फैंस प्यारे रिएक्शन दे रहे हैं।उर्फी जावेद को लेकर एक फैन ने लिखा है, 'गर्मी बढ़ा दी है।' एक फैन ने लिखा है, 'गजब की ग्लैमरस हैं उर्फी।' एक फैन ने लिखा है, 'इनका तो अलग ही लेवल है।'उर्फी जावेद के लिए ये पहला मौका नहीं है जब उन्होंने अपना सिजलिंग अंदाज दिखाया है। उर्फी जावेद अक्सर अपने ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उर्फी जावेद के बोल्ड लुक और उनके बोल्ड फैशन सेंस की झलक फैंस को देखने को मिलती रहती है। उर्फी जावेद की तस्वीरों और वीडियोज का फैंस इंतजार भी करते हैं।उर्फी जावेद कभी फ्रंट कट ड्रेस तो कभी टॉपलेस होकर अपनी फोटो और वीडियो शेयर करती हैं। उर्फी जावेद को इनके लिए ट्रोल किया जाता है लेकिन उन्हें फर्क नहीं पड़ता है।उर्फी जावेद अपनी ड्रेस को लेकर आए दिन प्रयोग करती रहती हैं। उर्फी जावेद का ड्रेसिंग सेंस इतना यूनिक होता है कि कोई अंदाज भी नहीं लगा सकता है कि वह क्या पहन लेंगी।उर्फी जावेद के वर्क फ्रंट की बात करे तो वह टीवी के कुछ सीरियल में नजर आ चुकी हैं। वहीं, उर्फी जावेद ने कई रियलिटी शोज में हिस्सा लिया है और पॉपुलर हुई हैं।

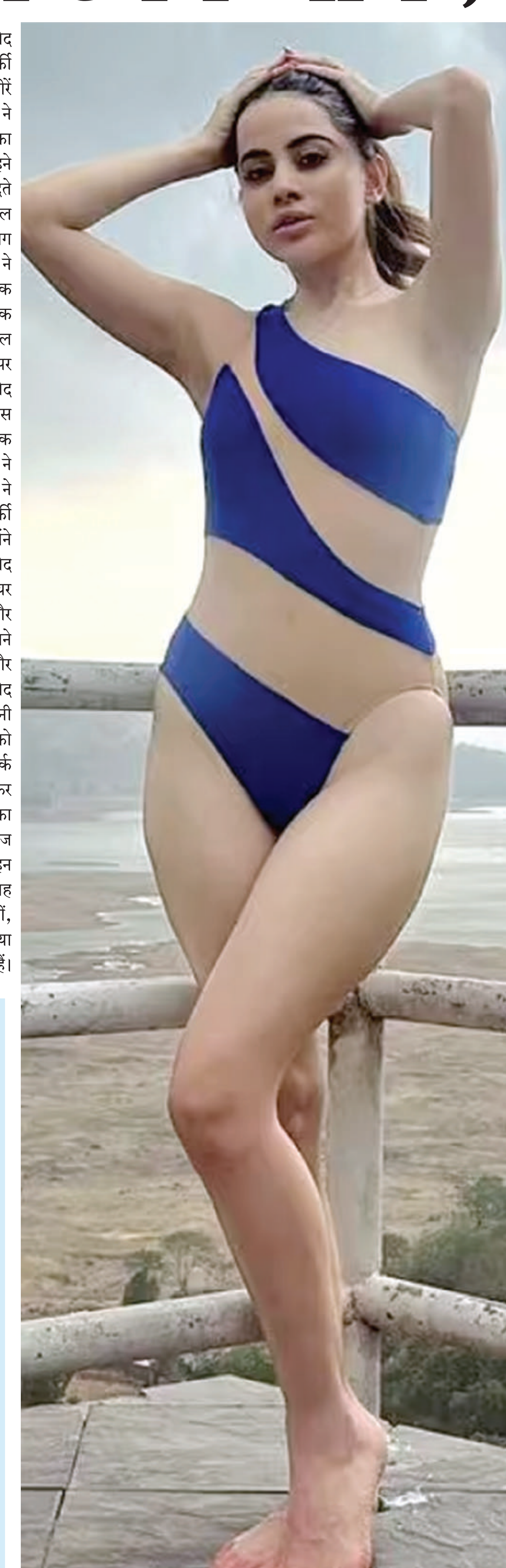

तेरा इश्क मेरा फितूर में बोल्ड सीन करने में नहीं हुई कोई परेशानी : शिवांगी वर्मा

टीवी सीरियल छोटी सरदारनी से पॉपुलर हुईं एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा इन दिनों अपने अपकमिंग शो तेरा इश्क मेरा फितूर को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। इसमें उन्होंने काफी बोल्ड सीन दिए हैं। अपने इस सीन को लेकर एक्ट्रेस ने खुलकर बात की।उन्होंने बताया कि उनके लिए बोल्ड सीन करना काफी आसान था। उन्होंने इसे बहुत अच्छे से किया।शिवांगी ने बताया कि बोल्ड सीन करना काफी हद तक को-एक्टर पर निर्भर करता है और जहां तक कंफर्ट का सवाल है, उन्हें इसमें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।उन्होंने कहा, मैं बोल्ड सीन के दौरान बहुत कंफर्टेबल थी, क्योंकि मैं पूरी तरह से आपके को-एक्टर पर निर्भर करता है। सेहबान अजीम के साथ काम करना वाकई शानदार है। उन्होंने मुझे कंफर्टेबल महसूस कराया। इस दौरान डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और बाकी सभी लोग सेट पर मौजूद थे, जिन्होंने हम दोनों को कंफर्ट महसूस कराने के लिए एक तरह का माहौल बनाया, इसलिए यह जबरदस्ती जैसा नहीं था, बल्कि यह स्टोरी का हिस्सा था, और हमने इसे बेहद खूबसूरती से पूरा किया। और मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह पसंद आएगा।

मालविका मोहनन का हॉट लुक देख फैंस हुए मदहोश

साउथ की खूबसूरत एक्ट्रेस मालविका मोहनन हमेशा अपने बोल्डनेस और हॉटनेस के चलते सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने लेटेस्ट सैटिन आउटफिट में बेहद ही सेक्सी फोटोशूट करवाया है, जिसमें उनकी किलर अदाएं देखकर फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।एक्ट्रेस मालविका मोहनन हमेशा अपने बोल्ड फैशन सेंस के चलते अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक्स देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं।उनकी वॉर्डरोब चॉइस हो, ग्लैमरस मेकअप या फिर पर्सनल स्टाइल फैंस उनकी सोशल प्रजेंस देख कर पूरी तरह से आकर्षित हो जाते हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने ब्लू कलर की सैटिन कलर का वन साइड शोल्डर आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

बालों का हाई बन बनाकर, कानों में इयररिंग्स पहन कर और नो मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने कातिलाना अदाएं दिखा रही हैं।मालविका मोहनन सामने आए इस फोटोशूट में अप्सरा की तरह नजर आ रही हैं। उनके इस लुक पर से फैंस नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

क्यों किया जाता है रोहिणी व्रत जानिए इसका महत्व और नियम

रोहिणी व्रत और रोहिणी नक्षत्र का आपस में संबंध माना जाता है। जब सूर्योदय के बाद रोहिणी नक्षत्र पड़ता है, तो उस दिन रोहिणी व्रत रखा जाता है। जैन धर्म में इस व्रत को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। जैन मान्यताओं के अनुसार, रोहिणी व्रत को करने से जीवन में चल रही परेशानियों से मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं कि रोहिणी व्रत क्यों रखा जाता है। साथ ही इस व्रत से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें कौन-सी हैं।

सुख-समृद्धि के लिए

यह व्रत मुख्य रूप से महिलाएं रखती हैं। यह व्रत पुरुष भी करते हैं। पति की लंबी उम्र और परिवार की सुख-शांति के लिए इस व्रत को महिलाएं करती हैं। इस दिन भगवान वासुपूज्य की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि इस दिन गरीबों को दान देने से पुण्य फलों की प्राप्ति होती है।

मोक्ष की होती है प्राप्ति

जैन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, रोहिणी व्रत के प्रभाव से महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है। इस व्रत को पूरे विधि-विधान और श्रद्धा से करने से व्यक्ति आर्थिक स्थिति बेहतर होने लगती है। जैन मान्यताओं की मानें, तो रोहिणी व्रत को करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इन नियमों का करें पालन

✲ रोहिणी व्रत के दौरान आपको अपनी पवित्रता का पूरा ध्यान रखना चाहिए।

✲ इस व्रत में सूर्यास्त के बाद भोजन नहीं करना चाहिए।

✲ रोहिणी व्रत लगातार 3, 5 या 7 वर्ष तक रखा जाना चाहिए।

✲ व्रत का उद्यापन करने पर अपनी क्षमता के अनुसार गरीबों और जरूरतमंदों को दान देना चाहिए। साथ ही भोजन भी कराना चाहिए।

गुरुवार को इन उपायों से बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा, दूर होगी आर्थिक दिक्कतें

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन श्रीहरि और बृहस्पति के पूजन का विधान है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु के पूजन से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और कई समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

सुख सौभाग्य, यश वैभव व कार्य संपन्नता का कारक भी माना जाता है, ऐसे में यदि आपका गुरु कमजोर है तो इस दिन पूजा जरूर करना चाहिए, इससे जातकों को लाभ मिलता है। साथ ही नौकरी में आ रही समस्याओं और आर्थिक दिक्कतों से भी छुटकारा मिलता है। आपको इस लेख में गुरुवार से जुड़े कुछ उपाय बताते हैं।

नौकरी में समस्या आने पर

अगर आपको नौकरी में दिक्कत आ रही है, पदोन्नति नहीं हो रही है अथवा अधिक मेहनत करने के बाद भी सफलता नहीं मिल रही है तो गुरुवार को पीले रंग का वस्त्र में पीले फूल, नारियल, पीले फल, हल्दी और खड़ा नमक

रखकर बांधकर एक पोटली बना लें और इसे मंदिर की सीढ़ियों पर रख दे और वापस घर लौट आएं। साथ ही भगवान विष्णु को भी पीले फूल चढ़ाएं।

व्यापार में दिक्कत होने पर

गुरुवार को पीले वस्त्र पहनकर मंदिर जाना चाहिए और हल्दी की माला चढ़ाना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यापार में आ रही दिक्कतें दूर होती है और रूके कार्य भी पूरे होते हैं। इस दिन हल्दी का तिलक लगाना भी शुभ माना गया है।

बरकत न होने पर

अगर आपके घर में बरकत नहीं है तो गुरुवार को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का पूजन करना चाहिए। केला, चना दाल और गुड़ का भोग लगाना भी शुभ रहता है। इस दौरान विष्णु सहस्रनाम का पाठ जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

गुरु ग्रह कमजोर होने पर

यदि आपकी कुंडली में गुरु ग्रह कमजोर है तो पानी में हल्दी डालकर स्नान करें। ऐसा लगातार करने से आपको लाभ मिलेगा।

क्यों भस्म से की जाती है भगवान शिव की आरती?

मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित महाकाल मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माने जाते हैं। यहां दुनिया भर से भक्त भगवान शिव की पूजा और दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर से जुड़े कई रहस्य हैं, जिसके कारण यह मंदिर विश्व प्रसिद्ध है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान महाकाल के दर्शन करने से व्यक्ति का जीवन और मृत्यु का चक्र समाप्त हो जाता है। भगवान के दर्शन से मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है।

भस्म आरती से जुड़ी पौराणिक कथा।

पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन काल में दूषण नामक राक्षस ने उज्जैन में उत्पात मचा रखा था। ऐसे में लोगों ने राक्षस के प्रकोप से बचने के लिए देवों के देव महादेव से प्रार्थना की। इसके बाद, भगवान शिव ने दूषण का वध किया और लोगों की प्रार्थना पर महाकाल के रूप में उज्जैन में रहने लगे। धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव ने यहां दूषण की भस्म से अपना श्रृंगार किया था। इसलिए आज भी महादेव का श्रृंगार भस्म से किया जाता है। यह मंदिर एक ऐसा मंदिर है, जहां दिन में 6 बार भगवान महाकाल की आरती की जाती है।

पुराणों में भी मिलता है वर्णन

पुराणों के अनुसार, महाकालेश्वर मंदिर बहुत प्राचीन माना जाता है। शिवपुराण में बताया गया है, भगवान श्रीकृष्ण के दत्तक नंद से आठ पीढ़ी पहले यहां महाकाल विराजमान हुए थे। वेदव्यास ने भी महाभारत में लिखा है, कालिदास, बाणभट्ट और अन्य लोगों ने भी इस ज्योतिर्लिंग के बारे में लिखा है।

भस्म आरती से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

भगवान महाकाल की भस्म आरती सुबह 4 बजे की जाती है। भस्म को सूती कपड़े में बांध दिया जाता है। फिर इसे शिवलिंग पर बिखेरते हुए आरती की जाती है। भस्म आरती के दौरान महिलाओं को घूंघट करना होता है।

इसके अलावा पुजारी भी धोती पहनकर आरती करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भस्म आरती के समय भगवान महाकाल निराकार स्वरूप में होते हैं। इस कारण आरती के दौरान महिलाओं का घूंघट करना जरूरी होता है।

कब मनाई जाएगी महेश नवमी

जानिए सही तिथि और शुभ योग

सनातन पंचांग के अनुसार, महेश नवमी 15 जून को पड़ रही है। यह त्योहार हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही कार्यों में सफलता पाने के लिए व्रत भी रखा जाता है।

धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है कि माहेश्वरी समुदाय की वंशावली की उत्पत्ति ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को हुई थी। इसलिए इस दिन माहेश्वरी समाज के लोग भगवान शिव की विशेष पूजा करते हैं। ज्योतिषियों के अनुसार, महेश नवमी पर दुर्लभ वरियान योग बन रहा है। इसके साथ ही कई अन्य शुभ योग भी बन रहे हैं। इन योगों में भगवान शिव की पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

वरियान योग

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर वरियान योग बन रहा है। यह योग शाम 08 बजकर 12 मिनट से बन रहा है। प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा की जाती है। वरियान योग में भी भगवान शिव की पूजा की जा सकती है। इस योग में भगवान शिव की पूजा करने से शुभ परिणाम मिलते हैं।

रवि योग

महेश नवमी पर रवि योग का भी निर्माण हो रहा है। यह योग सुबह 08 बजकर 14 मिनट पर बन रहा है और अगले दिन यानी गंगा दशहरा पर सुबह 05 बजकर 23 मिनट पर समाप्त होता है। रवि योग में भगवान शिव की पूजा करने से स्वस्थ जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

शिव वास योग

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को शिव वास योग बन रहा है। यह योग पूरे दिन रहेगा। यह योग 16 जून को सुबह 02 बजकर 32 मिनट पर समाप्त होगा। इस योग में भगवान शिव की पूजा करने से भक्त को मनचाहा वर मिलता है। इसके अलावा बालव और कौलव करण का भी योग बन रहा है।

त्रिपुष्कर योग समेत इन 6 संयोग में मनाई जाएगी योगिनी एकादशी, प्राप्त होगा कई गुना फल

आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी कहा जाता है। यह पर्व भगवान विष्ण को समर्पित होता है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। इस वर्ष 02 जुलाई को योगिनी एकादशी मनाई जाएगी। धार्मिक मत है कि एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से साधक द्वारा अनजाने में किए गए समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। साथ ही व्रती को मनोवांछित फल की भी प्राप्ति होती है। ज्योतिषियों की मानें तो योगिनी एकादशी तिथि पर दुर्लभ त्रिपुष्कर योग का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा, कई अन्य मंगलकारी योग भी बन रहे हैं। इन योग में जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा करने

से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होगी। आइए, शुभ योग जानते हैं।

शुभ मुहूर्त – ज्योतिषियों की मानें तो आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 01 जुलाई को सुबह 10 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 02 जुलाई को सुबह 08 बजकर 42 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार, साधक 02 जुलाई को एकादशी व्रत रख सकते हैं। इसके अगले दिन 03 जुलाई को पारण का समय सुबह 05 बजकर 28 मिनट से लेकर 07 बजकर 10 मिनट तक है। इस दौरान साधक पूजा-पाठ कर व्रत खोल या तोड़ सकते हैं।

योग– आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी पर धृति योग का निर्माण सुबह 11 बजकर 47 मिनट तक है। इस दिन दुर्लभ त्रिपुष्कर योग सुबह 08 बजकर 42 मिनट से प्रारंभ हो रहा है, जो अगले दिन यानी 03 जुलाई को सुबह 04 बजकर 40 मिनट तक है। वहीं, सर्वार्थ सिद्धि योग 02 जुलाई को सुबह 05 बजकर 27 मिनट से 03 जुलाई को सुबह 04 बजकर 40 मिनट तक है।

शिववास योग–योगिनी एकादशी पर शिववास योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन भगवान शिव सुबह में 08 बजकर 42 मिनट तक कैलाश पर रहेंगे। इसके बाद नंदी पर सवार रहेंगे। इस दौरान भगवान शिव की पूजा और अभिषेक करने से साधक के सुख और सौभाग्य में बढ़ोतरी होती है। साथ ही शुभ कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। इस दिन बालव, कौलव और तैतिल करण के भी योग बन रहे हैं। इनमें सबसे पहले बालव करण का निर्माण हो रहा है। इसके बाद कौलव करण का संयोग है। वहीं, निशा काल में तैतिल करण का योग बन रहा है।

घर में पालना चाहते हैं तोता, तो रखें वास्तु शास्त्र के नियमों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में घर में सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए विस्तार से बताया है कि कौन सी वस्तु को किस स्थान पर रखना चाहिए। यहां तक वास्तु शास्त्र में पशु-पक्षियों को घर में रखने के नियम बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करने से घर में नकारात्मकता दूर होती है। कई लोगों को घर में तोता पालना अच्छा लगता है, लेकिन क्या आपको पता है कि यह घर के लिए शुभ है या नहीं। ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी ने विस्तार से इस बारे में जानकारी दी है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार तोता पालना शुभ या अशुभ

वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर में तोता पालने से सकारात्मकता का माहौल बनता है। यह घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर देता है। तोते का बोलने घर के लिए शुभ माना जाता है।

तोता को घर में रखनी की दिशा

वास्तु शास्त्र के नियमों को मानें तो तोते को उत्तर या पूर्व दिशा की तरफ रखा जा सकता है। उत्तर दिशा बुध ग्रह की दिशा होती है। बुद्ध बुद्धि के प्रतीक समझें जाते हैं। ऐसे में इस दिशा में तोते को रखने से बच्चों का पढ़ाई में मन लगा रहेगा। पूर्व दिशा को माना जाता है कि वह सूर्य की दिशा है। सूर्य शक्ति और सफलता के प्रतीक हैं। ऐसे में इस दिशा में तोता रखने से आपके घर में समृद्धि का वास होगा।

पिंजरे में तोता रखना सही या गलत

तोता को पिंजरे में रखने के बाद यह जरूर देखें कि वह खुश तो है। ऐसा माना जाता है कि तोता अगर पिंजरे में रहना पसंद नहीं करता है, तो घर से खुशियां चली जाती हैं। यह आपके घर में नकारात्मकता का माहौल बना देगी।

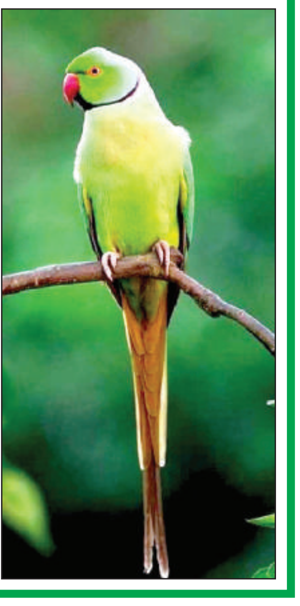

ग्रहों के बुरे प्रभाव से मिलेगी मुक्ति करें काल भैरव से जुड़े ये उपाय

भगवान शिव का रूद्र अवतार काल भैरव देव को माना जाता है। मान्यता है कि बाबा भैरव की पूजा करने से शत्रुओं का भय नहीं रहता। कई भक्त बाबा काल भैरव की विधि-विधान से पूजा करते हैं। काले कुत्ते का संबंध बाबा काल भैरव से ही माना जाता है। ऐसे में अगर काले कुत्ते से जुड़े कुछ उपाय कर लिए जाएं, तो आपको भैरव देव की कृपा मिलेगी।

काले कुत्ते को खिलाएं रोटी

काले कुत्ते को खाना खिलाने से बाबा भैरव प्रसन्न होते हैं। ऐसा करने से राहु-केतु के दुष्प्रभाव को भी खत्म किया जा सकता है। इसके लिए शनिवार के दिन कुत्ते को तेल लगी हुई रोटी खिलानी चाहिए। कुंडली में केतु कमजोर होने पर नियमित रूप से काले कुत्ते को दूध पिलाना चाहिए। यह दूध मीठा नहीं होना चाहिए।

हर शनिवार की रात करें ये उपाय

प्रत्येक शनिवार की रात को काले कुत्ते को दूध और रोटी देनी चाहिए। ऐसा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। साथ ही शनि की महादशा, शनि ढैय्या और साढ़ेसाती का प्रभाव भी कम हो जाता है। इस उपाय को करने से हर काम में सफलता मिलने लगती है।

कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए

जो लोग काल सर्प दोष से पीड़ित हैं, उन्हें घर में काला कुत्ता पालना चाहिए और उसकी सेवा करनी चाहिए। काले कुत्ते को रोज रोटी खिलानी चाहिए। इस तरह से कालसर्प दोष का प्रभाव कम होता है और परेशानियों से छुटकारा मिलता है। इसके विपरीत काला कुत्ता पालने से घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती और बुरी नजर से भी बचा जा सकता है।

सुरक्षा ग्रुप ने जेपी इंफ्राटेक का किया टेकओवर, जल्द पूरा होगा 20,000 होमबायर्स का सालों पुराना सपना

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)।

आज 20,000 से ज्यादा होमबायर्स बड़ी राहत मिली। सुरक्षा ग्रुप ने जेपी इंफ्राटेक का अधिग्रहण कर लिया है। आपको बता दें कि जेपी इंफ्राटेक कर्ज में डूब गई थी। अब सुरक्षा ग्रुप के टेकओवर करने के बाद होमबायर्स को राहत मिलेगी।

उम्मीद है कि इस टेकओवर के बाद जल्द ही दिल्ली-एनसीआर में रुकी हुई आवास परियोजनाएं दोबारा शुरू हो जाएगी। प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए सुरक्षा ग्रुप अब 125 करोड़ रुपये का फंड लगाएगा।

यह अधिग्रहण दिवालिया अपीलीय न्यायाधिकरण के 24 मई के फैसले के बाद हुआ है। एनसीएलटी के फैसले में जेपी इंफ्राटेक के अधिग्रहण के लिए सुरक्षा रियल्टी की बोली को बरकरार रखा गया था, जबकि उसे किसानों के मुआवजे के रूप में अतिरिक्त 1,334 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। जेपी इंफ्राटेक द्वारा एक नियामक फाइलिंग के अनुसार सुरक्षा ग्रुप ने आईएमसी (कार्यान्वयन और निगरानी समिति) को सूचित किया कि 24 मई, 2024, यानी, एनसीएलएटी आदेश की तारीख को अनुमोदन तिथि के रूप में माना जाना चाहिए। आईएमसी ने हुई अपनी बैठक में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में सुधीर वी वालिया की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। बोर्ड ने कार्यकारी निदेशक के रूप में आलोक चंपक दवे और स्वतंत्र निदेशक के रूप में उषा अनिल कदम की नियुक्ति को भी मंजूरी दी। सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि सुरक्षा ग्रुप 15 जून तक जेपी इंफ्राटेक में 125 करोड़ रुपये का इक्विटी फंड लगाएगा और जल्द ही निर्माण प्रक्रिया शुरू करेगा। यह शेड्यूल के मुताबिक भुगतान करना भी शुरू कर देगा। एनसीएलटी ने बरकरार रखा अपना फैसला एनसीएलटी ने मार्च 2023 से अपने फैसले को बरकरार रखा। एनसीएलएटी ने 24 मई को कहा था। किसी भी देरी से बचने और सभी हितधारकों के हितों का ख्याल रखने के लिए यह निर्णय लिया गया था। एनसीएलटी ने घर खरीदारों और किसानों के अतिरिक्त मुआवजे के लिए यमुना एक्सप्रेस विकास प्राधिकरण का दावा किया। जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के खिलाफ कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया अगस्त 2017 में आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के एक आवेदन पर शुरू की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

मारुति सुजुकी की एनर्जी सेक्टर में एंट्री नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट में 450 करोड़ रुपए का करेगा निवेश

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने बताया कि वह सौर ऊर्जा और बायोगैस से जुड़ी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश करेगा। कंपनी ने तीन साल की अवधि में 450 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने वर्टिकल में 120.8 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कंपनी वित्त वर्ष 2025 से शुरू होने वाले तीन वर्षों में इस निवेश को लगभग चार गुना बढ़ाकर 450 करोड़ रुपये तक पहुंचाएगी। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी टेकुची ने कहा कंपनी ने कहा कि उसने घरेलू खाद्य अपशिष्ट की अप्रयुक्त क्षमता का उपयोग करते हुए वित्त वर्ष 2025 में अपनी मानेसर सुविधा में एक पायलट बायोगैस प्लांट शुरू किया है। इस प्लांट को प्रतिदिन 0.2 टन बायोगैस का उत्पादन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अनुमानित उत्पादन लगभग 1 लाख मानक घन मीटर बायोगैस है। इस बायोगैस प्लांट से प्रति वर्ष लगभग 190 टन सीओ2 की भरपाई होगी। कंपनी सौर कैपेसिटी को बढ़ाएगी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में अपनी सौर क्षमता को 43.2 मेगावाट तक विस्तारित किया। कंपनी ने कहा कि अगले दो वर्षों में अपने मानेसर प्लांट में 15 मेगावाट और आगामी खरखौदा प्लांट में 20 मेगावाट सौर क्षमता जोड़ने की राह पर है। इससे कुल सौर क्षमता बढ़कर 78.2 मेगावाट हो जाएगी। मारुति सुजुकि के शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। खबर लिखते वक्त कंपनी के शेयर 12,518.95 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोने और चांदी कीमतें बढ़ी हैं। लोकसभा चुनाव के परिणाम के दूसरे दिन वायदा कारोबार में बढ़त रही। सुबह सोने के वायदा भाव 72 हजार रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 89,800 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी दर्ज की गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 80 रुपये बढ़कर 72,077 रुपये के भाव पर खुला। यहा 72,080 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 72,037 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल कर लिया था। इसे अलावा चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी बढ़कर हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध 239 रुपये की तेजी के साथ 89,898 रुपये पर खुला। यह अनुबंध 141 रुपये की तेजी के साथ 89,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 89,899 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 89,757 रुपये के भाव पर दिन निचला स्तर हासिल किया। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इसके भाव चढ़ गए। चांदी की शुरुआत तेज ही रही।

मॉयल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन सात प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र मॉयल ने बताया कि अप्रैल-मई, 2024 के दौरान उसका मैंगनीज अयस्क उत्पादन सात प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख टन हो गया। मॉयल ने अपने बयान में कहा कि उसने एक साल पहले की समान अवधि में 2.84 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया था। कंपनी की कुल बिक्री 3.3 लाख टन की हुई, जो एक साल पहले की समान अवधि के 2.5 लाख टन से 32 प्रतिशत अधिक है। इस्पात मंत्रालय के तहत मॉयल देश में डाइऑक्साइड अयस्क की लगभग 46 प्रतिशत आवश्यकता को पूरा करती है। मौजूदा समय में मैंगनीज अयस्क का औसत वार्षिक उत्पादन लगभग 13 लाख टन है।

गूगल ने अपनी क्लाउड इकाई से 100 कर्मचारी हटाए, माइक्रोसॉफ्ट में भी जाएंगी नौकरियां

सैन फ्रांसिस्को, 05 जून (एजेंसियां)।

गूगल के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा, हम अपने ग्राहकों की प्राथमिकताओं और आगे के महत्वपूर्ण अवसरों को पूरा करने के लिए अपने व्यवसाय का विकास जारी रखेंगे। हम उन क्षेत्रों में निवेश करने की अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, जो हमारे व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण हैं और हमारी दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करते हैं।

अल्फाबेट के स्वामित्व वाली गूगल कंपनी अपनी क्लाउड इकाई की कई टीमों में से कम से कम 100 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, गूगल के आंतरिक पत्राचार में कहा गया है कि बिक्री, संचालन-इंजीनियरिंग, परामर्श और बाजार-रणनीति से जुड़ी कुछ अहम भूमिकाओं में चुनिंदा पदों में कटौती की गई है।

गूगल के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा, हम अपने ग्राहकों की प्राथमिकताओं और आगे के महत्वपूर्ण अवसरों को पूरा करने के लिए अपने व्यवसाय का विकास जारी रखेंगे। हम उन क्षेत्रों में निवेश करने की अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, जो हमारे व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण हैं और हमारी दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करते हैं। यह रिपोर्ट अप्रैल में विभिन्न टीमों में हुई बड़ी छंटनी के बाद आई है।

लागत में कमी के उपाय जारी - दिग्गज गूगल कंपनी लागत में कमी के उपायों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने अप्रैल में छंटनी का एक दौर अंजाम दिया, जिससे विभिन्न डिवीजनों में अनिर्दिष्ट संख्या में कर्मचारी प्रभावित हुए व लागत में कमी आई।

कंपनी में जारी समायोजन को उजागर करती है छंटनी - इसके अलावा, जनवरी में, आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच प्रौद्योगिकी व मीडिया क्षेत्रों में नौकरी में कटौती की व्यापक प्रवृत्ति के तहत कंपनी ने अपने सैकड़ों कर्मचारियों की संख्या में कमी की। गूगल के क्लाउड डिवीजन में ताजा छंटनी कंपनी में जारी समायोजन को उजागर करती है क्योंकि यह मौजूदा आर्थिक परिदृश्य को नेविगेट करती है।

माइक्रोसॉफ्ट ने अजूरे क्लाउड सेवा इकाई में शुरू की छंटनी - माइक्रोसॉफ्ट ने अजूरे क्लाउड सेवा इकाई में छंटनी शुरू कर दी है। एज्योर फॉर ऑपरेटर्स और मिशन इंजीनियरिंग समूहों में कटौती के साथ, कई टीमों की नौकरी में कटौती हुई है। एज्योर फॉर ऑपरेटर्स में छंटनी में 1,500 पदों तक शामिल होने की सूचना है। छंटनी के पीछे के विशिष्ट कारणों पर कंपनी ने सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं बताया है। पीड़ित कर्मचारी उस इकाई का हिस्सा हैं, जो क्लाउड कंप्यूटिंग में माइक्रोसॉफ्ट के विस्तार का अभिन्न अंग रहे हैं।

डेबिट-क्रेडिट कार्ड दो दिन नहीं काम करेंगे: एचडीएफसी बैंक

मुंबई। देश के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को अलर्ट किया है और बताया है कि दो दिन उन्हें कार्ड का इस्तेमाल करने में दिक्कतें आ सकती हैं। एचडीएफसी बैंक ने इस बारे में सभी ग्राहकों को ईमेल और एसएमएस के जरिए अलर्ट किया है। बैंक की ओर से भेजे गए मैसेज में बताया गया है कि उसके क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड कुछ समय के लिए इस्तेमाल नहीं किए जा सकेंगे। उसके ये कार्ड बताई गई अवधि के दौरान ट्रांजेक्शन के लिए अनुपलब्ध रहने वाले हैं। एचडीएफसी बैंक ने कार्ड के अनुपलब्ध रहने का जो समय बताया है, वह बैंक का कहना है कि बताई गई समयावधि में उसके क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड के सिस्टम को अपग्रेड किया जाएगा। इसी कारण ग्राहक कार्ड का इस्तेमाल कर लेन-देन नहीं कर पाएंगे। इस अपग्रेडेशन से जिन ट्रांजेक्शंस पर असर होगा, उनमें एटीएम से पैसे की निकासी, पॉइंट ऑफ सेल मशीनों पर शॉपिंग के भुगतान, ऑनलाइन कार्ड ट्रांजेक्शन और नेटसेफ ट्रांजेक्शन शामिल हैं। ग्राहकों को इसके चलते कम से कम परेशानी हो, इसी कारण बैंक ने अपग्रेडेशन के लिए रात का समय चुना है, जब ग्राहक कार्ड का कम ही इस्तेमाल करते हैं।

हर 4 में से 3 बी2बी भारतीय मार्केटिंग लीडर्स जनरेटिव एआई का कर रहे इस्तेमाल : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)।

हर चार में से तीन भारतीय बी2बी (बिजनेस टू बिजनेस) मार्केटिंग लीडर्स अपने काम के लिए जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं।इससे उनका कंटेंट क्रिएशन 43 प्रतिशत तक, लागत 39 प्रतिशत तक किफायती करने और उत्पादकता 38 प्रतिशत तक बढ़ाने में सफलता मिली है। आई एक रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है।

प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर पेशेवरों की ओर से अपनी प्रोफाइल में एआई स्किल जोड़ने में 142 गुना की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसमें मार्केटिंग पेशेवर टॉप पर है।

पिछले साल वैश्विक स्तर पर चीफ मार्केटिंग ऑफिसर (सीएमओ) का पद संभालने वाले लोगों की लिंक्डइन प्रोफाइल में एआई स्किल अन्य पेशों के मुकाबले बड़ी संख्या में जुड़ी है।

लिंक्डइन इंडिया में मार्केटिंग सॉल्यूशन के डायरेक्टर सचिन शर्मा का कहना है कि बी2बी एक काफी प्रतिस्पर्धा वाला क्षेत्र है। खरीदारों के बढ़ते प्रभाव के कारण मार्केटिंग करने वालों के लिए बड़े ग्रुप को टारगेट करना जरूरी हो जाता है। इससे ब्रांड की पहुंच बढ़ाने में सफलता मिलती है।

सर्वे में 2,000 से ज्यादा बी2बी मार्केट लीडर्स ने भाग लिया था

इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 76 प्रतिशत बी2बी सीएमओ प्रतिस्पर्धी मांगों के कारण खरीदारों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 94 प्रतिशत मार्केटिंग करने वाले लोगों ने माना है कि अच्छे संबंध से ही उनके बिजनेस में सफलता मिल सकती है।

93 प्रतिशत लोगों का मानना है कि आने वाले वर्ष में उनकी टीम अधिक आय हासिल कर सकती है। वहीं, 85 प्रतिशत लोगों का मानना है कि अब उन्हें बजट बढ़ाने की आवश्यकता है।

कच्चे तेल की कीमतों में 4 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट से भारत को होगा फायदा

नई दिल्ली, 05 जून।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में 4 डॉलर प्रति बैरल से अधिक की गिरावट आई है। अब यह चार महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। ऐसा ओपेक प्लस द्वारा इस वर्ष उत्पादन में वृद्धि की अनुमति देने के बाद हुआ है। अमेरिका में पहले से ही कच्चे तेल का भंडार काफी ज्यादा है।अगस्त के लिए बेंचमार्क ब्रेंट ऑयल वायदा 77.50 डॉलर पर आ गया। डब्ल्यूटीआई (वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट) पर जुलाई के कच्चे तेल का वायदा 73.22 डॉलर पर था। 7 फरवरी के बाद पहली बार तेल की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आई हैं। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत है। देश अपनी जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है और तेल की कीमतों में गिरावट से देश के आयात बिल में कमी आएगी। इससे चालू खाता घाटा (सीएडी) कम होगा और रुपया मजबूत होगा। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दाम भी कम होते हैं, जिससे देश में मुद्रास्फीति में कमी आती है। सरकार ने यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर पश्चिमी दबावों के बावजूद तेल कंपनियों को रियायती कीमतों पर रूस से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति देकर देश के तेल आयात बिल को कम करने की कोशिश की है। रूस अब भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। इसने इराक और सऊदी अरब की जगह ली, जो पहले शीर्ष स्थान पर थे। आईसीआरए की एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस से तेल आयात की कीमत वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2024 के 11 महीनों में खाड़ी देशों की तुलना में 6.4 प्रतिशत और 15.6 प्रतिशत कम थी। रूस से सस्ता तेल खरीदना जारी रखने की भारत की रणनीति के चलते वित्त वर्ष 2022-23 के पहले 11 महीनों के दौरान देश के तेल आयात बिल में लगभग 7.9 बिलियन डॉलर की बचत हुई थी।

महाराष्ट्र में अंबानी ने लीज पर ली जमीन, बनाएंगे ग्लोबल इकोनॉमिक हब

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)।

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने कहा कि उसकी स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों ने महाराष्ट्र में एक ग्लोबल इकोनॉमिक हब बनाने के लिए 3,750 एकड़ भूमि की सब-लीज डीड का पंजीकरण कराया है।

बीएसई को भेजी सूचना में बताया गया है कि आरआईएल की स्वामित्व वाली कंपनियों ने नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड से 13,400 करोड़ रुपए में 43 साल के लिए विकास अधिकारों के साथ करीब 3,750 एकड़ भूमि के सब-लीज डीड से जुड़ी सभी कार्यवाही पूरी कर ली हैं। नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड में (शहर एवं औद्योगिक विकास निगम) सिडको की 26फीसदी हिस्सेदारी है। सिडको नवी मुंबई के लिए सरकार की नगर नियोजन एजेंसी है।

कंपनी ने कहा है कि महाराष्ट्र औद्योगिक नीति, 2013 के अनुसार सब लीज पर दी गई इस भूमि का इस्तेमाल एकीकृत औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए किया जाएगा। फरवरी 2018 में ग्लोबल इकोनॉमिक हब तैयार करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ समझौता किया गया था।

2018 में आयोजित मैग्नेटिक महाराष्ट्र कार्यक्रम में अंबानी ने कहा था, आरआईएल महाराष्ट्र में चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए भारत का पहला औद्योगिक क्षेत्र बनाएगा और इस पर अगले 10 साल में वैश्विक कंपनियों की भागीदारी से 60,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया जाएगा।

2019 में आरआईएल ने अपनी स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के जरिये करीब 4,000 एकड़ की सब लीज भूमि के लिए नवी मुंबई एसईजेड (एनएमएसईजेड) के साथ समझौता किया था। एक विज्ञप्ति में आरआईएल ने कहा कि हजीरा, जामनगर और दहेज में बड़े एकीकृत औद्योगिक परिसर तैयार करने, हरियाणा के झज्जर जिले में एकीकृत स्मार्ट सिटी और मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स में एक आधुनिक कन्वेंशन सेंटर और आधुनिक ऑफिस बनाने का उसका रिकॉर्ड रहा है।

देश में खाद्यान्नों का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ इन अनाजों की पैदावार में हुई भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)।

खाद्यान्न उत्पादन 2023-24 में 3,288.52 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले पांच वर्षों (2018-19 से 2022-23) के औसत खाद्यान्न उत्पादन 3,077.52 लाख टन से 211 लाख टन अधिक है। कृषि मंत्रालय ने तीसरे अग्रिम अनुमान में बताया कि हालांकि 2022-23 की तुलना उत्पादन में मामूली कमी आई है। मंत्रालय ने 2023-24 में अनियमित मानसून को अनाज उत्पादन में गिरावट का कारण बताया है जिससे कुछ फसलें प्रभावित हुई थीं। हालांकि, विशेषज्ञों के अनुसार, यह तथ्य कि कुल उत्पादन पांच साल के औसत से अधिक है, देश के कृषि क्षेत्र में लचीलापन दर्शाता है।

चावल-गेहूं का उत्पादन बढ़ा

तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2023-24 में कुल चावल उत्पादन 1,367.00 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि 2022-23 में यह 1,357.55 लाख टन था। गेहूं का उत्पादन 1,129.25 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के इसी आंकड़े की तुलना में 23.71 लाख टन अधिक है। श्री अन्न (बाजरा) का उत्पादन 174.08 लाख टन होने का अनुमान है, जो 2022-23 की तुलना में 87 हजार टन की मामूली वृद्धि को दर्शाता है। पोषक/मोटे अनाज का उत्पादन 547.34 लाख टन अनुमानित है, जो पांच साल के औसत उत्पादन की तुलना में 46.24 लाख टन अधिक है।

दलहनों का उत्पादन बढ़ा वर्ष के दौरान दलहनों का उत्पादन बढ़ा है। तुअर का उत्पादन 33.85 लाख टन अनुमानित है, जो 2022-23 में 33.12 लाख टन की तुलना में 0.73 लाख टन अधिक है। मसूर का उत्पादन 17.54 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के 15.59 लाख टन की तुलना में 1.95 लाख टन अधिक है। सोयाबीन का उत्पादन 130.54 लाख टन, और रेपसीड तथा सरसों का उत्पादन 131.61 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 5.18 लाख टन अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, कपास का उत्पादन 325.22 लाख गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम) और गन्ने का उत्पादन 4425.22 लाख टन होने का अनुमान है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ीं

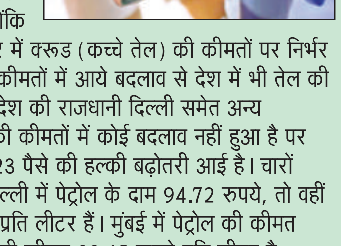

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल आया है। कीमतों में ये बदलाव लोकसभा चुनाव परिणाम के दूसरे दिन ही आया है। सरकारी तेल कंपनियां दर दिन सुबह 6 बजे पेट्रोल-डीजल की कीमतों को तय करती हैं क्योंकि ये कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों पर निर्भर करती हैं। क्रूड ऑयल की कीमतों में आये बदलाव से देश में भी तेल की कीमतों में बदलाव आया है। देश की राजधानी दिल्ली समेत अन्य महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है पर चेन्नई में तेल की कीमतों में 23 पैसे की हल्की बढ़ोतरी आई है। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल के दम 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है. कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.98 रुपये जबकि डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है वहीं अन्य शहरों की बात करें तो नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर। गुरुग्राम: पेट्रोल 95.05 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.91 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद: पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर: पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

संपादकीय

अमेरिका में क्या जेल से राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकते हैं?

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पोर्न स्टार का मुंह बंद रखने के लिए जो रकम दी थी, उसके लिए अपने व्यावसायिक रिकॉर्ड में लगातार हेरापेरी की। उन्हें भरोसा था कि वह कभी भी पकड़े नहीं जाएंगे लेकिन वह बच नहीं सके। राष्ट्रपति चुनाव से पहले अदालत के इस पैसले से अमेरिकी राजनीति में हलचल तेज है। यह मामला 2016 में उनके अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने से पहले का है। हालांकि हश मनी मामले में ट्रंप अपनी अपील के बारे में योजना बना रहे हैं और 11 जुलाईं को सजा सुनाए जाने का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें जेल के साथ ही भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। ट्रंप मामले में खुद पोर्न स्टार स्टॉमा डेनियल्स समेत 22 लोगों ने गवाही दी। अदालत के 12 डूटी मेंबर ने इस मामले में छह सप्ताह तक सुनवाईं की और ट्रंप को दोषी पाया। हालांकि वह खुद को बेकसूर बता रहे हैं। 2016 में जब ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में थे तो उन्होंने स्टॉमा को मुंह बंद रखने के लिए 1.30 लाख डॉलर का भुगतान किया था, जो उनके वकील ने पोर्न स्टार को दिए। इस मामले में 11 चेक पर हस्ताक्षर किए गए और ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन की वंपनी में जमा किए गए। आरोप है कि ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद कोहेन को पैसे वापस लौटाए। इसके लिए उन्होंने दस महीने तक उसे कईं चैक दिए। उन्होंने रिकार्ड में इसे लीगल फीस दिखाया। ट्रंप ने न्यूयार्व बिजनेस रिकार्ड में गलत जानकारी दी। 5 अप्रौल 2023 को पूर्व अमेरिकी मैनहेट्टन की कोर्ट में 34 आरोप तय किए गए थे। ट्रंप और स्टॉमा की मुलाकात जुलाईं 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुईं थी। उस समय स्टॉमा महज 27 साल की थीं। बाद में दोनों डिनर पर मिले और दोनों में संबंध बने। अपनी किताब में स्टामा ने इसका जिव्रा किया है। राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनाव प्राचार अभियान ने जूरी के पैसले का स्वागत किया। बाइडन और हैरिस 2024 कम्युनिकोसन के निदेशक माइकल टायलर ने कहा हमने न्यूयार्व में देखा कि कानून से ऊपर कोईं नहीं है। पोर्न स्टार को पैसे के भुगतान को छिपाने के दोषी डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति की उम्मीदवारी पर कोईं खतरा नहीं है। अगर उन्हें 5 नवम्बर से पहले जेल की सजा भी हो जाती हैं जब भी वह चुनाव लड़ सवेंगे। 15 नवम्बर को होने वाले चुनाव में ट्रंप अगर जीतते हैं तो उन्हें जेल में ही शपथ दिलाईं जा सकती है। आपराधिक मामलों में सजा के लिए कोर्ट ने 11 जुलाईं की तिथि तय की है। हालांकि ट्रंप ने कोईं हिसक अपराध नहीं किया है। वे पहली बार दोषी पाए गए हैं। अमेरिका में यह दुर्लभ है कि बिना किसी आपराधिक इतिहास वाले लोगों को केवल व्यावसायिक रिकार्ड में हेरापेरी करने के लिए न्यूयार्व में जेल की सजा सुनाईं जाए। जुर्माने की सजा अधिक आम है। ट्रंप ने उनके खिलाफ पैसला सुनाए जाते ही कहा, यह शर्मनाक है। यह एक विवादित न्यायाधीश की ओर से की गईं दोषपूर्ण, भ्रष्ट सुनवाईं थी। असली पैसला 5 नवम्बर को लोग सुनाएंगे। वे जानते हैं कि यहां क्या हुआ और हर कोईं जानता है कि यहां क्या हुआ। मैं निदरेष हूं। मैं अपने देश के लिए लड़ रहा हूं। मैं अपने संविधान के लिए लड़ रहा हूं। हमारे पूरे देश में इस समय धांधली हो रही है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि बाइडन प्राशासन ने अपने राजनीतिक प्रातिद्विंद्वी को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा किया है। वहीं बाइडन ने जूरी के पैसले का स्वागत किया है।

ट्रंप मामले में खुद पोर्न स्टार स्टॉमा डेनियल्स समेत 22 लोगों ने गवाही दी। अदालत के 12 डूटी मेंबर ने इस मामले में छह सप्ताह तक सुनवाईं की और ट्रंप को दोषी पाया। हालांकि वह खुद को बेकसूर बता रहे हैं। 2016 में जब ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में थे तो उन्होंने स्टॉमा को मुंह बंद रखने के लिए 1.30 लाख डॉलर का भुगतान किया था, जो उनके वकील ने पोर्न स्टार को दिए। इस मामले में 11 चेक पर हस्ताक्षर किए गए और ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन की वंपनी में जमा किए गए। आरोप है कि ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद कोहेन को पैसे वापस लौटाए। इसके लिए उन्होंने दस महीने तक उसे कईं चैक दिए। उन्होंने रिकार्ड में इसे लीगल फीस दिखाया। ट्रंप ने न्यूयार्व बिजनेस रिकार्ड में गलत जानकारी दी। 5 अप्रौल 2023 को पूर्व अमेरिकी मैनहेट्टन की कोर्ट में 34 आरोप तय किए गए थे। ट्रंप और स्टॉमा की मुलाकात जुलाईं 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुईं थी। उस समय स्टॉमा महज 27 साल की थीं। बाद में दोनों डिनर पर मिले और दोनों में संबंध बने। अपनी किताब में स्टामा ने इसका जिव्रा किया है। राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनाव प्राचार अभियान ने जूरी के पैसले का स्वागत किया। ट्रंप मामले में खुद पोर्न स्टार स्टॉमा डेनियल्स समेत 22 लोगों ने गवाही दी। अदालत के 12 डूटी मेंबर ने इस मामले में छह सप्ताह तक सुनवाईं की और ट्रंप को दोषी पाया। हालांकि वह खुद को बेकसूर बता रहे हैं। 2016 में जब ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में थे तो उन्होंने स्टॉमा को मुंह बंद रखने के लिए 1.30 लाख डॉलर का भुगतान किया था, जो उनके वकील ने पोर्न स्टार को दिए।

भाजपा की सफलता को इसलिए भी बड़ा माना जा रहा है क्योंकि उसने सारे विपक्षी दलों के गठबंधन एवं शक्ति को मात दी

जीत के नए मानक गढ़ती भाजपा और निस्तेज होता विपक्ष

ललित गर्ग

मोदी ने लोकसभा चुनाव में अपने प्रभावी एवं चमत्कारी प्रदर्शन से जनता का दिल जीता है और उनके देश-विकास के कार्यक्रमों पर जनता ने मोहर लगाई है। विपक्ष के लिये जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि मुस्लिम तुष्टीकरण, मुफ्त की रेवडियां बांटने, संविधान बचाने के भ्रामक ड्रामा एवं देश तोड़ने की सोच से ऊपर उठकर विपक्ष की भूमिका का सार्थक करें।

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद आए कई एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एडीए) को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है। इन सर्वेक्षणों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार केंद्र की सत्ता संभालते हुए पूर्व के सारे रिकार्ड को ध्वस्त कर देंगे। मोदी ने लोकसभा चुनाव में अपने प्रभावी एवं चमत्कारी प्रदर्शन से जनता का दिल जीता है और उनके देश-विकास के कार्यक्रमों पर जनता ने मोहर लगाई है। विपक्ष के लिये जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि मुस्लिम तुष्टीकरण, मुफ्त की रेवडियां बांटने, संविधान बचाने के भ्रामक ड्रामा एवं देश तोड़ने की सोच से ऊपर उठकर विपक्ष की भूमिका का सार्थक करें। कोई भी एग्जिट पोल चुनाव परिणाम तो नहीं होता, लेकिन बातों ही बातों में चुनाव परिणामों की ओर इशारे कर जाता है, जो अक्सर समय की कसौटी पर सही साबित होते आये हैं, वास्तविक नतीजे मंगलवार 4 जून को देर शाम तक प्राप्त हो पाएंगे। जिसमें भाजपा एक बार फिर सारे मिथक तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। भाजपा की सफलता को इसलिए भी बड़ा माना जा रहा है क्योंकि उसने सारे विपक्षी दलों के गठबंधन एवं शक्ति को मात दी। भाजपा न केवल अपनी सरकार बचाते हुए दिख रही है बल्कि भारत को एक नये युग में ले जाने के लिये प्रतिबद्ध दिख रही है। निश्चित ही सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने के लिये भाजपा एक लहर बन चुकी है और इस लहर ने पूरे मुल्क के स्वाभिमान को एक नई ऊंचाई दी है।

अब भारत का मतदाता परिपक्व हो चुका है, उसे जाति, धर्म, सम्प्रदाय के नाम पर गुमराह नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र जिस रूप में सशक्त हो रहा है, उसी के अनुरूप राजनीतिक चरित्र को गढ़ना होगा, उसके प्रति भी राजनीतिक दलों को एहसास कराना होगा, जहां से राष्ट्रहित, ईमानदारी और नए मनुष्य की रचना, सशक्त अर्थव्यवस्था एवं विकास की तीव्र रफ्तार, खबरदार भरी गुहार सुनाई दे। कोई भी दल हो, अगर ये एहसास नहीं जागता है तो मतदाता दिखा देता है उनको शीशा, वही छीन लेता है उनके हाथ से दियासलाई और वही उतार देता है सत्ता का मद। कहने का मतलब सिर्फ इतना सा है कि देश की सियासी फिजां को बदलने में विपक्षी दलों को अधिक ईमानदार, जिम्मेदार एवं पारदर्शी होना होगा। विपक्ष दल अपनी जिम्मेदारियां से भागते हुए देश से ज्यादा दल को महत्व देने का परिणाम इन चुनाव में देख लिया है। भाजपा की तुलना में अन्य दलों पर दाग ज्यादा और लम्बे समय तक रहे हैं। इन दलों को न केवल अपने बेदाग होने के पुख्ता प्रमाण देना होगा, बल्कि जनता के दर्द-परेशानियों को कम करने का रोड मेप तैयार करते हुए अपना विपक्षी होने के धर्म को निभाना होगा, तभी वे आदर्श विपक्ष के हकदार बन सकेंगे।

हमने इन चुनावों में देखा है कि केवल झूठे आश्वासनों से मतदाता को गुमराह करने के दिन अब लद गये है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि विभिन्न विपक्षी दल अपने को, समय को, अपने भारत को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को पहचानने वाला साबित नहीं कर पाये हैं। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, उसने चौदह गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। देश को बांटने एवं तोड़ने वाले मुद्दे कब तक भाप बनते रहेगे? भाजपा को चुनौती देनी है तो विपक्षी दलों को अपना चरित्र एवं साख दोनों को नये रूप में एवं सशक्त रूप में प्रस्तुति देनी होगी। अन्यथा इन लोकसभा चुनावों की तरह आगे के जितने भी चुनाव होंगे उनके चुनाव परिणाम इसी तरह निराश करते रहेंगे। इससे विचित्र और हास्यास्पद और कुछ नहीं कि कांग्रेस समेत अन्य इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एक ओर जोर-शोर से यह दावा करने में लगे हैं कि उनके गठबंधन को लोकसभा चुनाव में 295 सीटें मिल रही हैं, सपा नेता अखिलेश उत्तरप्रदेश में 80 में 79 सीटों पर जीत का दावा किया, जब एग्जिट पोल ने उनके इन दावों की पोल खोल दी, आज घोषित हो रहे चुनाव परिणामों में भाजपा जब ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है तो विपक्षी दलों के नेता मतगणना में गड़बड़ी की निराधार आशंकाएं जताकर भ्रम फैलाने में लगे हैं। भ्रम फैलाने की इसी कोशिश के तहत कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने यह अनर्गल दावा किया कि मतगणना को प्रभावित करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने देश के 150 जिलों के जिलाधिकारियों को फोन किया है। उन्होंने यह बेतुका आरोप लगाते हुए यह समझा होगा कि इससे उन्हें एक फर्जी नैरेटिव खड़ा करने में मदद मिलेगी और उनकी हार पर पर्दा पड़ जायेगा। यह विडम्बना एवं विसंगति विपक्षी दलों को मजबूत करने की बजाय लगातार कमजोर ही कर रही है। वैसे भी भारत में जितने भी राजनैतिक दल हैं, सभी ऊंचे मूल्यों को स्थापित करने की, आदर्श की बातों के साथ आते हैं पर सत्ता प्राप्ति की होड़ में सभी एक ही संस्कृति को अपना लेते हैं। मूल्यों की जगह कीमत की और मुद्दों की जगह मतों की राजनीति करने लगते हैं। चुनावों की प्रक्रिया को ही नहीं, चुनाव मतगणना की प्रक्रिया को भी विपक्षी राजनैतिक दलों ने अपने स्तर पर भी कीचड़ भरा कर दिया है। ऐसा स्वकल्याण की सोचने वाला विपक्ष किस तरह लोक कल्याण के मुद्दों को बल देगा? बिना विचारों के दर्शन और शब्दों का जाल बुने यही कहना है कि लोकतंत्र के इस सुन्दर नाजुक वृक्ष को नैतिकता के पानी और अनुशासन की ऑक्सीजन चाहिए। जीत किसी भी दल को मिले, लेकिन लोकतंत्र को शुद्ध सांसें मिलनी ही चाहिए। कुल मिलाकर लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत से तो पार्टी के हौसले स्वाभाविक रूप से बढ़े। इसके अलावा मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस कमजोर होती दिखी, कमजोर ही क्या उसका तो लगभग सफाया ही होता जा रहा है। कांग्रेस के निष्प्रभावी केन्द्रीय नेतृत्व के कारण कांग्रेस के कई कद्दावर नेता अलग हो गए। उससे भी भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है। इस बार कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी कमजोर पार्टी बनकर उभरी है। उसकी कमजोरी न केवल राजनीतिक स्तर पर बल्कि मानसिक स्तर पर स्पष्ट दिख रही है। कांग्रेसी एवं विपक्षी नेताओं की हरकतों से यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वे अपनी संभावित हार का ठीकरा चुनाव आयोग, मीडिया आदि पर फोड़ने की पूरी तैयारी कर चुके हैं। यही कारण है कि उन्होंने एक्जिट पोल के नतीजों को न केवल अस्वीकार कर दिया, बल्कि उन्हें भाजपा प्रायोजित भी करार दिया। एक्जिट पोल को लेकर कांग्रेस इतनी दुविधाग्रस्त थी कि पहले उसने टीवी चैनलों पर होने वाली चर्चा का बहिष्कार करने का फैसला किया और फिर फजीहत होती देखकर उसमें शामिल होने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि वह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि लोगों ने राजग सरकार को फिर से चुनने के लिए रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया है। क्योंकि लोगों ने हमारी सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड देखा है। हमारी सरकार के कार्यकाल में गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों के जीवन में गुणात्मक सुधार आया है।

दृष्टि कोण

नई सरकार का एजेंडा क्या हो? देश की बेहतरी के लिए बने उचित नीतियां

हालांकि भारत ने कोविड-19 महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन भू-राजनीतिक कारणों से अब भी झटके लगने की आशंका एवं अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। एक मुक्त अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत इससे अछूता नहीं है। हालांकि मूडीज और एस एंड पी जैसी प्रतिष्ठित क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के अलावा, विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तक ने भारत की विकास दर की तारीफ की है। फिर भी चुनौतियां बाकी हैं। इसलिए नई सरकार का व्यापक एजेंडा घरेलू और बाहरी क्षेत्र (अंतरराष्ट्रीय) के लिए उचित नीतियों के माध्यम से भारत की क्षमता को बेहतर बनाने में मददगार होना चाहिए। घरेलू क्षेत्र की नीतियों के तहत सरकार का ध्यान निजी निवेश बढ़ाने और सार्वजनिक कर्ज घटाने पर केंद्रित होना चाहिए। बाहरी क्षेत्र की नीतियों को उन रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो व्यापार के खुलेपन पर प्रतिबंध लगाए बिना भारत के लिए वैश्विक झटकों के जोखिम को कम करे। अब हम कुछ ऐसे क्षेत्रों की चर्चा कर रहे हैं, जिन पर नई सरकार अपना ध्यान केंद्रित करना चाहेगी। भारत की राष्ट्रीय समृद्धि अलग-अलग राज्यों की समृद्धि से जुड़ी हुई है। आर्थिक समृद्धि के लिए केंद्र सरकार का काम नीति एवं विश्वास का एक सक्षम ढांचा तैयार करना है। आर्थिक सुधार के 25 वर्ष बाद यह स्पष्ट है कि केंद्र एवं राज्यों की आर्थिक नीति संबंधी कार्रवाइयां लोगों की आर्थिक नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। देश के आर्थिक

विकास और प्रगति के लिए आने वाली सरकार को विकास एवं समृद्धि का लाभ उठाने की खातिर केंद्र-राज्य संबंधों को और मजबूत बनाना होगा। वर्ष 1991 के आर्थिक सुधारों ने आर्थिक विकास में राज्यों की भूमिका को व्यापक तरीके से बढ़ाया। यह प्रक्रिया आज भी जारी है। उसके बाद आने वाली सभी सरकारों ने इस प्रक्रिया को और मजबूत ही बनाया है। केंद्र एवं राज्यों के बीच बेहद सामंजस्यपूर्ण रिश्ते देश के लोगों की आर्थिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण होंगे। हालांकि हाल के महीनों में विभिन्न मुद्दों पर हमने केंद्र और राज्यों के रिश्तों में तनाव देखा है। बेशक, इनमें से कुछ मुद्दे चुनावी मौसम होने के कारण हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय संसाधनों पर राज्यों के अधिकार, वित्तीय स्वायत्तता तथा केंद्र एवं राज्यों की विषम शक्तियां ऐसी चुनौतियां हैं, जिनका समाधान एक संघीय देश को हमेशा करने की आवश्यकता होती है। यह एक सतत प्रक्रिया है और इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है। यदि इनका समाधान न किया जाए, तो ये जरूर असामान्य हो सकते हैं। केंद्र एवं राज्यों के बीच चर्चा, बहस और बातचीत के लिए इस तरह से एक संस्थागत ढांचा तैयार किया जाना चाहिए कि वह केंद्र-राज्य संबंधों के सभी मुद्दों का भरोसे के आधार पर समाधान सुझाए। हमारे देश का तेजी से शहरीकरण हो रहा है। वर्ष 2030 तक शहरी आबादी के मामले में भारत सबसे ज्यादा शहरीकृत देशों में से एक होगा। चूंकि तेज शहरीकरण के साथ-साथ विस्थापन भी तेजी से बढ़ेगा, इसलिए तेज शहरीकरण के लिए जरूरी संसाधनों के वित्तपोषण की खातिर उचित तरीके के बारे में सोचने की जरूरत है। अर्थव्यवस्था और समाज में दूरगामी बदलावों के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रावधान महत्वपूर्ण है और इसे रणनीतिक जरूरत ही माना जाना चाहिए। शहरीकरण का लाभ उठाने और चुनौतियों से निपटने के लिए सार्वजनिक निवेश संबंधी समर्थन महत्वपूर्ण होगा। नई सरकार को नए शहरी विकास के एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। साझा बाजार के विकास, उच्च आर्थिक विकास और राजस्व के मामले में जीएसटी का व्यापक लाभ उठाने के लिए जीएसटी संरचना के ढांचे को और ज्यादा सरल बनाने की जरूरत है। दो-दर वाली जीएसटी संरचना तैयार करने के लिए जीएसटी ढांचे में और सुधार की खातिर परामर्श प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। असल में, जीएसटी ढांचे में परिवर्तन केवल जीएसटी परिषद में ही किया जा सकता है। इसलिए इस दिशा में कदम उठाना जीएसटी ढांचे को सरल बनाने के दीर्घकालीन समाधान के लिए फायदेमंद होगा। नया जीएसटी ढांचा इस तरह तैयार किया जाना चाहिए, जिसका आधार व्यापक हो, लेकिन कर की दर कम हो। यह आसान काम नहीं है। राजस्व और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर ऐसे बदलावों के निहितार्थ को समझने के लिए प्रमुख नीति विश्लेषण एवं आम सहमति बनाने की जरूरत होगी। चूंकि भारत व्यापक आर्थिक समृद्धि हासिल करने की ओर तेजी से अग्रसर है, इसलिए देश में बढ़ती आर्थिक असमानता से निपटने के लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत है। इसके लिए सरकारी खर्च को अधिक से अधिक पुनर्वितरित करने की आवश्यकता है। हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान विरासत में मिली संपत्ति पर कर लगाने के बारे में काफी चर्चा हुई, लेकिन विभिन्न देशों के अनुभवों से यह स्पष्ट है कि संपत्ति पर कर लगाकर प्रगति की गुंजाइश बहुत कम है। इस मामले में भारत का अपना अनुभव भी बहुत अच्छा नहीं है। इसलिए व्यापक आधार पर सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए सरकारी खर्च के पुनर्वितरण पर ध्यान केंद्रित करना ज्यादा मददगार साबित होगा। अंत में, नई सरकार का दीर्घकालीन एजेंडा प्रौद्योगिकी में निवेश, डिजिटल बुनियादी ढांचे का विस्तार व उसका विनियमन करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का शमन करने के लिए उचित नीतिगत ढांचा तैयार करने पर केंद्रित होना चाहिए, ताकि भारत को वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बनाए रखा जा सके।

कुछ अलग

कान्स ने खोले सफलता के द्वार अब लोगों की बन रहीं नैन्सी

फ्रांस में हुआ कान्स फिल्म फेस्टिवल इस बार इसलिए बेहद खास रहा कि इसमें उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के गांव बरनावा की तेईस साल की लड़की नैन्सी त्यागी ने सफलता के झंडे गाड़ दिए। इसे वहां ब्रूट एजेंसी की तरफ से भेजा गया था। बेहद गरीब परिवेश से आई इस लड़की को कपड़े सिलने का बेहद शौक है। यह तमाम सेलिब्रिटीज को देखकर कपड़े सिलती थी और उसके फोटो इंस्टाग्राम पर लगाती थी। शुरू में उसे बहुत ट्रोल भी किया गया, लेकिन उसने हिम्मत नहीं हारी। धीरे-धीरे इसकी फैन फॉलोइंग बढ़ी और आज इसके साढ़े आठ लाख फॉलोअर्स हैं। अब हो सकता है और भी बढ़ गए हों। नैन्सी ने कान्स में गुलाबी रंग का जो गाउन पहना, उसे उसने खुद सिला था। इसमें एक हजार मीटर कपड़ा और बनाने में एक महीना लगा। जिस कान्स में बड़ी-बड़ी सेलिब्रिटीज दुनिया के मशहूर डिजाइनर्स के बेहद महंगे कपड़े पहनती हैं, वहां नैन्सी ने खुद का सिला गाउन पहनकर सबको चकित कर दिया। मशहूर अभिनेत्री सोनम कपूर ने कहा कि वह उसके लिए भी कपड़े सिले। नैन्सी ने फ्रांस में भी पत्रकारों के सवालों के जवाब हिंदी में ही दिए और हिंदी भाषी होने पर गर्व प्रकट किया। उसने कहा कि कम से कम उसे हिंदी तो आती है। उसका कहना है कि अंग्रेजी न आने पर भी वह वहां जा सकी, जहां जाने के सपने बहुत से लोग देखते हैं। शुरू में उसके पिता ने उसका विरोध किया था, मगर कान्स की सफलता के बाद अब वह भी उसका हौसला बढ़ाने लगे हैं। बताते चलें कि नैन्सी के पिता टीवी मैकेनिक हैं और मां एक फैक्टरी में काम करती हैं। उसका कहना था कि मां की हाड़-तोड़ मेहनत उससे देखी नहीं जाती थी। नैन्सी को लगता था कि कहीं मां का स्वास्थ्य न खराब हो जाए। वह उनके लिए ही कुछ करना चाहती थी। नैन्सी बारहवीं के बाद दिल्ली आ गई थी। वह यूपीएससी करना चाहती थी, मगर पैसे की तंगी के साथ अंग्रेजी न आने की समस्या भी थी। हालांकि उसे बाद में यह भी पता चला कि यूपीएससी की परीक्षा हिंदी में भी दी जा सकती है। लेकिन एक बार में चयन हो जाए, यह जरूरी नहीं है। वैसे भी गांव वाले माता-पिता से कहते रहते थे कि क्या लड़की पर पैसे खर्च कर रहे हो, लड़के पर करो। मगर नैन्सी ने एक कैमरा खरीदा और सोशल मीडिया का रुख किया और सहारा लिया अपने शौक यानी कपड़ों को सिलने का। बचपन में वह गुड़ियों के लिए कपड़े बनाती थी, फिर अपने लिए बनाने लगी। नैन्सी की मदद करने के लिए उसकी मां ने अपने गहने तक बेच दिए। उसका कहना है कि उसकी मां ने हमेशा उसे बहुत सहारा दिया। इसलिए वह भी उनके लिए कुछ करना चाहती है। कुल मिलाकर देखा जाए, तो सिलाई मशीन उसका सबसे बड़ा सहारा बनी। भारत में अरसे से सिलाई मशीन की सहायता से न जाने कितनी महिलाओं ने अपना और अपने परिवार का पेट पाला है। पति के न रहने पर बहुत-सी महिलाएं कपड़े सिलकर अपना गुजारा करती रही हैं। ऐसी बहुत-सी महिलाओं को मैं निजी तौर पर जानती हूं। कई तो रिश्ते में भी हैं। एक जमाने में सिलाई मशीन कंपनियां महिलाओं को कपड़े सिलना सिखाने के लिए स्कूल भी चलाती थीं। नैन्सी के मामले में सिलाई मशीन ने उसकी गरीबी तो दूर की ही, उसके सपनों को भी पूरा किया। यह बात भी उसके अभूतपूर्व आत्मविश्वास को दर्शाती है कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में खुद के बनाए कपड़े पहने और खूब प्रशंसा हासिल की।

देश दुनिया से

नरेंद्र मोदी को बहुमत, तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी सरकर को सर्व-धर्म प्रभुता की ओर ध्यान वेंद्रित करना चाहिए। इतिहासकारों का विभिन्न प्रकार का विश्लेषण भी राजनीतिक पथ प्रदर्शक है। नरेंद्र मोदी को बहुमत, तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री मैंने पिछले दिनों अपनी रिसर्च टीम के साथ काफ़ी शोधकार्य किया कि लोक सभा - 2024, में कौन से राजनीतिक दल की विजय होगी। अनेक वरिष्ठ पत्रकारोंस्तंभकारों से भी डाटा एकत्रित किया। डॉ. कबीर सिद्दीकी, प्रधान संपादक; आलमी टीवी व मीडिया समूह, के साथ मिलकर, भारतीय संसद - 2024 के लिए एग्ज़िट पोल का विश्लेषण किया गया है। चुनावों के लिए क्या भविष्यवाणी है? मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूँ कि भाजपा को 18वीं लोकसभा में दो तिहाई बहुमत मिलेगा और नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री होंगें।

भारतीय प्रजातंत्र में चुनाव, जनता के लिए उत्सव है। जवाहर लाल नेहरू, 17 वर्षो तक भारत के प्रधान मंत्री रहे। 1947 में स्वतंत्रता उपरांत नेहरू ही प्रधान मंत्री बने। अब मोदी युग में, भाजपा की विजय लगातार हो रही है और आज़ादी का अमृत काल लागू है। नरेंद्र मोदी सरकर को सर्व-धर्म प्रभुता की ओर ध्यान वेंद्रित करना चाहिए। इतिहासकारों का विभिन्न प्रकार का विश्लेषण भी राजनीतिक पथ प्रदर्शक है। नरेंद्र मोदी को बहुमत, तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री मैंने पिछले दिनों अपनी रिसर्च टीम के साथ काफ़ी शोधकार्य किया कि लोक सभा - 2024, में कौन से राजनीतिक दल की विजय होगी। अनेक वरिष्ठ पत्रकारोंस्तंभकारों से भी डाटा एकत्रित किया। डॉ. कबीर सिद्दीकी, प्रधान संपादक; आलमी टीवी व मीडिया समूह, के साथ मिलकर, भारतीय संसद - 2024 के लिए एग्ज़िट पोल का विश्लेषण किया गया है। चुनावों के लिए क्या भविष्यवाणी है? मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूँ कि भाजपा को 18वीं लोकसभा में दो तिहाई बहुमत मिलेगा और नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री होंगें। यह भारत के राजनीतिक इतिहास में एक विशेष क्षण होगा। मैंने दूरदर्शन पर चुनाव विश्लेषण कार्य्व्राम शुरू किये थे। दूरदर्शन समाचार की पथप्रदर्शक के रूप में, मेरे अनुसार वुछ ऐसे कारक हैं जो भाजपा-एनडीए को बढ़त दिलाते हैं। मुख्य कारक यह है कि कोईं भी ठोस विपक्षी दल नहीं है। लोग समझ सकते हैं कि इस विपक्षी गठबंधन के पास कोईं मुद्दा या एजेंडा भी नहीं है। यह ताश के पत्तों की तरह ढह जाएगा। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनावों के पूर्वानुमानों पर राजनीतिक विश्लेषण अलग-अलग हैं, लेकिन देश के 18वें आम चुनाव में 543 में से 343 सीटें से अधिक भाजपा को मिलेंगी। भारतीय जनता पाटा (भाजपा) का नेतृत्व मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। जनता आईं.एन.डी.आईं.ए. गठबंधन विपक्षी दलों की तुलना में, बीजेपी-एनडीए पर अधिक भरोसा करेंगें, क्योंकि वे आम आदमी के लिए एक व्यवहार्य वैकल्पिक नेता, नीतियाँ व एजेंडा प्रदान करने में विफल रहे हैं। 01 जून को शाम 6 बजे से अंतिम चरण के मतदान के बाद एग्ज़िट पोल जारी किए गए। हम तथ्यात्मक रूप से यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि भाजपा- एनडीए को बढ़ोतरी मिलेगी। मैंने स्पष्ट रूप से देखा है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार बनाएगा। यह मेरी रिसर्च का विषय था, व मैं अपनी टीमों द्वारा किए गए ज़मीनी सव्रेक्षण व साक्षात्कारों के आधार पर यह बात दृढ़ता से कह सकती हूं। मैं ऐसा इसलिए भी कह रही हूँ, क्योंकि वेंद्र में मौजूदा भाजपा सरकार को 2024 के लोकसभा चुनावों में न तो कोईं खास असंतोष का सामना करना पड़ रहा है और न ही विकल्प की कोईं मज़बूत मांग है। प्रसिद्ध चुनाव विश्लेषक प्रशांत किशोर ने भी इसी तरह का आंकलन किया है। दरअसल राजनीतिक दलों द्वारा किए गए हमले व्यक्ति वेंद्रित रहे। आम आदमी से जुड़े वास्तविक मुद्दे विपक्ष के वादों से गायब थे। मुझे पूरा विश्वास है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सत्ता में वापस आ रही है। उन्हें 2019 के चुनावों के लगभग बराबर या उससे थोड़े अधिक नंबर मिलेंगें। नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में अपना तीसरा कार्यकाल सुनिाित करेंगें। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिह ने यह आरोप लगाया है कि श्री नरेंद्र मोदी ने नफ़रत भरे शब्दों से प्रधानमंत्री कार्यालय की गरिमा को ठेस पहुंचाईं है। डॉ. मनमोहन सिह का, केवल नरेंद्र मोदी के लिए, ऐसा कहना एक व्यक्तिपरक ब्यान है। दरअसल, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, ममता बनजा, केजरीवाल, तपस्वी और लालू यादव द्वारा, कांग्रेस के लिए किया गया अभियान भी उतना ही नफ़रत भरा था। नरेंद्र मोदी पर विपक्षी परटियों के समूह ने जमकर हमला किया था। सच तो यह है कि सार्वजनिक चर्चा काफ़ी हद तक ख़राब हो गईं है, इसलिए यह किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं कहा जा सकता। हालांकि भाजपा के भीतर वुछ असंतोष है, लेकिन इसके ख़िलाफ कोईं व्यापक गुस्सा नहीं है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा के प्रमुख नेता, नरेंद्र मोदी को किसी भी तरफ से कोईं चुनौती नहीं मिली। क्या भाजपा का अबकी बार 400 पार का नारा सच होगा? भाजपा एक चतुर पाटा है! उन्होंने मतदाताओं में उत्साह पैदा करने के लिए 400ऋका नारा दिया। उन्हें पता है कि उन्हें इससे कम सीटें मिलेंगीं, लेकिन वे सरकार बनाएंगें, इसलिए यह कोईं खास बात नहीं है। राजनीति में धारणा और प्रक्षेपण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे विपक्षी गठबंधन को 200 से 210 सीटें मिलेंगीं, जो संसद में भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करेंगीं। इसलिए, हमें देखना होगा कि भाजपा को 272ऋ बहुमत का आंकड़ा मिलता है या नहीं। राजनीति और चर्चा जारी रहेगी। भाजपा के पास वर्तमान में पूर्व और दक्षिण में 240 में से 50 से भी कम सीटें हैं, जिसमें बिहार, पामि बंगाल, असम, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्य शामिल हैं। पाटा की ताकत उत्तर और पामि से आती है, जहां इसने 300 में से 260-270 सीटें हासिल की हैं। इसके अलावा दक्षिण और पूर्व में भाजपा का वोट शेयर और सीटें बढ़ रही हैं। टिप्पणी करने वाले लोग ऐसा करते रहेंगें। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि बीजेपी-एनडीए सत्ता में वापस आ रही है। नईं सरकार को किन क्षेत्रों पर ध्यान वेंद्रित करना चाहिए? नरेंद्र मोदी सरकार 03 में किसानों से बातचीत करनी होगी। हरियाणा और दिल्ली ने बार-बार किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोका। लगातार होने वाले वृषि आंदोलन, रोज़गार, एफडीआईं, अस्पताल, मज़बूत विदेश नीति, आर्थिक पुनरुत्थान व वैश्वीकरण, राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और महिलाओं की सुरक्षा, वुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। फ़िर कौन से प्रमुख मुद्दे हैं जो नरेंद्र मोदी की शानदार वापसी सुनिाित करेंगें? क्या हिदुत्व एक महत्वपूर्ण कारक है? यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन, जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए को खत्म करना और भाजपा- एनडीए सरकार द्वारा 'समान नागरिक संहिता' को लागू करना मतदाताओं की मानसिकता पर बहुत प्रभाव डालता है। इसके अलावा, ये भाजपा के एजेंडे में शुरू से ही प्रमुख मुद्दे थे। वास्तव में नरेंद्र मोदी ने ही इसे साकार किया। इसके अलावा उनके पास एक शत्तिशाली वत्तृत्व कौशल और भविष्य के लिए दृष्टि भी है। लोग उनसे जुड़ते हैं। बेशक हिदुत्व बहुत ज़्यादा वोट खींचने वाला है। अब इसमें कोईं संदेह नहीं है कि नरेंद्र मोदी अपनी राजनीतिक उपलब्धियों को मज़बूत करने की योजना बना रहे होंगें और भारत के वैश्विक एकीकरण के भविष्य पर ध्यान वेंद्रित करेंगें।

आप का नजरिया

साइबर दुनिया और चीनी साजिशें

कुछ स्वयंभू 'विशेषज्ञ' बता रहे हैं कि चीन महाशक्ति देश के रूप में अमेरिका की जगह लेना चाह रहा है, इसलिए उसके पास भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचने का समय नहीं है। यह सरासर बकवास है। चीन यह बात अच्छी तरह से समझता है कि भारत को कमजोर किए बिना दुनिया पर वर्चस्व कायम करने की उसकी मंशा कभी पूरी नहीं हो सकती है। इसलिए सैन्य से लेकर आर्थिक और मानचित्रण तक-वह भारत के खिलाफ हर तरह की आक्रामकता आजमाने का प्रयास करता है। उसके योजनाकार भारत के खिलाफ साजिश रचने पर काफी समय खर्च करते हैं। चीन की 'तीन युद्ध' रणनीति का काफी विश्लेषण किया गया है, जो झाउ वंश के रणनीतिकार सन त्जु की पुस्तक द आर्ट ऑफ वार से प्रेरित थी, खासकर बिना लड़े जीतने की उसकी अवधारणा, क्योंकि वह चीनियों की सीमित शारीरिक क्षमता से वाकिफ थे। चीन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर करना, सीमाओं को बदलना और वैश्विक (खासकर सोशल) मीडिया को नष्ट करना चाहता है। उसके पास सूचनाओं में हेरफेर करने वाली एक सेना है, और वह जहां तक संभव हो सके, अपने विरोधियों को भ्रमित करने के लिए उसका उपयोग करने की कोशिश करता है। आजकल एल्गोरिद्म एवं बॉट्स के साथ सोशल मीडिया में हेरफेर करना अपेक्षाकृत आसान हो गया है, जो इंटरनेट पर स्वचालित ढंग से असीमित 'व्यूज' और 'लाइक्स' पैदा कर सकते हैं, जिन्हें मानव गतिविधियों की तरह तैयार किया गया है। मौजूदा लोकसभा चुनाव के दौरान भी ऐसा देखने को मिला है। वर्तमान सरकार के कुछ विदेश-समर्थित सोशल मीडिया आलोचक हैं, जिनके 'आधिकारिक' रूप से लाखों फॉलोअर्स हैं। चीन ने सोशल मीडिया के जरिये ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका में चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की है। लेकिन वह पकड़ा गया और उसने आहत होने का नाटक किया। मेटा जैसी दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी के सतर्क होने और दुर्भावनापूर्ण खातों को निष्क्रिय करने के बाद चीन (और उसका अनुयायी पाकिस्तान) सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वाले प्रमुख देश के रूप में उभरा है। यानी सोशल मीडिया को चीन ने पूरी तरह से एंटी-सोशल (असामाजिक) बना दिया। वर्ष 2020 में गलवान की घटना (जो चीन की भयंकर भूल थी) के बाद उसकी चर्चित सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलएल) कागजी शेर साबित हुई। इसलिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अब गैर-पारंपरिक युद्ध करने की कोशिश कर रही है। उसके निशाने पर विशेष रूप से विदेश में बसा सिख समुदाय का एक छोटा-सा वर्ग है, जो भारत को अस्थिर करने के बारे में सोच रहा है। अपने पुराने पिछलग्गू पाकिस्तान के उकसावे में आकर चीन ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद यही घिसी-पिटी रणनीति अपनाई। लेकिन कश्मीर में जब उसकी दाल नहीं गली और कश्मीर के लोगों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में जुड़ने के आर्थिक और राजनीतिक लाभ दिखने लगे, तो चीन ने अपना ध्यान विदेश में बसे कट्टरपंथी सिखों की तरफ लगाया।

बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के लिए इस खिलाड़ी को अपना जोड़ीदार चुना, एआईटीए दे सकता है मंजूरी

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले एन श्रीराम बालाजी को पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना है और अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के इस अनुभवी खिलाड़ी की पसंद पर आपत्ति जताने की संभावना नहीं है। बोपन्ना ने एआईटीए को ईमेल लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। इस ईमेल को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) को भी भेजा गया है। एआईटीए ने भी इसकी पुष्टि की है। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार एमए रेयेस-वारेला मार्टिनेज को फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को कड़ी चुनौती देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। बालाजी ने अच्छी सर्विस करने के अलावा बेसलाइन और नेट पर अपने खेल से प्रभावित किया जिसके बाद बोपन्ना ने फैसला किया कि वह अगले महीने ओलंपिक पदक जीतने के अपने अंतिम अभियान के दौरान जब रोलां गैरो पर लौटेंगे तो कोयंबटूर का यह खिलाड़ी उनका जोड़ीदार होगा। बोपन्ना रियो खेलों के दौरान ओलंपिक पदक जीतने के करीब पहुंचे थे, लेकिन उनकी और सानिया मिर्जा की जोड़ी को मिश्रित युगल के कांस्य पदक के मुकाबले में राडेक स्टेपनेक और लूसी हरादेका की चेक गणराज्य की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था। विश्व रैंकिंग में 52वें नंबर के साथ भारत के दूसरे नंबर के युगल खिलाड़ी युकी भांबरी भी दावेदारी में थे। युकी फ्रांसीसी जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी के साथ फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर हो गए थे लेकिन इस सत्र में क्ले कोर्ट पर उन्हें सफलता मिली है। उन्होंने म्यूनिख में एटीपी 250 टूर्नामेंट जीता और इसी जोड़ीदार के साथ ल्योन में एक अन्य एटीपी 250 प्रतियोगिता में उपविजेता रहे। संपर्क किए जाने पर एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने कहा कि उन्हें पेरिस ओलंपिक में 84वें नंबर के बालाजी के साथ बोपन्ना के खेलने पर कोई आपत्ति नहीं है। आईटीएफ को 12 जून तक सभी संघों को उनके पात्र खिलाड़ियों के बारे में सूचित करना होगा। सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों को 19 जून तक आईटीएफ को अपनी प्रविष्टियों की पुष्टि करनी होगी। आईटीएफ आठ जुलाई को इस्तेमाल नहीं किए गए ।

न्यूज ब्रीफ

कार्लसन ने रोका प्रज्ञानंद का विजय अभियान, आठवें दौर में मिली हार वैशाली ने की वापसी

नई दिल्ली । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराया था, लेकिन वह अपनी यह लय अगले दौर में कायम नहीं रख सके और उन्हें कड़े मुकाबले में शीर्ष वरीय मैग्नस कार्लसन के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नाकामूरा पर एक अंक की बढ़त बना ली है जिन्हें फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। कार्लसन ने आर्मागेडोन बाजी में प्रज्ञानंद को हराया पुरुष वर्ग में तीनों क्लासिकल बाजी ड्रॉ रही जिसके बाद आर्मागेडोन (सडन डेथ) बाजी खेली गई। कार्लसन ने आर्मागेडोन बाजी में प्रज्ञानंद को हराया। आर्मागेडोन बाजी में सफेद मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को 10, जबकि काले मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को सात अंक मिलते हैं। सफेद मोहरों से खेलने वाले खिलाड़ी को हालांकि बाजी जीतनी होती है। क्लासिकल बाजी जीतने पर खिलाड़ी को तीन अंक, जबकि आर्मागेडोन बाजी जीतने पर डेढ़ अंक मिलते हैं और हारने पर एक अंक मिलता है। लिरेन का निराशाजनक प्रदर्शन जारी इस बीच विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन का खराब प्रदर्शन जारी रहा और उन्हें अमेरिका के फाबियानो करूआना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। छह खिलाड़ियों के इस डबल राउंड रोबिन टूर्नामेंट में अब जब सिर्फ दो दौर का खेल बाकी है तब कार्लसन 14.5 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। नाकामूरा के 13.5 अंक हैं। प्रज्ञानंद 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा उनसे एक अंक पीछे चौथे स्थान पर हैं। करूआना नौ अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं जबकि लिरेन सिर्फ 4.5 अंक के साथ अंतिम पायदान पर हैं। वैशाली ने मुजिचुक को हराया प्रज्ञानंद के अलावा उनकी बड़ी बहन वैशाली ने महिलाओं के वर्ग में सातवें दौर के बाद शीर्ष पर चल रही यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया। वैशाली ने प्रतियोगिता में दूसरी बार मुजिचुक को हराया। क्लासिकल बाजी ड्रॉ रहने के बाद वैशाली ने आर्मागेडोन बाजी में जीत दर्ज की। महिला वर्ग के अन्य मैचों में चीन की विश्व चैंपियन वेनजुन जू ने स्वीडन की पिया क्रेमलिंग के खिलाफ जीत से 14.5 अंक के साथ बढ़त बना ली है। उन्हें वैशाली के खिलाफ मुजिचुक की हार से भी फायदा मिला। यूक्रेन की मुजिचुक 13 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। उनसे 1.5 अंक पीछे वैशाली 11.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से तीसरे पायदान पर हैं। भारत की कोनेरू हंपी की वापसी की उम्मीदों को भी झटका लगा और वह टिंगजी से हार गई। टूर्नामेंट का बेहतर अंत करने के लिए हंपी को अब अंतिम दोनों बाजियां जीतनी होंगी। हंपी को हराने वाली चीन की टिंगजी लेई भी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। हंपी आठ अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जबकि क्रेमलिंग (4.5 अंक) अंतिम पायदान पर हैं।

भारतीय टीम टी20 महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगी : हरमनप्रीत

ढाका । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है भारतीय टीम इस

साल अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगी। साथ ही कहा कि भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी अंतिम चार में पहुंचेंगी। महिला टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में खेला जाएगा। हरमनप्रीत के अनुसार हाल के समय में उनकी टीम ने बांग्लादेश का दौर किया है और उस अनुभव का लाभ भी टीम को विश्वकप में मिलेगा। इसमें भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में शामिल किया गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड की टीमें हैं। हरमनप्रीतम के अनुसार भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि इन सभी टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। हरमनप्रीत ने कहा, 'क्योंकि ये सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं इसलिए उम्मीद है कि ये चारों ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं। भारत ने हाल ही में सिलहट में टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में बांग्लादेश को 5-0 से हराया था। हरमनप्रीत ने एक समारोह के दौरान कहा, ''मुझे लगता है कि वह ऑस्ट्रेलिया होगा जिसका मुकाबला करने के लिए हमारी टीम उत्साहित है क्योंकि वे बहुत प्रतिस्पर्धी हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 2020 में महिला टी20 विश्व कप फाइनल के साथ-साथ 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में भी भारत को हराया था। ऑस्ट्रेलिया ने 2023 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भी भारत को हराया था।

आयरलैंड को हराते हुए टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की धमाकेदार शुरुआत

पहले गेंदबाजों का धमाल फिर रोहित शर्मा की विस्फोटक फिफ्टी

न्यूयॉर्क, 05 जून (एजेंसियां)। भारत ने आयरलैंड को हराते हुए अपने टी-20 वर्ल्ड कप अभियान का शानदार आगाज किया है। पहले तेज गेंदबाजों की चौकड़ी ने उछाल लेती पिच पर आयरलैंड को बुधवार रात सिर्फ 96 रन पर समेट दिया। बाद में कप्तान रोहित शर्मा की रिकॉर्ड फिफ्टी के बूते इस मामूली लक्ष्य को दो विकेट खोकर 46 गेंद पहले हासिल कर लिया। कप्तान रोहित शर्मा 52 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। तीसरे नंबर पर उतरे ऋषभ पंत ने 36 रन की नाबाद पारी खेली। अब भारत का अगला मैच चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 9 जून को न्यूयॉर्क के इसी नसाउ काउंटी इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा।

कप्तान रोहित शर्मा ने 37 गेंद में 52 रन बनाए। चार चौके और तीन छक्के की पारी में उन्होंने कई कीर्तिमान अपने नाम किए। इस फिफ्टी के दौरान उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल में चार हजार तो टी-20 वर्ल्ड कप में हजार रन का आंकड़ा पूरा किया। ड्रॉप इन पिच खतरनाक थी। गेंद अजीबोगरीब तरीके से उछाल ले रही थी। ऐसे में एक गेंद उनके कंधे में जा लगी, जिसके बाद रोहित ने बिना कोई रिस्क लेते हुए मैदान से बाहर जाना ही जरूरी समझा।

वर्ल्ड कप के ओपनिंग मैच में भारत ने मास्टर स्ट्रोक लगाते हुए रोहित शर्मा और विराट कोहली को ओपनिंग करने भेजा था, लेकिन यशस्वी जायसवाल को बाहर बिठाने का दांव उल्टा पड़ गया। विराट कोहली सिर्फ पांच गेंद में एक रन बनाकर चलते बने। इसके बाद तीसरे नंबर पर ऋषभ पंत आए और कप्तान रोहित शर्मा के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। रोहित ने इस दौरान अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन इसके फौरन बाद कंधे पर गेंद लगते ही वह रिटायर्ट हर्ट हो गए।

अगले बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव थे, जो चार गेंद में दो रन बनाकर आउट हो गए।

इससे पहले अर्शदीप सिंह ने चार ओवर में 35 रन देकर दो विकेट लिए जबकि हार्दिक पंड्या ने 27 रन देकर तीन विकेट चटकाए। जसप्रीत बुमराह ने तीन ओवर में छह रन देकर दो विकेट लिए और मोहम्मद सिराज ने तीन ओवर में 13 रन देकर एक विकेट लिया। भारत के चौतरफा तेज आक्रमण को मिल रही स्विंग, सीम और अतिरिक्त उछाल के सामने आयरलैंड के बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सके। भारत के लिए 16 में से 14 ओवर तेज गेंदबाजों ने फेंके। आयरलैंड के लिए जेरेथ डेलानी (14 गेंद में 20 रन) के अलावा कोई बल्लेबाज 20 रन के पार नहीं जा सका। डेलानी की पारी की बदौलत आयरलैंड टीम 100 रन के आसपास पहुंची।

खिलाड़ियों को फिर रास आई सियासी पिच, कीर्ति आजाद-यूसुफ जीते

फुटबालर प्रसून बनर्जी भी चमके

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। सियासत की असमतल उछाल भरी पिच पर इस बार भी खिलाड़ियों के चौके-छक्के जमकर बरसे। खासतौर पर 2024 के आमचुनाव की सियासी पिच क्रिकेटरों को खूब रास आई है। अपने गगनचुंबी छक्कों और आतिशी पारियों के लिए मशहूर रहे क्रिकेटर कीर्ति आजाद और यूसुफ पठान को लोकसभा चुनाव में जीत मिली है। देश का पहला 1983 का विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य कीर्ति आजाद जहां इस बार बर्धमान-दुर्गापुर सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर संसद में एकबार फिर नुमाइंदगी पेश करेंगे। वहीं, 2007 का टी-20 विश्व कप और 2011 का वनडे विश्वकप जीतने वाली टीम इंडिया के सदस्य यूसुफ पहले ही प्रयास में बहरामपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर जीते हैं। उन्होंने दिग्गज कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी को हराया।

दिग्गज टिर्की, झाझरिया हारे

क्रिकेटरों को तो जीत मिली, लेकिन अन्य खेलों के दिग्गजों को सियासी मैदान रास नहीं आया। देश के लिए सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले हॉकी इंडिया के अध्यक्ष, दिग्गज डिफेंडर और पूर्व कप्तान दिलीप टिर्की को बीजद से सुंदरगढ़ में फिर हार का सामना करना पड़ा। वहीं दो बार पैरालंपिक का स्वर्ण जीतने वाले पद्मभूषण, खेल रत्न अवॉर्डी और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया को चुरू से हार मिली। हालांकि दिग्गज फुटबालर, अर्जुन अवॉर्डी और महान पीके बनर्जी के भाई प्रसून बनर्जी हावड़ा से एक बार फिर जीत गए। क्रिकेटर अनुराग और शूटर नवीन जीते बुसान एशियाई खेलों में भाग लेने वाले और सैफ गेम्स के रजत पदक विजेता स्कीट शूटर नवीन जिंदल भाजपा टिकट पर कुरुक्षेत्र से जीतने में सफल रहे। कारोबारी के रूप में ज्यादा मशहूर जिंदल के नाम स्कीट शूटिंग में राष्ट्रीय कीर्तिमान रहा है। वह पोलो के भी राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। हिमाचल प्रदेश के लिए एक रणजी मैच खेलने वाले बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर भी हमीरपुर से जीतने में सफल रहे। पूर्व अंतरराष्ट्रीय ट्रैप शूटर राणा गुरमीत सोढी भाजपा टिकट पर फिरोजपुर से हारे। नामी खेल प्रशासक हारे खेल प्रशासक राजनीतिज्ञों को इस बार आमचुनाव में निराश होना पड़ा। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा को खूंटी (झारखंड) से हार मिली।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अयोध्या ने ...

परिक्रमा मार्ग पर 25 से ज्यादा पर्यटन स्थलों और कुंडों का विकास, डेकोरेटिव पोल और हेरिटेज लाइटों की स्थापना का कार्य, कौशल्या सदन का निर्माण, मुक्ति वैकुंठ धाम के विकास का कार्य किया गया।

इतना ही नहीं, अयोध्या के 7 वार्डों में 24 घंटे जलापूर्ति, सूर्यकुंड के पास आरओबी, मार्च में अयोध्या अकबरपुर मार्ग पर फतेहगंज आरओबी, अयोध्या बिल्हौरघाट 4 लेन सड़क, गुप्तार घाट का सौंदर्यीकरण, नया घाट से लक्ष्मण घाट तक पर्यटन सुविधाओं का विकास, अयोध्या सोलर सिटी का कार्य पूरा किया गया। अप्रैल में अवध बस स्टैंड के पास आश्रय गृह का निर्माण, नाका बाईपास के पास कल्याण भवन का निर्माण, चार ऐतिहासिक प्रवेश द्वारों का निर्माण पूरा किया गया, तो अयोध्या सीवरेज योजना का पार्ट वन पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही 473 करोड़ से पंचकोसी परिक्रमा मार्ग चौड़ीकरण कार्य को पूरा कर लिया जाएगा और 1140 करोड़ से चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग का विस्तारीकरण पूरा किया गया।

इसके साथ ही एनएच 27 में लखनऊ अयोध्या खंड का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का कार्य, ग्रीन फील्ड टाउनशिप परियोजना, वशिष्ठ कुंज आवासीय परियोजना, नगर निगम और विकास प्राधिकरण कार्यालय भवन, सीपेट केंद्र, गुप्तार घाट और राजघाट के बीच नए पक्के घाटों का निर्माण का निर्माण किया गया। इसके अलावा, पुराने घाटों का जीर्णोद्धार, राम की पैड़ी पर दर्शक दीर्घा, राम की पैड़ी से राजघाट तक और राजघाट से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक श्रद्धालु भ्रमण पथ का सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य भी योगी सरकार ने किया। आज अयोध्या पूरी दुनिया में सबसे तेजी से विकसित हो रहे शहर के तौर पर उभर कर सामने आई है।

खास बात यह है कि अयोध्या में पिछले कुछ साल में विकास के जितने काम हुए, उतने शायद ही पूरे देश में किसी टियर-3 शहर में हुए होंगे, इसके बावजूद अयोध्या का आम जनमानस पता नहीं किस मानस का निकला कि विकास से लेकर धार्मिक कार्यों तक, जिस भाजपा ने अयोध्या को आगे बढ़ाने के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया, उसे लोकसभा चुनाव में मुंह के बल गिरा दिया। वाह अयोध्या, आह अयोध्या...

नरेंद्र मोदी ने ...

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि हम जनादेश का सम्मान करते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी इंडी गठबंधन के संस्थापकों में शामिल रहे हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे थे कि वह विपक्षी गठबंधन में फिर से शामिल हो सकते हैं। त्यागी ने अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि जनता का फैसला सर्वोपरि है। जदयू ने एनडीए में रहकर भाजपा के साथ चुनाव लड़ा है और केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनेगी।

लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने भी कहा कि वे किसी भी सूरत में एनडीए का साथ नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा, मैं देश के अगले प्रधानमंत्री बनने जा रहे नरेंद्र मोदी को बधाई देना चाहता हूं। उनके नेतृत्व में एनडीए तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने जा रही है। एनडीए का तीसरा कार्यकाल देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, जिसका वादा उन्होंने देश से किया है। यह सरकार विकास से जुड़े सभी वादों को पूरा करेगी। हमारी पार्टी और हमारे सांसद एनडीए सरकार का समर्थन करेंगे।

दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर विपक्षी गठबंधन की बैठक हुई। विपक्षी गठबंधन की बैठक में सत्ता के लिए संभावनाएं तलाशने और जोड़तोड़ के फार्मूलों पर विस्तार से चर्चा की गई। विपक्ष टीडीपी और जेडीयू को साधने की कोशिश कर रहा है। टीडीपी और जेडीयू के शीर्ष नेताओं से विपक्षी गठबंधन की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बात नहीं हुई है। लेकिन अंदरखाने में चर्चा है कि दोनों पार्टियों के नेताओं के साथ विपक्षी गठबंधन के कुछ वरिष्ठ नेता सम्पर्क में हैं। हालांकि, जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने साफ-साफ कह दिया है कि जेडीयू के इंडी गठबंधन में जाने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

240 सीटों के...

यहां समाजवादी पार्टी को 37 सीटें मिली हैं। यूपी में कांग्रेस को 6 और राष्ट्रीय लोकदल को 2 सीटें, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) को 1 और अपना दल को 1 सीट मिली। इसके अलावा महाराष्ट्र में भी एनडीए को निराशा हाथ लगी है। यहां असली बनाम नकली पार्टी के मामले में शरद पवार और उद्धव ठाकरे की पार्टियों को लोगों ने अधिक जनमत दिया है।

लोकसभा में ...

इसी तरह हैदराबाद में असदुद्दीन ओवैसी ने भी 6 लाख से ज्यादा वोट पाकर अपनी सांसदी बनाए रखी। मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी ने भी गाजीपुर सीट जीती है।

कांग्रेस, टीएमसी, एसपी, राष्ट्रीय जनता दल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने मिलकर इस बार 78 मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। जबकि 2019 में 115 कैंडिडेट मैदान में थे और इनमें से 26 निर्वाचित होकर लोकसभा पहुंचे थे। इसके अलावा यदि उस साल की बात करें जब सबसे ज्यादा मुस्लिम प्रतिनिधियों ने लोकसभा में जगह बनाई थी तो वो साल 1980 का था। 1980 में मुस्लिम प्रतिनिधियों की संख्या 49 थी।

उल्लेखनीय है कि 2024 में हुए लोकसभा चुनाव के मतदान में एनडीए के हिस्से 293 सीट आई है जबकि इंडी गठबंधन को 235 सीट मिली है। इनमें भाजपा ने अकेले 240 सीट हासिल की है। उनके साथ गठबंधन में प्रमुख दल टीडीपी और जदयू हैं। पिछले चुनाव में भाजपा को अकेले 303 सीट मिली थी और एनडीए गठबंधन को 350 से ज्यादा। मगर इस बार पूरे विपक्ष ने एक साथ होकर नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ चुनाव लड़ा। उनका मकसद देश के विकास से ज्यादा भाजपा को सत्ता से बाहर करने का था। बावजूद इसके भाजपा सबसे ज्यादा वोट पाने वाली पार्टी बनी।

केजरीवाल की...

दूसरी तरफ राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम केजरीवाल की सात दिन की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। केजरीवाल ने मेडिकल कारणों का हवाला देते हुए 7 दिन की जमानत मांगी थी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं आम आदमी पार्टी (आपा) के खिलाफ आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में दाखिल पूरक आरोप पत्र पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर अदालत ने अपना फैसला टाल दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा अब इस मुद्दे पर 9 जुलाई को फैसला लेंगी। न्यायाधीश ने इस मुद्दे पर सभी पक्षों को सुनने के बाद 28 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप पत्र में कहा है कि राजधानी में शराब के व्यापार में निवेश करने की एवज में पंजाब के व्यापारियों से भी रिश्वत ली गई थी। उसने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी (आपा) शासित पंजाब के उन व्यापारियों को पड़ोसी राज्य में शराब कारोबार में निवेश नहीं करने दिया गया, जिन्होंने रिश्वत नहीं दी थी। पहली बार धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत किसी राजनीतिक पार्टी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अब न ईवीएम..

2014 के बाद कई राज्यों में कांग्रेस को जीत मिली। मध्य प्रदेश, पंजाब, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में कांग्रेस ने राज किया। क्या इन राज्यों में जब कांग्रेस जीती तब ईवीएम हैक नहीं था? जैसे ही लोकसभा चुनाव आते हैं, इनका ईवीएम हैक का रोना शुरू हो जाता है। भाजपा पूर्ण बहुमत से 33 सीटें पीछे रह गई, लेकिन भाजपा का कोई नेता या कार्यकर्ता ईवीएम को दोष देता हुआ नहीं देखा गया। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों में तो विपक्ष का ही शासन है, वहां भाजपा को उतनी सीटें भी नहीं मिलीं, फिर भी कोई ईवीएम को दोष नहीं दे रहा।

आखिर क्या कारण है कि 3 जून 2024 तक भारत में तानाशाही थी और ईवीएम हैक हो सकता था, लेकिन इसके अगले ही दिन यही आरोप लगाने वाले लोग इसी ईवीएम से निकले परिणाम का जश्न मना रहे हैं? अचानक लोकतंत्र वापस आ गया। चुनाव आयोग ठीक से काम कर रहा है और ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं है। कल तक यही लोग हिंसा की धमकी दे रहे थे। बलिया से सपा उम्मीदवार सनातन पांडेय कह रहे थे कि डीएम की लाश बाहर आएगी, तो पूर्णिया से निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव अपने कार्यकर्ताओं को कफन बांध कर आने की सलाह दे रहे थे।

अब मुसलमानों ...

चुनाव में हुए नुकसान पर उन्होंने कहा कि हम इसका गहन विश्लेषण करेंगे और देश के करोड़ों, गरीबों, दलितों, शोषितों, आदिवासियों, पिछड़ों और धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए काम करते रहेंगे जिससे उनकी सुरक्षा व सम्मान पर मंडराता खतरा दूर हो।

इस बार के लोकसभा चुनाव में बसपा ने अकेले ही चुनाव लड़ने का फैसला किया था। घोषित हुए परिणामों में प्रदेश की 80 सीटों में से एक भी सीट पर बसपा को जीत नहीं मिली। वहीं, भाजपा ने 33, सपा ने 37, कांग्रेस ने 6, रालोद ने 2, आजाद समाज पार्टी ने 1 और अपना दल (एस) ने एक सीट पर जीत दर्ज की है। इसके पहले लोकसभा चुनाव 2014 में भी बसपा को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा प्रदेश की 10 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब रही थी। हालांकि, तब सपा, बसपा व रालोद का गठबंधन था।

मायावती ने ढाई महीने लंबे चुनाव कार्यक्रम पर कहा कि हमारी पार्टी का शुरू से ही ये मानना रहा है कि चुनाव बहुत लंबा नहीं होना चाहिए। इसे तीन से चार चरणों में ही पूरा हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव जोरदार गर्मी की तपिश से प्रभावित रहा जिससे लोगों के उत्साह पर भी फर्क पड़ा। ऐसे में यह उम्मीद की जाती है कि लोकतंत्र व आमजन के व्यापक हित के मद्देनजर, आगे चुनाव कराते समय चुनाव आयोग द्वारा लोगों की इन खास परेशानियों को जरूर ध्यान में रखा जाएगा।

दक्षिण भारत के...

इससे यह स्पष्ट होता है कि तमिलनाडु की जनता डीएमके एआईएडीएमके के अलावा अन्य विकल्प भी तलाश रही है।

केरल: दक्षिण भारत में केरल अभी तक ऐसा राज्य रहा है जहां भाजपा को कभी भी सफलता नहीं मिली थी। 2024 लोकसभा चुनाव में केरल में भाजपा का सीट का सूखा समाप्त हो गया। भाजपा ने यहां त्रिशुर सीट जीत ली है। भाजपा उम्मीदवार सुरेश गोपी यहां सफलता हासिल करके विजयी हो गए हैं। इसी के साथ वामपंथी राजनीति के आखिरी गढ़ में भाजपा ने सेंधमारी कर दी है। राज्य में भाजपा का वोट प्रतिशत भी बढ़ा है, 2019 चुनाव में राज्य में भाजपा का वोट प्रतिशत 12.99 प्रतिशत था। 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा को 16.68 प्रतिशत वोट मिले हैं। उसकी चुनावी सफलता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि राज्य वामदलों को भी 1 ही सीट हासिल हुई है। वह आंकड़े में भाजपा के बराबर आ गए हैं। केरल में भाजपा तिरुवनंतपुरम सीट भी मात्र 16,077 वोट से हारी है। केरल में भी भाजपा के बढ़ते आधार के चलते उसे आगे फायदा होने की उम्मीद है।

तेलंगाना: दक्षिण भारत के एक और महत्वपूर्ण राज्य तेलंगाना में भाजपा का प्रदर्शन अभूतपूर्व रहा है। राज्य भाजपा 17 में से 8 सीट जीतने में सफल रही है। राज्य में सत्ताधारी कांग्रेस भी 8 ही सीट जीत सकी है। 2019 में यहां भाजपा ने 4 सीट जीती थी। ऐसे में भाजपा का आंकड़ा यहां दोगुना हो गया है। तेलंगाना में भाजपा अपना वोट प्रतिशत भी बढाने में सफल रही है। उसे 2019 में राज्य में 19.65 प्रतिशत वोट मिला था जो कि 2024 में बढ़ कर 35.08 प्रतिशत हो गया है। तेलंगाना में भाजपा ने क्षेत्रीय पार्टी भारत राष्ट्र समिति का भी सफाया कर दिया है। वह हारी हुई 7 सीटों में दूसरे स्थान पर रही है, यानी मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच हुआ है। भारत राष्ट्र समिति यहां एक भी सीट जीतने में सफल नहीं हुई है। राज्य में भाजपा अब दूसरे नम्बर की पार्टी बन रही है।

आंध्र प्रदेश: आंध्र प्रदेश में 2024 लोकसभा चुनावों में एनडीए गठबंधन की जोरदार जीत हुई है। उसकी सहयोगी टीडीपी ने राज्य में सरकार बनाई है। भाजपा ने खुद भी राज्य में 3 सीट जीत ली हैं। भाजपा 2019 में यहां से एक भी सीट जीतने में विफल रही थी। भाजपा को आंध्र प्रदेश में 11.28 प्रतिशत वोट मिले हैं। उसे 2019 में 1 प्रतिशत वोट भी नहीं मिले थे। उसके वोट प्रतिशत में 2019 के मुकाबले 10 गुने से अधिक उछाल देखी गई है। आंध्र प्रदेश में भाजपा टीडीपी के साथ मिलकर राज्य में सरकार में भी आ गई है।

कर्नाटक: कर्नाटक में 2024 के चुनाव भाजपा के लिए नुकसान वाले रहे हैं। भाजपा को इन चुनावों में सीटों का नुकसान सहना पड़ा है। कर्नाटक में भाजपा और जेडीएस ने 28 में से 19 सीटें जीती हैं।

उसकी 2019 चुनाव में 26 सीट थीं। उसका वोट प्रतिशत हालांकि बचा हुआ है। उसने 46.06 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं, उसके सहयोगी जेडीएस ने 5.6 प्रतिशत वोट हासिल किए हैं। एनडीए गठबंधन राज्य में 51.6 प्रतिशत हासिल करने में सफल रहा है, 2019 में भी भाजपा ने राज्य में 51.7 प्रतिशत वोट ही हासिल किए थे। कर्नाटक में भाजपा का गढ़ माने जाने वाले बेंगलुरु में सभी सीट जीत ली हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 06 जून, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अधिकांश दलबदलुओं को हार का सामना करना पड़ा

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केवल तीन दलबदलू ही लोकसभा चुनाव जीतने में सफल रहे, जबकि कई रिकॉर्ड अंतर से हारे। वरंगल में मुकाबला दो दलबदलुओं के बीच था। डॉ. कडियम काव्या जिन्हें बीआरएस का टिकट मिला था, लेकिन वे अपने पिता बीआरएस विधायक कडियम श्रीहरि के साथ कांग्रेस में शामिल हो गईं।

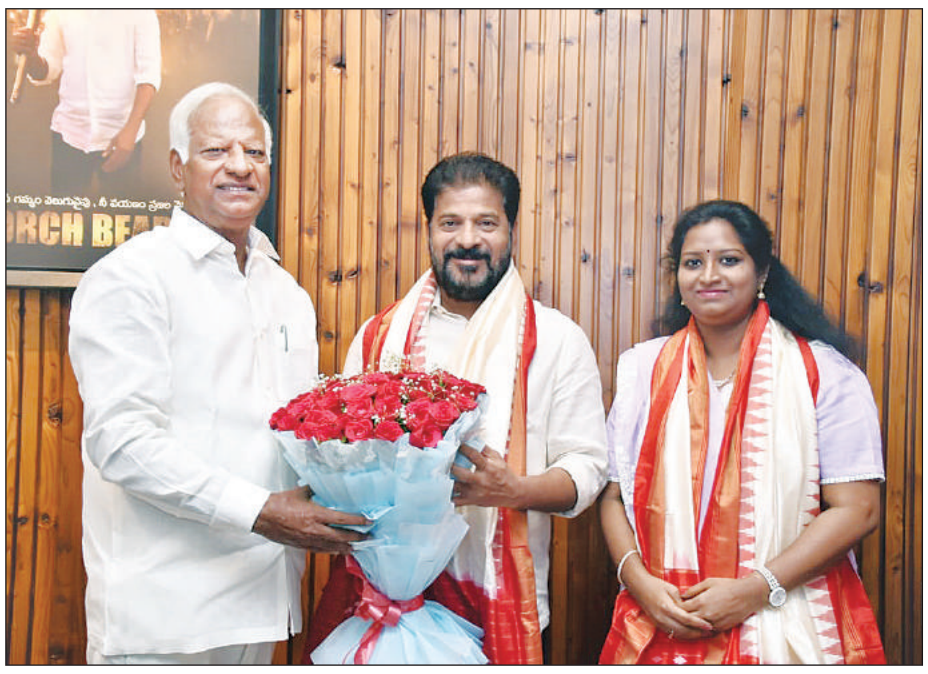

उन्होंने भाजपा के अरूरी रमेश के खिलाफ 2,20,339 वोटों से सीट जीती, जिन्होंने आखिरी समय में बीआरएस छोड़ दी थी। आदिलाबाद में बीआरएस से भाजपा में शामिल हुए एक अन्य दलबदलू गोडम नागेश ने लगभग 90,000 वोटों से जीत हासिल की। भाजपा से कांग्रेस में शामिल हुए श्रीगणेश नारायण ने सिकंदराबाद कैंटोनमेंट विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी के वंश तिलक को हराया। बीआरएस विधायक दानम नागेंद्र कांग्रेस में शामिल हुए और उन्हें सिकंदराबाद से मैदान में उतारा । वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी से 49,944 वोटों से हार गए। उन्हें बीआरएस से अयोग्यता नोटिस का सामना करना पड़ रहा है।

चेवेल्ला से बीआरएस छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए जी. रंजीत रेड्डी भाजपा के कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी से 1.72 लाख वोटों से हार गए। मलकाजगिरी में बीआरएस छोड़कर कांग्रेस की उम्मीदवार पटनम सुनीता महेंद्र रेड्डी भाजपा के एटाला राजेंद्र से 3,91,475 वोटों से हार गईं।

भाजपा नगरकुरनूल के उम्मीदवार पी. भरत प्रसाद, जिनके पिता बी. रामुलु बीआरएस सांसद थे, जिन्होंने अपने बेटे के लिए टिकट मिलने के बाद पार्टी छोड़ दी, कांग्रेस के डॉ. मल्लू रवि से 94,414 वोटों से चुनाव हार गए। बसपा छोड़कर आखिरी समय में बीआरएस का टिकट पाने वाले आर.एस. प्रवीण कुमार नगरकुरनूल सीट पर तीसरे स्थान पर रहे।

नलगोंडा के भाजपा उम्मीदवार शानमापुडी सैदी रेड्डी, जो पहले बीआरएस में थे, कांग्रेस के कुंदुरू रघुवीर रेड्डी से रिकॉर्ड 5,59,905 वोटों से हार गए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हैदरनगर झील की सफाई का कार्य शुरू

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, फाउंटेनहेड ग्लोबल स्कूल ने बुधवार को हैदरनगर में सामुदायिक रैली और झील की सफाई का आयोजन किया। संस्था प्रमुख सुधा रानी कोय्या के नेतृत्व में छात्रों ने ङ्गप्लास्टिक प्रदूषण को हराओफ थीम पर स्थानीय क्षेत्र में एक मौन जागरूकता रैली में भाग लिया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए तख्तियाँ थीं। रैली के बाद, छात्रों ने स्वान (सेव वाटर एंड नेचर) और ओजोन रन के सहयोग से मीडिकुंटा झील में सफाई अभियान चलाया, जिस जगह का वे जीर्णोद्धार कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में प्लास्टिक और अन्य कचरा एकत्र किया गया। स्वान की संस्थापक मेघना मुसुनुरी ने इस गतिविधि में भाग लिया और छात्रों को पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से प्रेरित किया। हमारे छात्रों का इस उद्देश्य के प्रति समर्पण सराहनीय है। साथ मिलकर, हम बदलाव को प्रेरित कर सकते हैं और एक स्वच्छ, हरित भविष्य का निर्माण कर सकते हैं, सुधा रानी ने कहा।

एनएमडीसी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण की प्रतिज्ञा ली

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के जिम्मेवार माइनर और सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक, एनएमडीसी ने बुधवार को हैदराबाद में अपने प्रधान कार्यालय और संपूर्ण भारत की परियोजनाओं में पर्यावरण पोषण की प्रतिज्ञा लेते हुए विश्व पर्यावरण दिवस मनाया।समारोह की शुरुआत औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन से हुई। तत्पश्चात अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार), विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) और बी. विश्वनाथ, सीईओ एवं वरिष्ठ प्रबंधन के नेतृत्व में कर्मचारियों ने पर्यावरण की संरक्षण की प्रतिज्ञा ली। भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता की थीम के अनुरूप एक विशेष वीडियो जारी किया गया। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए और सुस्थिरता के महत्व पर जोर

देते हुए अमिताभ मुखर्जी ने कहा- पृथ्वी एकमात्र ग्रह है जो जीवन का समर्थन करता है और स्वयं में सुधार करने की क्षमता रखता है, लेकिन सवाल उठता है कि हमें कौन संभालेगा? क्या हम जिम्मेदारी से रह रहे हैं और अपनी भविष्य की पीढ़ी के लिए संसाधनों को संरक्षित कर रहे हैं। हमें व्यक्तिगत स्तर पर अपने कार्बन फुटप्रिंट का ध्यान रखने की आवश्यकता है। हमारे कदम सीधे अंतर-पीढ़ी इक्विटी से संबंधित हैं, इसलिए बेहतर कल के लिए एक बुद्धिमान और स्थायीविकल्प चुनें।

विनय कुमार ने सतत विकास के लिए जल प्रबंधन, वनों की कटाई, ऊर्जा दक्षता दक्षता और नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कर्मचारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने आगे कहा, हमें संरक्षण पर कार्य करते हुए आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करना होगा। इस कार्यक्रम में अमिताभ मुखर्जी द्वारा एनएमडीसी पर्यावरण दिवस 2024 संस्मरणों का भी शुभारंभ किया गया। एनएमडीसी प्रधान कार्यालय में आयोजित पर्यावरण दिवस प्रतियोगिता के विजेताओं को अमिताभ मुखर्जी, विनय कुमार और बी विश्वनाथ ने सम्मानित किया।

इसके अतिरिक्त, एनएमडीसी ने अपने प्रमुख परियोजना स्थलों पर पौधरोपण अभियान का आयोजन किया। पर्यावरण संरक्षण में अधिक जागरूकता और भागीदारी को बढ़ाने के लिए छात्रों और कर्मचारियों के लिए पोस्टर-बनाने और निबंध लेखन की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इन पहलों के माध्यम से, एनएमडीसी ने सुस्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में अपनी भूमिका की पुष्टि की। कंपनी पर्यावरणीय प्रबंधन को प्राथमिकता देती है, यह सुनिश्चित करती है कि इसके संचालन भूमंडल और भविष्य की पीढ़ियों के हित में योगदान दें।

भाजपा के पूर्ण बहुमत हासिल करने में विफल रहने से देश खतरे से बच गया : कांग्रेस

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्ण बहुमत हासिल करने में विफल रहने से देश बड़े खतरे से बच गया।

श्री निरंजन ने आज यहां गांधी भवन में पत्रकारों से कहा, मोदी और अमित शाह के विभाजनकारी प्रचार से चिंतित लोग अब राहत महसूस कर रहे हैं। भाजपा ने चार सौ पार के नारे के साथ प्रचार किया, जिसमें समान नागरिक संहिता लागू करने, मुस्लिम आरक्षण को खत्म करने और अपने छिपे हुए एजेंडे को लागू करने का वादा किया गया।उन्होंने कहा कि जय श्री राम के नारे के साथ अयोध्या राम मंदिर को राजनीतिक अभियान के रूप में इस्तेमाल करने के बावजूद, भाजपा को उत्तर प्रदेश की 80 में से केवल 33 सीटें मिलीं। वर्ष 2014 में 282 और 2019 में 303 सीटें जीतने वाली पार्टी इस बार केवल 240 सीटें ही जीत पाई। इस चुनाव में वे अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल करने में विफल रहे, 2019 की तुलना में 63 सीटें कम रह गईं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग), जिसने 2014 में 336 सीटें और 2019 में 353 सीटें हासिल की थीं, इस बार 295 सीटों पर सिमट गई, जिसमें जेडीयू की 12 सीटें, टीडीपी की 16 और जनसेना पार्टी की दो सीटें शामिल हैं।श्री निरंजन ने श्री मोदी की इस बात के लिए आलोचना की कि उनके पास पूर्ण बहुमत नहीं होने के बावजूद वह प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि यह श्री मोदी की सत्ता की प्यास का सबूत है। उन्होंने यह भी बताया कि आम तौर पर चुनाव के बाद संसदीय दल की बैठक में पार्टी नेता का चुनाव किया जाता है। राजग की बैठक में राजग नेता के चुने जाने के बाद ही प्रधानमंत्री का नाम तय किया जाता। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, जब राहुल गांधी से कल पूछा गया कि क्या इंडिया गठबंधन सरकार बनाएगा, तो उन्होंने कहा, कल गठबंधन की बैठक होगी और निर्णय लिया जाएगा। श्री निरंजन ने इसे गांधी की लोकतांत्रिक भावना का प्रदर्शन बताया।उन्होंने यह भी बताया कि आंध्र प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान चंद्रबाबू नायडू ने वादा किया था कि अगर उनकी सरकार सत्ता में आती है तो वह मुस्लिम आरक्षण जारी रखेंगे।

तेलंगाना में नौ जून को हो सकती है भारी बारिश

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मौसम विज्ञान केंद्र ने बुधवार को कहा कि तेलंगाना में नौ जून को अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है।यहां एक दैनिक मौसम रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले पांच दिनों के दौरान राज्य में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बारिश और बिजली चमकने तथा 30 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती है।पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के जगतियाल जिले के अलग-अलग स्थानों पर अतिभारी बारिश हुई और विकाराबाद जिले में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हुई। इसके अलावा राज्य में कुछ स्थानों पर बारिश हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मंगलवार को आदिलाबाद में अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिल और दिमाग को शान्त रखना होगा जो भी काम हाथ पर आए उसे तुरंत करते जाए .आज आपको अपने नौकरी या बिजनेस के टारगेट पर ही पूरा ध्यान देना चाहिए. एकाग्रता से काम निपटाने की कोशिश करें. नए व्यक्ति से मुलाकात या दोस्ती होने के योग हैं. परिवार के कुछ लोगों से अपने कामकाज और प्लानिंग शेयर कर सकते हैं.परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय बीतेगा,कोई आर्थिक कमजोरी हैं तो परिवार की मदद से दिक्कतें दूर होंगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को घर के बुजुर्गों को पूरा समय देना चाहिए बच्चों के साथ खेल कूद मे समय बिताना चाहिए आर्थिक रूप से दिन शुभ है और कुछ महत्वपूर्ण सौदे भी हो सकते है. मित्रों के साथ साझेदारी कारोबार में प्रवेश कर सकते हैं. कोर्ट–कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी . पेशेवर रूप से आप लोकप्रियता और प्रशंसा हासिल करेंगे. आप के नये नये प्रयोग वित्तीय लाभ कराएंगे . व्यक्तिगत संबंधों में खुशी और आनंद प्राप्ति होगी. आप का समय सामाजिक कार्य मे व्यतीत होगा पारिवारिक जीवन यथावत रहेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

रिश्तो की नजदीकियों को नजरअंदाज नही करना चाहिए
आज होने वाले बिजनेस के सौदे आप को फायदे मे लाकर खड़ा कर देंगें परन्तु मन में चिंता की लहरे उमडती रहेंगी अनेक प्रकार की अनिश्चितता के कारण मानसिक बेचैनी रहेगी. अपने उद्देश्यों की ओर शान्ति से बढ़ते रहें अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है, क्योंकि आपके पास आराम के कुछ लम्हे होंगे. परिवार के साथ समय बिताना जीवन का सबसे सुखी पल हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को शरीर मे गजब की उर्जा की जरूरत हैं दुर्गा जी का जप करें दिन ठीक–ठाक रहेगा. आज किसी पर गुस्सा करने से बचें. अन्यथा आप परेशानी में पड़ सकते हैं. भाई–बहनों मे आपसी प्रेम बढेगा रिश्तों में मजबूती आयेगी.परन्तु आपको किस्मत का साथ नही मिलेगा कर्म पर ही भरोसा करना पडेगा. जरूरत से ज्यादा भावुक होना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है. आप की कार्यशैली की लोग प्रशंसा करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप को अपने सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा आप अपनी बुद्धिमानी से सब संभालने की कोशिश करेंगे.छोटी छोटी बातों को नजरअंदाज करके आप को आगे बढ़ना चाहिए . जो काम आपको दिया जाएगा, उसे निपटा लेंगे. आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी रहेगी. लोग अपनी परेशानियां आपके सामने रख सकते हैं.आप को जरुरतमंदो की सामाजिक तौर पर मदद करनी चाहिए ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन बहुत उतार–चढ़ाव का रहेगा । कोई भी निर्णय बहुत जल्दबाजी मे करते हैं तो आप मुश्किलों मे गिर सकते है आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. किन्तु आत्मविश्वास और कौशल के बल पर आप विजयी बनेंगे. आप को अपने विरोधियों पर नजर रखना होगा. यात्रा हो सकती है, यात्रा एकदम आरामदायक रहेगी अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें. अधिक खर्चा भविष्य मे दिक्कतें दे सकता हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज क्रोध पर संयम रखें । मन मे तो दुविधा चलती रहेगी परन्तु संयमपूर्वक दृढनिश्चयी होकर एक निर्णय पर आना पडेगा । किसी के साथ वाद–विवाद या झगड़े में पड़ने से मामला खराब हो सकता है. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी. दुष्टजनों से सतर्क रहें. समय अनुकूल है. नई शुरू की परियोजनाएं उम्मीद के मुताबिक़ परिणाम नहीं देंगी. चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में फंसने से बचें– निवेश करने में काफ़ी सावधानी बरतें. आप मीडिया मे कार्यरत हैं तो आज बहुत दिक्कतों के साथ काम पूरा होगा ओवरटाइम भी करना पड सकता हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन सुकून भरा रहेगा. आज पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. थोड़ी– सी मेहनत करने पर ही मुकाम हासिल होगा कारोबार के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आज अपने आसपास के लोगों के इरादे आसानी से समझ जायेंगे. आप उच्चपद पर कार्यरत हैं तो धं लाभ सम्भव हैं आप अपने काम में सामाजिक संपर्कों का फायदा उठाने में सफल हो सकते हैं. मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करे जीवन मे रौशनी होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन उत्साहवर्धक रखेगा मित्रों की हरेक काम में मदद मिल सकती है. महत्वपूर्ण मामलों पर लोगों से बातचीत का मौका आपको मिल सकता है. आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए. दिनचर्या में कुछ बदलाव भी आपको करने पड़ सकते हैं. दोस्तों के साथ ज्यादा समय बीतेगा. किसी तरहका दबाव या काम का बोझ कम हो सकता है , अपने जीवन साथी के साथ सम्बन्धन मे मधुरता बना रखे जीवन की प्रत्येक तकलीफ आप को खोटी दिखाई देगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नये व्यापार का योग प्रबल बन रहा हैं साझेदारी मे भी बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. आप अपने संपर्कों को बढ़ाएंगे और कुछ लाभकारी संपर्क भी स्थापित करेंगे. आर्थिक रूप से आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा. आय में वृद्धि होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी मिल सकता है. घरेलू मोर्चे पर सामंजस्य रहेगा और शादी, जन्म या धार्मिक समारोह जैसा कार्यक्रम मनाया जा सकता है.एकाएक यात्रा पर जाना पड सकता हैं दही धनिया का सेवन करके प्रस्थान करें सब मंगल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपनी माता का पूरा सम्मान करें आज्ञा का पालन करें , चरणों को छूकर घर से प्रस्थान करें , आज आप दूसरों के साथ मिलकर कार्य करेंगे. कुछ व्यावसायिक यात्राएं होंगी. आप अध्ययन में गहरी रुचि रखेंगे. सफर के लिए दिन ज्यादा अच्छा नहीं है. आर्थिक सुधार होगा और धन आपकी तरफ आएगा. आपके सामने नई चुनौतियां आ सकती हैं. किसी भी तरह के जोखिम वाले काम से सम्हलकर रहें दुर्घटना सम्भव हैं महामृत्युंजय मंत्र का स्मरण करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सुबह जब पूजा मे बैठते हैं उसी समय प्रभु से मन मे प्रार्थना करें आप का समय निर्विघ्न होगा । आज आपका दिन अनुकूल रहेगा. आज किसी काम से आपको बड़ा फायदा हो सकता है. कुछ निजी कामों में भाई का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से आपको खूबसूरत तोहफा मिल सकता है. आज उन लोगों से बातचीत करने के लिए अच्छा दिन है, जिनसे आपकी मुलाकात कभी– कभी ही होती हैं

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 06 जून 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या सायं 06:09 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 08:17 तक
योग : धृति रात्रि 10:08 तक
करण : चतुष्पाद प्रातः 07:00 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33 , सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव पितृ कार्य वट सावित्री अमावस्या , श्री शनि जयंती , संत ज्ञानेश्वर जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

तेलंगाना की जनता ने कांग्रेस के 100 दिन के शासन को पसंद किया : रेवंत

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को समर्थन देने के लिये लोगों का जताया आभार

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य के लोगों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि लोगों ने कांग्रेस के 100 दिन के शासन को पसंद किया है।

श्री रेड्डी ने बुधवार को अपने आवास पर मीडिया को बताया कि विधानसभा चुनावों की तुलना में संसदीय चुनावों में कांग्रेस के वोटों का प्रतिशत बढ़ा है, जो उनके एजेंडे के लिए लोकप्रिय समर्थन का

संकेत देता है। उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस के 100 दिनों के शासन का समर्थन किया है। उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेताओं पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लाभ के लिए अपनी ही पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस ने इस चुनाव में अपनी आत्मा का बलिदान दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्दीपेट में हरीश राव के मजबूत प्रभाव के बावजूद, बीआरएस के वोट भाजपा को चले गये। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस की साजिश के कारण कांग्रेस आठ सीटें हार गई। श्री रेड्डी ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रभाव कम हो गया है, जिससे पता चलता है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए जनता का समर्थन कम हो गया है। उन्होंने व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने का वादा किया और साथ ही पहले से कहीं अधिक मेहनत करने का भी संकल्प लिया। उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार के साथ एकजुटता से खड़े होने और संपत्ति तथा जल बंटवारे के मुद्दों को चर्चा के माध्यम से हल करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

डीके अरुणा महबूबनगर लोकसभा सीट जीतने वाली पहली महिला बनीं

महबूबनगर, 05 जून (शुभ लाभ बयूरो)। भाजपा उम्मीदवार डीके अरुणा 1952 के बाद महबूबनगर लोकसभा सीट जीतने वाली पहली महिला बनीं जब देश में पहला चुनाव हुआ था।

महबूबनगर सीट पर कांग्रेस नेता जे. रामेश्वर राव और मल्लिकार्जुन गौड़ ने चार–चार बार जीत दर्ज की थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एस. जयपाल रेड्डी और एपी जितेंद्र रेड्डी ने दो–दो बार, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव, कांग्रेस नेता के. जनार्दन रेड्डी, मुत्याल राव, डी. विट्ठल राव और मन्ने श्रीनिवास रेड्डी ने एक–एक बार सीट जीती। अरुणा ने 2019 में भी महबूबनगर से चुनाव लड़ा था, लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार एम. श्रीनिवास रेड्डी से हार गई थीं। हालांकि, इस बार वह करीबी मुकाबले में कांग्रेस उम्मीदवार चल्ला वमशीचंद रेड्डी को हराकर सीट जीतने में सफल रहीं। 40 साल के अंतराल के बाद वारंगल सीट पर महिला ने जीत दर्ज की।

विश्व पर्यावरण दिवस के तहत किया पौधरोपण

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पर्यावरण परीक्षण सेवा समिति के अध्यक्ष गोगिकर नरेश के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसके तहत जियागुड़ा के भारत अभिधा शिक्षा समिति पाठशाला और श्लोक स्कूल के प्रांगण में पौधे लगाए। इस कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र तेलंगाना के डायरेक्टर ए.आर विजय राव, नेहरू युवा केंद्र हैदराबाद जिला की ऑफिसर खुशबू गुप्ता और शिक्षा समिति के सेक्रेटरी के. कमल प्रसाद और कराटे मास्टर एमके बालाजी एवं श्लोक स्कूल के प्रिंसिपल ए नागेश्वर राव, अमिताभ चरण, कबड्डी कोच सतपाल सिंह और भूमिपुत्र सेवा समिति के अध्यक्ष रितेश चिंचोली सेवा समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा के लिए प्रयास निजी स्तर पर शुरू होने चाहिए : आर. धनंजयुलु

दक्षिण मध्य रेलवे ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे ने बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। आर. धनंजयुलु, अतिरिक्त महाप्रबंधक, दमरे इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में प्रमुख विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सी. शेखर रेड्डी, उपाध्यक्ष, इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) और सौरव चौधरी, सीआईआई–आईजीबीसी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस दुनिया भर में 05 जून को मनाया जाता है; इस वर्ष की थीम भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा लचीलापन है।

आर. धनंजयुलु, अतिरिक्त महाप्रबंधक, दमरे ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण और सुरक्षा के लिए कार्रवाई व्यक्तिगत स्तर

पर शुरू होनी चाहिए। उन्होंने रेलवे कर्मचारियों से अपने घरों से पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने स्वच्छता के महत्व पर भी जोर दिया और रेलवे कर्मचारियों को अपने आसपास के क्षेत्रों जैसे रेलवे कॉलोनियों और कार्यालयों की सफाई गतिविधियों में नियमित रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। अतिरिक्त महाप्रबंधक ने बताया कि रेलवे लगातार पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में विभिन्न उपाय कर रहा है जैसे कि वर्षा जल संचयन, जल निकायों का कायाकल्प, ऊर्जा संरक्षण, वनीकरण, जैव–शौचालय आदि। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं को लागू करने के अलावा, पूरे वर्ष रखरखाव सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा, आर. धनंजयुलु ने अधिकारियों को स्थानीय जनता के बीच रेलवे भूमि/पटरियों के पास कचरा फेंकने या आग जलाने से रोकने के लिए जागरूकता फैलाने के लिए विशेष अभियान चलाने की सलाह दी। उन्होंने ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए फील्ड स्तर के पर्यवेक्षकों को रेलवे भूमि और अन्य रेलवे परिसरों की सख्ती से निगरानी करने की सलाह दी। अतिरिक्त महाप्रबंधक ने बताया कि हमारी भावी पीढ़ियों के लिए बेहतर जीवन बनाने के लिए हरित पर्यावरण और स्वच्छ ऊर्जा के महत्व पर जागरूकता फैलाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हरित पर्यावरण की दिशा में उठाए गए कदम जीवन का एक तरीका बनना चाहिए, न कि केवल एक बार की बात। उन्होंने कहा कि हमारे पर्यावरण की रक्षा करने का तरीका संसाधनों के उपयोग को कम करना, पुनर्चक्रण करना और अनुकूलित करना है। इससे पहले, विभिन्न विभागों जैसे मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंजीनियरिंग और मेडिकल आदि के अधिकारियों ने पर्यावरण की स्थिरता के लिए उनके योगदान और कार्य योजनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। सीआईआई–आईजीबीसी के सौरव चौधरी ने भी टिकाऊ भविष्य के निर्माण और हरित जीवन के दायरे पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। आईजीबीसी के उपाध्यक्ष सी. शेखर रेड्डी ने पर्यावरण की सुरक्षा की दिशा में एससीआर के प्रयासों की सराहना की।

स्थिरता की दिशा में दमरे द्वारा किए गए कुछ उपायों में 2023–24 के दौरान 73 लाख पौधे लगाना शामिल है, लगभग 100% विद्युतीकरण हासिल किया गया, हरित भवनों का विकास, पूरे जोन के 76 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की स्थापना, 23 अपशिष्ट से खाद बनाने के संयंत्र स्थापित किए गए हैं, 58 रेलवे स्टेशनों पर सफाई गतिविधियों की सीसीटीवी निगरानी उपलब्ध है, 63 स्टेशनों को आईएसओ 14001 प्रमाणन के साथ प्रमाणित किया गया है, 15 रेलवे स्टेशनों पर सीवेज उपचार संयंत्र उपलब्ध कराए गए हैं, रेलवे कॉलोनियों में कचरा निपटान के लिए घर–घर जाकर संग्रहण, अन्य उपायों के अलावा रेलवे अस्पतालों में अपशिष्ट पृथक्करण, उपचार और पुनर्चक्रण आदि शामिल है। दक्षिण मध्य रेलवे ने 17 मई से 07 जून, 2024 तक विश्व पर्यावरण दिवस के हिस्से के रूप में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया है। अतिरिक्त महाप्रबंधक ने विश्व पर्यावरण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में रेल निलयम कर्मचारियों के बच्चों के लिए भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा लचीलापन विषय पर ड्राइंग प्रतियोगिता के विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किए। आर. धनंजयुलु और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया।

इससे पहले रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने पिछले वर्ष यानी 2023–24 में आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियों के दौरान अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए रेल भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और उत्तर पूर्व रेलवे को पुरस्कार प्रदान किए।

कागजनगर महेश्वरी समाज के नेतृत्व में महेश उत्सव मनाया गया

काग़ज़नगर 5 जून (शुभ लाभ ब्युरो)। कोमुरमभीम जिला सिरपुर कागजनगर महेशवरी समाज के नेतृत्व में एक कदम समाज सुधार की ओर कार्यक्रम की पहल का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में कागजनगर महेश्वरी समाज का सम्पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में अरुण भागडिया, श्रीमती भगवती बलदेवा एवं रमेश परतानी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। रमेश परतानी एवं भगवती बलदेवा के संबोधन ने सभी समाज बंधुओं को प्रेरित किया।

कगजनगर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष शंकरलाल फोफलिया एवं पूरे समाज के नेतृत्व में समाज सुधार की ओर कुछ पाबंदियां लागू की गई जिसमें– प्रीवेडिंग शूटिंग, विवाह समार–ोहों में बान के रूप में केवल

एक सौ रुपये लेना, संगीत संध्या में नेक देने पर मनाही, देखा देखी कर शादी विवाह समारोहों में अनगिनत व्यंजनों पर रोक केवल 21 आईटम ही बनाए जायें, विवाह में पुरुष वीडियोग्राफर पर रोक, महिलाओं को पेचा या पगड़ी बांधने पर पाबंदी एवं बरात एवं निकासी में सडको पर नृत्य पर रोक।

उक्त कार्यक्रम में महेशवरी समाज के जिलाधिकारी एवं आंध्र तेलंगाना प्रदेश के अध्यक्ष कैलाश डालिया, मंत्री कमायालाल राठी एवं आंध्र–तेलंगाना माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष रजनी राठी एवं हैदराबाद सिकंदराबाद जिला अध्यक्ष भगवान पंसारी, मंत्री राजेश मालपानी आदि पदाधिकारियों ने शिरकत की और अपने उदघोष में समाज सुधारीकरण विषयों पर सभी पदाधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया ।कार्यक्रम में सिरपुर कागजनगर के महेशवरी समाज के अध्यक्ष शंकर लाल फोफलिया, मंत्री द्वारका दस झावर, कोषाध्यक्ष पंकज असावा, उपाध्यक्ष श्याम असावा, सहमंत्री वेणुगोपाल लाहोटी एवं क्रायकारणी सदस्य–मनोज सोमानी, शशि लोया, देवकिशन असावा, गोपाल सोनी,विवेक बजाज, श्याम सोनी, पुनीत मूंदड़ा, उमेश बंग, अरुण लोया, राहुल जाजू, धीरज राठी, गिरिराज मंत्री एवं माहेश्वरी महिला मंडल के अध्यक्षा विष्णुकान्ता लोया, मंत्री सरिता बजाज, कोषद्यक्ष सरिता असावा एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्यों की मौजुदगी एवं सिरपुर कागजनगर महेशवरी समाज के सभी सदस्यों एवं आसपास के 14 गांव एवं शहरों से पधारे सैकड़ो माहेश्वरी बंधु शामिल हुए। कार्यक्रम में सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी। बगैर वेटर के इसमें समाज के पुरुष–महिलाएं एवं बच्चों ने पुरस्कारी में बढ चढकर अपना सहयोग दिया जिसकी सभी ने सराहना की।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,480/– (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 91,203/– (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 74,382.24
+2303.19 +3.20% ↑
एनएसई :22,620.35
735.85 (3.36%) ↑

यूपी में सपा की बढ़त से मिला इंडी गठबंधन को आधार

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं. 438/ डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी दिनांक : 03-06-2024

पीयूबी/0525

अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए **26-06-2024** को **15.30** बजे तक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 01. निविदा आईडी : 2692. **सीनि. डीईएन/डीईएन** : पश्चिम, **कार्य का विवरण** : जोन नंद्याल-01-07-2024 से 30-06-2025 तक की अवधि के लिए तारलुपाडु (छोड़कर) से नंद्याल (मिलाकर)। **अनुमानित मूल्य** : रु. 1,05,01,547/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 2,02,500/-

क्र.सं. 02. निविदा आईडी : 2693. **सीनि. डीईएन/डीईएन** : पश्चिम, **कार्य का विवरण** : जोन मार्कापुर-01-07-2024 से 30-06-2025 तक की अवधि के लिए कुरिचेडु (मिलाकर) से तारलुपाडु (मिलाकर)। **अनुमानित मूल्य** : रु. 61,88,180/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 1,23,800/-

क्र.सं. 03. निविदा आईडी : 2694. **सीनि. डीईएन/डीईएन** : पश्चिम, **कार्य का विवरण** : जोन नल्लापाडु पश्चिम -01-07-2024 से 30-06-2025 तक की अवधि के लिए कुरिचेडु (छोड़कर) से नल्लापाडु (छोड़कर) एवं गुंटूर (छोड़कर) से कृष्णा केनाल जंक्शन (छोड़कर) तक। **अनुमानित मूल्य** : रु. 1,43,28,232/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 2,21,700/-

क्र.सं. 04. निविदा आईडी : 2695. **सीनि. डीईएन/डीईएन** : पश्चिम, **कार्य का विवरण** : जोन गुंटूर- 01-07-2024 से 30-06-2025 तक की अवधि के लिए गुंटूर स्टेशन भवन एवं इसके परिसर। **अनुमानित मूल्य** : रु. 1,27,02,470/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 2,13,500/-

क्र.सं. 05. निविदा आईडी : 2696. **सीनि. डीईएन/डीईएन** : पश्चिम, **कार्य का विवरण** : जोन रेड्डीपालेम -01-07-2024 से 30-06-2025 तक की अवधि के लिए गुंटूर (गुंटूर स्टेशन छोड़कर, लेकिन कॉलोनियों को मिलाकर) से न्यू गुंटूर (न्यू गुंटूर स्टेशन एवं कॉलोनी को मिलाकर) तक। **अनुमानित मूल्य** : रु. 1,54,19,170/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 2,27,100/-

क्र.सं. 06. निविदा आईडी : 2697. **सीनि. डीईएन/डीईएन** : पश्चिम, **कार्य का विवरण** : जोन नल्लापाडु-01-07-2024 से 30-06-2025 तक की अवधि के लिए नल्लापाडु कॉलोनी एवं स्टेशन, रेल विहार कॉलोनी, पट्टाभिपुरम पर डिवीजनल कार्यालय परिसर। **अनुमानित मूल्य** : रु. 1,87,95,986/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 2,44,000/-

क्र.सं. 07. निविदा आईडी : 2698. **सीनि. डीईएन/डीईएन** : उत्तर, **कार्य का विवरण** : जोन रेपल्ले एवं न्यू गुंटूर : 01-07-2024 से 30-06-2025 तक की अवधि के लिए गुंटूर (छोड़कर) से तेनाली (छोड़कर) से रेपल्ले (मिलाकर), नल्लापाडु (छोड़कर) से सत्तेनापल्ली (छोड़कर) तक। **अनुमानित मूल्य** : रु. 1,21,57,263/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 2,10,800/-

क्र.सं. 08. निविदा आईडी : 2699. **सीनि. डीईएन/डीईएन** : उत्तर, **कार्य का विवरण** : जोन पिडुगुराल्ला- 01-07-2024 से 30-06-2025 तक की अवधि के लिए न्यू पिडुगुराल्ला (मिलाकर) से सावल्यापुरम (छोड़कर), सत्तेनापल्ली (मिलाकर) से नड़ीकुड़ी (छोड़कर) तक। **अनुमानित मूल्य** : रु. 1,11,38,193/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 2,05,700/-

क्र.सं. 09. निविदा आईडी : 2700. **सीनि. डीईएन/डीईएन** : उत्तर, **कार्य का विवरण** : जोन नड़ीकुड़ी-01-07-2024 से 30-06-2025 तक की अवधि के लिए तुम्मलाचेरुवु (छोड़कर) से माचर्ला (मिलाकर), मिर्यालगुड़ा (मिलाकर) से नड़ीकुड़ी (मिलाकर) एवं विष्णुपुरम (मिलाकर) से जनपहाड़ (मिलाकर) तक। **अनुमानित मूल्य** : रु. 1,63,67,657/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 2,31,800/-

क्र.सं. 10. निविदा आईडी : 2701. **सीनि. डीईएन/डीईएन** : उत्तर, **कार्य का विवरण** : जोन नलगोंडा- 01-07-2024 से 30-06-2025 तक की अवधि के लिए मिर्यालगुड़ा (छोड़कर) से पगिडिपल्ली (छोड़कर). **अनुमानित मूल्य** : रु. 1,37,93,672/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 2,19,000/-

1. ई-बोलियों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि **26-06-2024** को **15.30 बजे** तक है। विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** को लॉगऑन करें।
2. कोई अतिरिक्त संदेश /शुद्धिपत्र ई-पोर्टल **www.ireps.gov.in** के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

मंडलीय रेल प्रबंधक (कार्य), गुंटूर

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http:// ireps.gov.in के माध्यम से)

पीयूबी/0527

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, ट्रैक्शन डिस्ट्रिब्यूशन, सिकन्दराबाद द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए निविदाकरण की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं. 01. एनआईटी सं. : सी/ई.29/ टीआरडी/एससी/05/2024-2025, **कार्य का नाम : निविदा सं.** : सी/ई.29/टीआरडी/एससी/ 05/2024-2025, दि. 31-05-2024. सिकन्दराबाद डिवीजन में मलखेड़ रोड ट्रैक्शन सब-स्टेशन पर ओपन एक्सेस के अंतर्गत पावर के अधिप्रापण के लिए एबीटी मीटरिंग सुविधा का प्रावधान। **विज्ञापित मूल्य** : रु. 27,25,498.43, **पूरा करने का अवधि** : 90 दिन, **बंद होने की तिथि** : 26-06-2024 को 15.00 बजे।

1) बोली दस्तावेज और अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाइट **http://ireps.gov.in** को लॉगइन करें।
2) निविदादाता को केवल ई-निविदाकरण के माध्यम से भाग लेना होगा और कोई भी व्यक्तिक प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।
3) सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं पूर्व धरोहर राशि केवल ऑनलाइन पेमेंट्स के माध्यम से प्रेषित करें।
4) सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि जीएसटीआईएन पहचान नंबर प्राप्त करें और अपने प्रस्तावों के साथ प्रस्तुत करें।
5) निविदादाता को किसी शुद्धिपत्र के लिए (केवल ऑनलाइन जारी) निविदा प्रस्तुत करने की अवधि के प्रारंभ होने की तिथि तक देखना होगा।

वरि. मंडलीय विद्युत अभियंता/ टीआरडी/सिकन्दराबाद

लखनऊ, 05 जून (एजेंसियां)।

इस बार के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने इंडी गठबंधन को आधार दिया। 2019 के लोकसभा चुनाव में

सपा यूपी में सिर्फ़ 5 सीटें जीतने में सफल रही थी। तब उसने बसपा के साथ गठबंधन के तहत राज्य की 80 में से 37 सीटों पर चुनाव लड़ा था। उस चुनाव में भाजपा ने 62 सीटें जीती थीं। बीएसपी को 10 सीटें मिली थीं। इस बार सपा ने 62 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा। इस बार सपा ने 37 जीतीं।अपने मूल मुस्लिम-यादव मतदाता आधार को बनाए रखने तथा गैर-यादव ओबीसी वोटों में सेंध लगाने के प्रति आश्वस्त सपा ने अपनी 62 सीटों में से यादव समुदाय से केवल पांच उम्मीदवार ही मैदान में उतारे। और ये पांचों नेता पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव के परिवार से थे। 2019 में सपा ने 37 उम्मीदवारों में से 10 यादव चेहरे मैदान में उतारे थे। 2014 में उसने 78 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 12 यादव उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें चार मुलायम परिवार से थे।सपा के एक नेता ने कहा, मुस्लिम और यादव हमारे साथ मजबूती से खड़े हैं। पार्टी का वोट शेयर तब बढ़ा जब उसने छोटे दलों से हाथ मिलाया, जिन्हें गैर-यादव ओबीसी का समर्थन हासिल है। पार्टी ने अन्य ओबीसी समूहों और उच्च जातियों के मतदाताओं तक पहुंचने के लिए अन्य समुदायों के उम्मीदवारों को भी शामिल किया है। अखिलेश ने इस बार अपने वोट आधार के लिए एक नया नारा गढ़ा, जो एमवाई (मुस्लिम-यादव) से बढ़कर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) तक पहुंच गया।

इसलिए, जबकि सपा ने पांच टिकट यादवों को दिए, इसने अन्य ओबीसी से संबंधित 27 उम्मीदवार, 11 उच्च जातियों (जिनमें चार ब्राह्मण, दो ठाकुर, दो वैश्य और एक खत्री शामिल हैं) और चार मुस्लिमों को मैदान में उतारा। इसने एससी-आरक्षित सीटों पर 15 दलित उम्मीदवारों को नामित किया। यादव उम्मीदवारों में से सपा प्रमुख अखिलेश ने कन्नौज से चुनाव लड़ा। उनकी पत्नी डिंपल यादव, जो 2019 में कन्नौज से हार गईं, मैनपुरी से लड़ीं। जबकि अखिलेश के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव, अक्षय यादव और आदित्य यादव क्रमशः आजमगढ़, फिरोजाबाद और बदायूं से चुनाव लड़े।यूपी में सपा का मुख्य वोट बैंक परंपरागत रूप से यादव और मुसलमान रहा है। हालांकि, पार्टी 2014 से ही राज्य में चुनाव हारती आ रही है। 2014 के लोकसभा चुनाव में सपा को 80 में से पांच सीटें मिली थीं। 2017 के विधानसभा चुनाव सपा को 403 में से महज 47 सीटें मिलीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा को पांच सीटें मिलीं और 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा ने 111 सीटें जीतीं। लोकसभा चुनाव 2024 में सपा की पांच सीटें बढ़ कर 37 हो गईं।इस जीत के साथ समाजवादी पार्टी देश की तीसरी बड़ी पार्टी बन गई। सपा का अब तक के इतिहास का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। धार्मिक मुद्दों के बजाय जातीय गोलबंदी की रणनीति से सपा को सफलता मिली है। कांग्रेस का साथ मिलने से राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी जनता का भरोसा जीता।

सपा ने लोकसभा आम चुनाव में अब तक के अपने इतिहास में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उसने कुल 37 सीटें जीतीं। इस तरह सपा देश की तीसरी बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आई है। धार्मिक मुद्दों के बजाय जातीय गोलबंदी और यादवों-मुस्लिमों पर कम दांव की रणनीति से सपा को यह सफलता मिली। सपा ने पिछला लोकसभा चुनाव बसपा के साथ लड़ा था। तब उसे महज पांच सीटें मिली थीं। राजनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण यूपी में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विपक्ष के अभियान का नेतृत्व किया। सपा ने गठबंधन के तहत 62 सीटों पर चुनाव लड़ा।

17 सीटें कांग्रेस और एक सीट तृणमूल कांग्रेस को दी। सीट शेयरिंग की यह रणनीति काफी कारगर साबित हुई। कांग्रेस के साथ साझेदारी करने के चलते सपा मतदाताओं को यह मनोवैज्ञानिक संदेश देने में सफल रही कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का विकल्प मौजूद है।2019 के चुनाव में पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह ही सपा से अलग थे, लेकिन इस बार परिवार की एकजुटता से भी अच्छा संदेश गया। सपा ने प्रत्याशी तय करने में पीडीए फार्मूले का भी पूरा ध्यान रखा। अपना आधार वोट माने जाने वाले यादवों और मुस्लिमों से ज्यादा कुर्मी बिरादरी के प्रत्याशी उतारे। ब्राह्मण व ठाकुर समेत सामान्य जाति के प्रत्याशियों को भी प्रतिनिधित्व दिया। अखिलेश का यह दांव बिल्कुल सही बैठा और पार्टी को अप्रत्यशित सफलता मिली। अखिलेश यादव ने स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयानों से खुद को और अपनी पार्टी को दूर रखा। बहुत ही सधे अंदाज में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर सीधे कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।इतना ही नहीं इटावा में विशाल मंदिर का निर्माण प्रारंभ कराया। इससे भाजपा को धार्मिक मुद्दों पर उन्हें घेरने का मौका नहीं मिला। साथ ही जातीय गोलबंदी के लिए संविधान और आरक्षण के मुद्दे को प्रमुखता दी। पेपर लीक और अग्निवीर के सहारे बेरोजगारी की समस्या से बड़ी चोट की। इस रणनीति ने उन्हें सफलता के शिखर पर पहुंचाया।

मैनपुरी में डिंपल यादव 2.21 लाख मतों से विजयी रहीं। उन्हें 56.79 फीसदी वोट मिले और भाजपा को 35.76 फीसदी। वर्ष 2019 में सपा को 53.75 फीसदी और भाजपा को 44.09 फीसदी वोट मिले थे। हालांकि 2022 के उपचुनाव में यहां सपा को 64.08 फीसदी वोट मिले थे। इस तरह सामान्य चुनाव में सपा का वोटबैंक बढ़ा है। इटावा में सियासी तौर पर कठेरिया बनाम दोहरे बिरादरी के बीच संघर्ष होता है। भाजपा ने सांसद रामशंकर कठेरिया को दोबारा मौका दिया तो सपा ने बसपा से आए जितेंद्र सिंह दोहरे पर दांव लगाया और करीब 58 हजार वोट से चुनाव जीत लिया।

यहां सपा को 47 और भाजपा को 41.82 फीसदी वोट मिले। वर्ष 2019 में सपा को 44.53 और भाजपा को 50.80 फीसदी वोट मिले थे। इसी तरह कन्नौज में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 1.70 लाख से जीते हैं। उन्हें 52.74 फीसदी और भाजपा के निवर्तमान सांसद सुब्रत पाठक को 38.71 फीसदी वोट मिले। वर्ष 2019 में भाजपा को 49.37 और सपा को 48.29 फीसदी वोट मिले थे। फिरोजाबाद में सपा के अक्षय प्रताप यादव ने भाजपा प्रत्याशी विश्वदीप सिंह को करीब 89 हजार वोट से हराया।यहां भाजपा ने सांसद चंद्रसेन जादौन का टिकट काट दिया था। ऐसे में यहां भितरघात का भी सपा को फायदा मिला। सपा को 49.09 और भाजपा को 40.98 फीसदी मत मिले। वर्ष 2019 में सपा को 43.41 और भाजपा को 46.09 फीसदी वोट मिले थे। एटा में राजवीर सिंह राजू को सपा के देवेश शाक्य ने करीब 25 हजार वोटों से हराया। यहां सपा को 47.07 और भाजपा को 44.34 फीसदी वोट मिले, जबकि वर्ष 2019 में भाजपा को 54.52 और सपा को 42.25 फीसदी वोट मिले थे।फर्रुखाबाद से मुकेश राजपूत 2678 वोट से जीतकर तीसरी बार सांसद चुने गए हैं। उन्हें 47.2 फीसदी और सपा के डॉ. नवल किशोर शाक्य को 46.94 फीसदी वोट मिले। वर्ष 2019 में भाजपा को 56.82 और बसपा को 34.72 फीसदी एवं कांग्रेस को 5.72 फीसदी वोट मिले थे। बसपा के मनोज अग्रवाल इस चुनाव में सपा के साथ थे।

निविदा सूचना सं. 12-सीडब्ल्यूएम एलजीडीएस - ईटी-2024-25 दिनांक : 01-06-2024

पीयूबी/0526

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत **चीफ वर्कशाप मैनेजर/लालागुड़ा** द्वारा निविदा सं. 12-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-ईटी-2024-25 के प्रति ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं। बंद होने की तिथि 17-06-2024 को 10-30 बजे। बोलीदाता केवल बंद होने की तिथि एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और ऐसा कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसकी उपेक्षा की जाएगी। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज के मूल्य एवं पूर्व धरोहर राशि के प्रति केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध **ऑनलाइन भुगतान विधियों के माध्यम** जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रसीद, एफडीआर आदि के माध्यम से मैनुअल भुगतानों की अनुमति नहीं है।

क्रम सं. 01 : **निविदा सं.** : 12-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-ईटी-2024-25, दिनांक : 01-06-2024. **कार्य का विवरण** : कैरेज वर्कशॉप, लालागुड़ा, सिकन्दराबाद पर इंस्पेक्शन सैलून नं. 011234, 011205 एवं 011214 की फर्निशिंग। **अनुमानित मूल्य (रु. पैसे)**: रु. 97,50,905.89 (केवल सतान्वे लाख पचास हजार नौ सौ पाँच रुपये एवं उन्नवे पैसे)। **पूर्व धरोहर राशि (रु. पैसे)** : रु. 1,95,000/- (केवल एक लाख पचान्वे हजार रुपये), **पूरा करने की अवधि** : 06 महीने, **बंद होने की तिथि** : 17-06-2024 को 10-30 बजे।

1. वेबसाइट विवरण : **www.ireps.gov.in**

2. **सूचना बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा के पूर्ण विवरणों को देखा जा सकता है** : मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, कैरेज वर्कशॉप, लालागुड़ा, सिकन्दराबाद - 500017.

चीफ वर्कशॉप मैनेजर, सीडब्ल्यूएस, लालागुड़ा, सिकन्दराबाद

भारतीय रेल
रेलवे विद्युतीकरण
www.ireps.gov.in

निविदा सूचना सं. आरईएससी/ ईएल/टीएन/24-25/04, दिनांक : 04-06-2024

पीयूबी/0528

कृते एवं भारत संघ के **राष्ट्रपति** की ओर से, मुख्य परियोजना निदेशक, रेलवे विद्युतीकरण, सिकन्दराबाद द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए (ऑनलाइन) ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1. **निविदा सं.** : **आरईएससी-ईएल-एसक्यू-जीआर207-24-25-आरटी-08. कार्य का विवरण** : दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ डिवीज़न के अन्तर्गत रेलवे विद्युतीकरण परियोजना/ सिकन्दराबाद के मनमाड़-मुदखेड़ सेक्शन (ग्रूप-207) में विभिन्न स्टेशनों पर औरंगाबाद, परभणी एवं नांदेड़ पर एडीईई/टीआरडी कार्यालयों, औरंगाबाद एवं नांदेड़ पर एडीएसटीई कार्यालयों, जालना एवं नांदेड़ पर एसएसई (टेली) कार्यालयों, परभणी एवं सेलु पर एएसई (सिंग्नल) कार्यालयों का विद्युतीकरण एवं टाइप-II के 27 यूनिट्स, टाइप-III के 14 यूनिट्स एवं टाइप-IV स्टाफ क्वार्टर्स के 8 यूनिट्स का विद्युतीकरण।

अनुमानित मूल्य : रु. 54,67,786/- **पूर्व धरोहर राशि ऑनलाइन के माध्यम से भुगतान करना होगा** : (रु.) 1,09,400/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये में** : नगण्य, **पूरा करने की अवधि** : 4 महीने (चार महीने), **निविदा खोलने का स्थान** : सिकन्दराबाद

क्र.सं. 1. विवरण : **ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा बंद होना** : दिनांक : 19-06-2024 को 15-00 बजे।

क्र.सं. 2. विवरण : **ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा खोलना** : दिनांक : 19-06-2024 को 15-30 बजे।

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए एवं निविदाओं की प्रस्तुति के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।
टिप्पणी : निविदा दस्तावेजों में किसी भी प्रकार का संशोधन/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट अगर आवश्यक हुआ तो उसे उपरोक्त वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।

चीफ प्रोजेक्ट डायरेक्टर, रेलवे विद्युतीकरण, सिकन्दराबाद

निविदा सूचना सं. आरईएससी/ ईएल/टीएन/24-25/05, दिनांक : 04-06-2024

पीयूबी/0529

कृते एवं भारत संघ के **राष्ट्रपति** की ओर से, मुख्य परियोजना निदेशक, रेलवे विद्युतीकरण, सिकन्दराबाद द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए (ऑनलाइन) ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1. **निविदा सं.** : **आरईएससी-ईएल-ट्रिप शेड-24-25-09. कार्य का विवरण** : दक्षिण मध्य रेलवे के विभिन्न डिवीज़नों के अन्तर्गत सहायक पीएसआई उपकरणों एवं कंट्रोल रिले पैनल के साथ नांदेड़, सिकन्दराबाद, काचीगुड़ा एवं नल्लापाडु पर प्रत्येक ट्रिप अटेंशन्स शेड्स में 25केवी ओएचई के लिए डिजाइन, आपूर्ति, स्थापित करना, परीक्षण एवं प्रारंभ करना। **अनुमानित मूल्य** : रु. 4,16,47,806.28/- **पूर्व धरोहर राशि ऑनलाइन के माध्यम से भुगतान करना होगा** : (रु.) 3,58,200/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये में** : नगण्य, **पूरा करने की अवधि** : 6 महीने (छह महीने), **निविदा खोलने का स्थान** : सिकन्दराबाद.

क्र.सं. 1. विवरण : **ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा बंद होना** : दिनांक : 05-07-2024 को 15-00 बजे।

क्र.सं. 2. विवरण : **ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा खोलना** : दिनांक : 05-07-2024 को 15-30 बजे।

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए एवं निविदाओं की प्रस्तुति के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।
टिप्पणी : निविदा दस्तावेजों में किसी भी प्रकार का संशोधन/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट अगर आवश्यक हुआ तो उसे उपरोक्त वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।

चीफ प्रोजेक्ट डायरेक्टर,
A0671 रेलवे विद्युतीकरण, सिकन्दराबाद

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

अयोध्या, अमेठी और सुल्तानपुर में भाजपा की हार अप्रत्याशित

लखनऊ, 05 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के चुनावी मोर्चे पर कई जगह भारी उलटफेर देखने को मिला है। फैजाबाद सीट पर अप्रत्याशित रूप से भाजपा प्रत्याशी एवं मौजूदा सांसद लल्लू सिंह हार का मुंह देखना पड़ गया। अमेठी लोकसभा सीट पर केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, मुजफ्फरनगर में संजीव बालियान और सुल्तानपुर में पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी के हिस्से में भी हार आई है। मैनपुरी में योगी सरकार के मंत्री जयवीर सिंह भी मात खा बैठे हैं। कई और सीटों की कहानी भी कुछ ऐसी ही नजर आ रही है।

फैजाबाद सीट पर भाजपा ने मौजूदा सांसद लल्लू सिंह पर फिर भरोसा जताया था। कांग्रेस से चुनावी दोस्ती के साथ मैदान में उतरी सपा ने फैजाबाद में अवधेश प्रसाद को टिकट थमाई थी, जबकि बसपा ने सच्चिदानंद पांडेय पर दांव लगाया था। भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह चुनावी मुकाबले में सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद से 64567 वोटों से शिकस्त खा बैठे। अवधेश प्रसाद को 554289 और लल्लू सिंह को 499722 वोट मिले। बसपा प्रत्याशी सच्चिदानंद पांडेय महज 46407 वोटों पर ही सिमट गए।

अमेठी लोकसभा सीट पर भाजपा की मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी चुनावी मुकाबले में गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल से मात खा बैठीं। किशोरी लाल को मिले 539228 मतों के मुकाबले स्मृति ईरानी को 372032 वोट हासिल हुए। बसपा प्रत्याशी नन्हे सिंह चौहान सिर्फ 34534 वोट ही पा सके। इसी तरह मैनपुरी में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी एवं मौजूदा सांसद डिंपल यादव के मुकाबले यूपी सरकार के मंत्री जयवीर सिंह को हार का मुंह देखना पड़ा है। केन्द्रीय मंत्री संजीव वालियान भी पश्चिमी यूपी की मुजफ्फरनगर सीट से सपा के हरेन्द्र मलिक के मुकाबले पराजित हो गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के सुपुत्र एवं एटा से भाजपा प्रत्याशी मौजूदा सांसद राजवीर सिंह राजू भैया ने भी इस बार चुनावी हार का सामना किया है। उन्हें सपा के देवेश शाक्य ने शिकस्त दी है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी भी सुल्तानपुर सीट गंवा बैठी हैं। उन्हें सपा के रामभूल निशाद ने मात दी है।

यूपी को सशक्त बना रहे योगी : मोदी

प्रधानमंत्री ने सीएम योगी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

लखनऊ, 05 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने योगी आदित्यनाथ के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ जी उत्तर प्रदेश की प्रगति और गरीबों तथा वंचितों को सशक्त बनाने के लिए काम कर रहे हैं। मैं उनके आने वाले समय में दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री की शुभकामनाओं पर सीएम योगी ने भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आपकी आत्मीय एवं ऊर्जावान शुभकामनाएं मेरे लिए अथाह प्रेरणा का स्रोत हैं। आपके यशस्वी मार्गदर्शन में विरासत और विकास को संजोए आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश की संकल्पना साकार हो रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, किरण रिजिजू और साध्वी निरंजन ज्योति सहित विभिन्न प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

PUBLIC NOTIC

Public in General is hereby informed that my client BROTHERS OF ST. GABRIEL EDUCATIONAL SOCIETY, Rep. by its Director BRO. RAJA DURAI SELVEN, OF PEOPLE'S INITIATIVE NETWORK (PIN) MOOSA-NAGAR, CHADERGHAT, HYDERABAD-500024 has entered into an AGREEMENT OF SALE in respect of bearing House Municipal No. 16-7-799/C/79/8, situated at Moosanagar, Chaderghat, Hyd., T.S. admeasuring 70.00 sq. Yards, equivalent to 58.52 meter MOHD ISHAQ S/o LATE MOHD. CHAND? R/o. 16-7-797/1, Moosanagar, Hyderabad-500024, T.S., by virtue of Doct. No. 4178/2023. Sale Deed and paid a handsome amount.
That, if anybody have any OBJECTION or legal claim over the said property may contact in person within one week from the date of this receipt, otherwise the the said property may be register in the name of my client and no claim will be entertain.
Hence, this PUBLIC NOTICE.

Sd/-
VENKATESHWARA RAO CHANDU
Advocate, Tax Consultant & Notary
Plot no. 121, Samatha Nagar, R.K. Puram, Hyderabad-500 056.
Cell: 9966478671

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएम योगी ने किया पौधरोपण

लखनऊ, 05 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यावरण दिवस-2024 और अपने जन्मदिन पर पौधरोपण किया। अपने सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर मुख्यमंत्री ने बुधवार सुबह चंदन का पौधा लगाया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) एसपी गोयल, अपर मुख्य सचिव (वन/पर्यावरण) मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) संजय प्रसाद, डीजीपी प्रशांत कुमार आदि मौजूद रहे।

वहीं पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने ऑफिशियल अकाउंट मएक्सफ पर लिखा-माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज लखनऊ में पौधरोपण का सौभाग्य प्राप्त हुआ। धरती माता और प्रकृति के संरक्षण-संवर्धन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ सेवारत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार से करेंगे जनता दर्शन

लखनऊ, 05 जून (एजेंसियां)।

आचार संहिता की वजह से पिछले दो माह से थमा जनता दर्शन गुरुवार से एक बार फिर शुरू होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सीएम योगी आदित्यनाथ प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे और निराकरण के लिए अधिकारियों को तत्काल निर्देशित भी करेंगे। इस पहल से प्रदेश की जनता को अपनी समस्याओं को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाने का अवसर प्राप्त होगा और साथ ही उसका तत्काल निराकरण भी संभव हो सकेगा।दो माह पूर्व आचार संहिता लगने से पहले तक सीएम योगी तकरीबन प्रतिदिन अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान आमजन से मुलाकात करते रहे हैं। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए लोग सीएम से मिलकर उन्हें अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते रहे हैं। मुख्यमंत्री भी एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से उनकी समस्याएं सुनते हैं और तत्काल प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों को जनता की समस्याओं के निराकरण के निर्देश भी देते रहे हैं।सीएम योगी के सामने आने वाली ज्यादातर समस्याओं में जमीन संबंधित विवाद और स्वास्थ्य संबंधित खर्च के अनुरोध रहते हैं। इसके अलावा पारिवारिक विवाद और थाने व तहसील से संबंधित विवादों में भी जनता मुख्यमंत्री से गुहार लगाती है।

शुभ लाभ Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, KANAKA DURGA VARACAKSHMI Spouse of P.S.No.11777 Senior Auditor J S RAMACHANDRA MURTHY, R/o.4-2-170/39/P, Gruhatara Colony, Barshepet, Kowkoor, Hyderabad 500010 have changed my name and DOB from **KANAKA DURGA VARACAKSHMI, DOB:01-01-3001** to **J K VARALAKSHMI, DOB:10-04-1945** vide affidavit dt:5-6-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, JENESH DEVI, is legally wedded spouse of No- 14684189Y, Rank – HAV, Name – BHOORI SINGH, residing at Hathras, Uttar Pradesh, India, PIN-281307. I have changed my Name from - **JENESH DEVI** to **JANESH DEVI** for all purpose vide affidavit dated: 05/06/2024.

CHANGE OF NAME
I, PALLA MANI Legally Spouse of Service No :- JC671232A RANK :- SUBMAJ, NAME : PALLA VENKATA RAMANA, UNIT :-554 ASCBN, C/O 56APO, H.NO :- 2-50, VILL :- RAMAYYAPATNAM, "POST:- PEDAGUMMULURU, MANDAL :- S RAYAVARAM, DIST :- VISAKHAPATNAM, STATE :- ANDHRA PRADESH, PIN : -531083 Changed my NAME From :- **P MANI** to **PALLA MANI** W/O SUBMAJ PALLA VENKATA RAMANA Aadhar card NO :- 3565 6682 8640 Affidavit Signed by Advocate and NOTARY P. Raveendranath B.com. B.L ON 05/06/24

CHANGE OF NAME
I, Service No 15714807M Rank-L/Nk, Name- Daya Mahipatbhai Hemubhai of unit- 54 Arty Bde Sig Coy,C/o 56 APO,PIN-917854, address:- Vill-Badarkha,Teh-Dholka,Dist-Ahmedabad,PIN-382260,State-Gujarat have changed my Son name from BHAGYARAJSINH to DAYA BHAGYARAJSINH MAHIPATBHAI add in my service documents Before Notary G Ramchander Secunderabad dated 05/06/2024.

CHANGE OF NAME
I, Service No 14658989A Rank-Hav, Name- Keshav Kumar of unit-237 Fd Regt,C/o 56 APO,PIN-906237,R/o Vill-Laikoopur,PO-Karmer,Teh-Orai,Distt-Jalaun,PIN-285001,State-Uttar Pradesh have changed my Mother name from BAAGYAWATI to BRAJRANI add in my service documents Before Notary G Ramchander Secunderabad dated 05/06/2024.

CHANGE OF DOB
I, JC 294749K Nb Sub (OPR) DAVINDER KUMAR, R/o.Vill:Samawali, Po:Shamli, Teh:Buldhana, Dist:Muzaffer Nagar, Uttar Pradesh-247776 hereby declare that my son **LUCKY KUMAR** Date of Birth is to be changed from **26-03-2012** to **26-04-2013** vide affidavit dt:5-6-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, P M ANITHA Spouse of Service No.255388 Ex Sgt PULI PRASAD RAO, R/o.H.No.42-440, Gayathri Nagar, St No.3, Near Gayathri Towers, Moula Ali, Hyderabad-500040 have changed my name from **P M ANITHA** to **PULI MARY ANITHA** vide affidavit dt:5-6-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

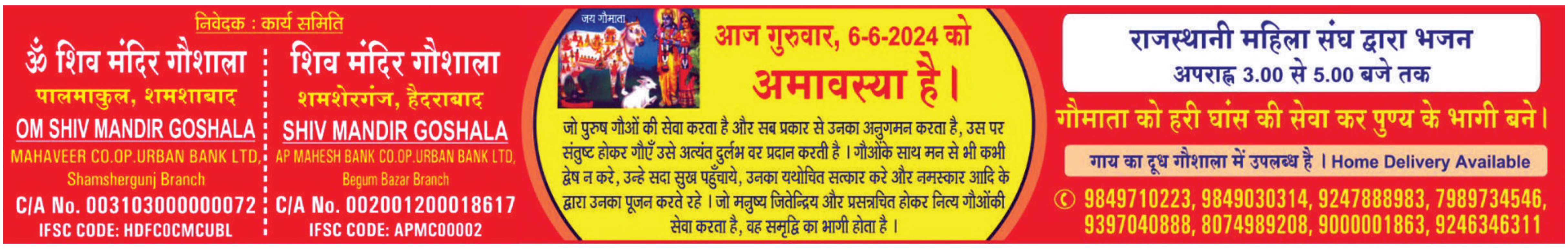

विशाल जनादेश ने हमें सौंपी बड़ी जिम्मेदारी : चंद्रबाबू नायडू

अमरावती , 05 जून (शुभ लाभ बयूरो)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के सुप्रीमो एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि विशाल जनादेश दे कर आंध्र प्रदेश की जनता ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर वो पूरी तरीके से खरा उतरने की कोशिश करेंगे। टीडीपी–जेएसपी–बीजेपी गठबंधन की भारी जीत के बाद, नायडू ने लोगों को भरोसा दिलाया कि वे उनकी सेवा करने के लिए यहां हैं। उन्होंने कहा, हम शासक नहीं हैं। हम आपकी सेवा करने के लिए यहां हैं।

उन्होंने कहा, राज्य को फिर से पटरी पर लाने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। वे एक प्लान बनाएंगे और उसी के अनुसार आगे बढ़ेंगे।नायडू ने कहा कि नई सरकार के पास राज्य की अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने और घोषणापत्र में किए गए वादों को लागू करने का काम है।

चौथी बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे नायडू ने गठबंधन की भारी जीत का श्रेय सभी सहयोगियों के सामूहिक प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व से लेकर जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं ने लक्ष्य हासिल करने के लिए ईमानदारी और समन्वय के साथ काम किया।

74 साल के नायडू ने दावा किया कि अपने लंबे राजनीतिक सफर में उन्होंने पिछले पांच सालों में जो सरकार देखी, वैसी उन्होंने पहले कभी नहीं देखी थी। उन्होंने कहा, इसने सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया।

नायडू ने दावा किया कि गठबंधन का उद्देश्य लोगों को जीत दिलाना और राज्य को फिर से खड़ा करना है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में रहने वाले मतदाताओं ने अपना पैसा खर्च कर यहां वोट डालने आए।उन्होंने कहा, देश के दूसरे राज्यों में दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम करने वाले लोग वोट डालने के लिए यहां आए। मैं उनके कमिटमेंट को बयां नहीं कर सकता और मुझे नहीं पता कि उनका शुक्रिया कैसे अदा करूं।

उन्होंने कहा, यह चुनाव टीडीपी और आंध्र प्रदेश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जा सकता है।टीडीपी–जेएसपी–बीजेपी गठबंधन ने 175 सदस्यीय विधानसभा में 164 सीटें जीतीं, जबकि वाईएसआरसीपी की सीटें घटकर सिर्फ 11 रह गईं।

चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी के शासन में लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसी बुनियादी आजादी से भी वंचित रखा गया। उन्होंने कहा, अहंकार, निरंकुशता और दमन, बस यही था, लोग बर्दाश्त करने को मजबूर थे।

टीडीपी प्रमुख ने कहा कि पांच साल तक टीडीपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को वाईएसआरसीपी के शासन में कई तकलीफें झेलनी पड़ीं। उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए।

उन्होंने आरोप लगाया कि पांच साल में जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने 30 साल का नुकसान कर दिया। संस्थाएं नष्ट हो गईं, अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई और भारी कर्ज ले लिया।नायडू ने वोटों के विभाजन से बचने के लिए टीडीपी के साथ हाथ मिलाने के लिए पवन कल्याण को धन्यवाद दिया। उन्होंने गठबंधन में शामिल होने के लिए भाजपा को भी धन्यवाद दिया। नायडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य भाजपा अध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी को धन्यवाद दिया।

6 साल के बच्चे का मिला शव, शरीर पर कुत्ते के काटने के निशान

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ बयूरो)। हैदराबाद में बुधवार को कचरे के ढेर के पास छह साल के एक बच्चे का शव मिला जिस पर कुत्ते के काटने के निशान थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। नगर निगम के एक अधिकारी ने हालांकि कहा कि बच्चे की मौत के कारण का पता नहीं चला है और अभी यह नहीं कहा जा सकता कि बच्चे की मौत आवारा कुत्ते के हमले से हुई है। शव फूला हुआ है, जिसको देखकर संदेह होता है कि बच्चा कचरे के ढेर के पास बने जलाशय में गिर गया होगा। अधिकारी ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कुत्ते ने बच्चे को कब काटा।उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट सामने आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल पाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चा कचरे के ढेर के पास ही अपने पिता और दादी के साथ रहता था और कुत्तों के साथ अक्सर खेलता था। मंगलवार की शाम को वह कुत्तों के साथ खेल रहा था और वापस घर नहीं आया। बुधवार की सुबह स्थानीय लोगों ने बच्चे के शव को देखा और पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि शव पर कुत्ते के काटने के निशान थे। बच्चे की दादी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है । मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

विकाराबाद में टीएसआरटीसी बस पलटने से 10 से अधिक यात्री घायल

हैदराबाद, 05 जून (शुभ लाभ बयूरो)। विकाराबाद जिले में कोत्ता–पल्ली के बीच एक टीएसआरटीसी बस के पलट जाने से 10 से ज़्यादा यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। कोत्तापल्ली से विकाराबाद आ रही विकाराबाद डिपो की आरटीसी बस अनियंत्रित होकर पुलिया के पास पलट गई।पंद्रह अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आईं। उनमें से एक के सिर में गंभीर चोट आई है और उसकी हालत गंभीर है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.